भारतीय रेल

अक्टूबर 2023

मूल्य ₹ 20









9 वंदे भारत एक्सप्रेस

शृंखला के नए रत्न

11 राज्यों तक पहुँच



AAL®

Autometers Alliance Ltd

Energy & Efficiency / Safety & Reliability

POWERING THE **RAIL TRANSPORT** EFFICIENTLY AND INTELLIGENTLY



DATA ACQUISITION & CONTROL DEVICE

Onboard Measurement Devices



Tachograph System for Electric, Diesel Locomotives, EMU, MEMU & DMU



Active Speed Sensor for Electric Locomotives



Opto Electronic Pulse Generator for Electric, Diesel Locomotives, EMU, MEMU & DMU



Hotel Load Current Sensor for Electric Locomotives



Primary Current Sensor for Electric Locomotives



Aspiration Smoke Detector for Coaches

Onboard Control Devices



Driver Display Unit LCD Displays for Electric Locomotives



Vigilance Control Device for Electric Locomotives



Fire Detector Equipment for Electric Locomotives



Diagnostics Terminal LCD Displays for Electric Locomotives

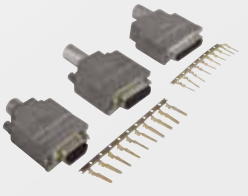


Event Recorder for Electric, Diesel Locomotives & EMUs

Electrical Connectors



Circular Connectors for Onboard & Stationary Traction



D Type Connectors for Onboard & Stationary Traction

mktre@autometers.com | C-63, Sector-57, Noida - 201 307 (U.P.) India

ISO 9001:2015 I ISO 14001:2015 I ISO 45001:2018

भारतीय रेल

रेल मंत्रालय की एकमात्र हिन्दी मासिक पत्रिका

आरंभ: अगस्त-1960 | वर्ष: 64 | अंक: 03 | राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित पत्रिका | अक्टूबर-2023 | मूल्य: ₹20

संपादक मंडल

श्रीमती जया वर्मा सिन्हा
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

सुश्री अंजलि गोयल
सदस्य (वित्त), रेलवे बोर्ड

श्री मिलिन्द के देऊस्कर
सचिव, रेलवे बोर्ड

श्री शिवाजी मारुती सुतार
निदेशक, सूचना एवं प्रचार

संपादक
योगेश अवस्थी

संपादकीय कार्यालय
संपादक, भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन,
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
editorbhartiyarailrb@gmail.com
editorbhartiyarail@gmail.com

विज्ञापन व सदस्यता हेतु संपर्क
ललित कुमार धनकड़
व्यापार प्रबंधक
कमरा नं. 310, रेल भवन
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
टेलीफोन: 011-47845378, 47845089
bmpr310rb@gmail.com

आवरण
नौ वंदे भारत एक्सप्रेस

फॉलो करें
Twitter :
@bhartiyarailrb

वार्षिक सदस्यता शुल्क
(ऑफलाइन)
सर्वसाधारण -₹250
रेलकर्मियों के लिए -₹200
विदेश में
सी-मेल द्वारा -₹1,250
एयर-मेल द्वारा -₹2,500
एक प्रति-₹20
वार्षिक विशेषांक-₹70

इस पत्रिका में छपी हर सामग्री का सम्बम्ध, जब तक विशेषत: स्पष्ट न लिखा जाए, किसी सरकारी सूत्र से न समझा जाए।

© भारतीय रेल

5 **भारतीय रेल के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने** माननीय राष्ट्रपति से मुलाकात की

6 **माननीय प्रधानमंत्री ने नौ वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई**

11 **माननीय प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के रायगढ़ से लगभग** ₹6,350 करोड़ की रेल परियोजनाएँ राष्ट्र को समर्पित कीं

13 **भारतीय रेल के गति शक्ति विश्वविद्यालय और एयरबस के बीच** एयरोस्पेस शिक्षा और अनुसंधान के लिए समझौता

14 **रेल मंत्री द्वारा नीमच-रतलाम-नागदा खंड का निरीक्षण**

15 **हिन्दी दिवस पर रेल मंत्री जी का संदेश**

16 **रेल राज्य मंत्री की उपस्थिति में आरपीएफ ने मनाया** अपना 39वां स्थापना दिवस

16 **रेल राज्य मंत्री ने पश्चिम रेलवे और मध्य रेल** के महाप्रबंधकों के साथ एक संयुक्त बैठक की

17 **रेल राज्य मंत्री ने वडोदरा-दाहोद मेमू की उद्घाटक सेवा** को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

18 **रेल मंत्रालय ने मनाया 'स्वच्छता पखवाड़ा-2023'**

20 **सांसदों द्वारा विविध ट्रेनों के ठहराव का उद्घाटन**

24 **कोटा में कवच टेस्टिंग भवन का शुभारंभ**

25 **कोलकाता मेट्रो रेलवे : कम्पोजिट एल्यूमीनियम से बनी थर्ड रेल** के साथ मेट्रो के अत्याधुनिक विशिष्ट क्लब में शामिल होने को तैयार

26 **रेल मंत्रालय ने ट्रेन दुर्घटनाओं और अप्रिय घटनाओं में मृत और घायल** यात्रियों के आश्रितों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि में संशोधन किया

28 **जी-20 शिखर सम्मेलन में रेलटेल ने एकीकृत दूरसंचार समाधान और** कैरियर क्लास साइबर सुरक्षा समाधान की सेवाएँ सफलतापूर्वक प्रदान की गईं

29 **रेलों के अंचल से**

40 **खेलों में भारतीय रेल**

43 **प्रगति रिपोर्ट**

49 **स्टेशनों का पुनर्विकास**

53 **तस्वीर दीर्घा**

57 **भारतीय रेल में ग्राउंड पेनेट्रेशन रडार टेक्नोलॉजी** — श्री एस.के.बरनवाल

62 **वैगन्स में लोड वितरण का महत्त्व** — श्री प्रशान्त कुमार सिंह

66 **भारतीय रेल और डाक टिकट** — श्री रमेश कुमार मीना

64 **खेलो इंडिया : परंपरा को मिला पुनर्जीवन** — प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी

संपादकीय



नए पड़ाव तय करती : भारतीय रेल

भारतीय रेल नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। हाल ही में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखना हो या पाँच वंदे भारत एक्सप्रेस का एक साथ उद्घाटन जैसे अवसर किसी सुनहरे ऐतिहासिक पड़ाव से कम नहीं थे, लेकिन अपने इस रिकॉर्ड को बहुत पीछे छोड़ते हुए भारतीय रेल ने 24 सितम्बर, 2023 को एक ही समय पर नौ वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें ट्रैक पर उतार कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इन नौ वंदे भारत ट्रेनों को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये ट्रेनें 11 राज्यों राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, झारखंड और गुजरात में रेल संपर्क को बढ़ावा देंगी। इन नौ ट्रेनों सहित कुल 34 वंदे भारत ट्रेन (68 सर्विस) ट्रैक पर दौड़ रही हैं।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वंदे भारत ट्रेनों को नए भारत के नए जोश, नए उत्साह और नई उमंग का प्रतीक बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वो दिन दूर नहीं, जब वंदे भारत ट्रेनें देश के हर हिस्से को कनेक्ट करेंगी। देश में रेल सेवा का नया मानक मानी जाने वाली वंदे भारत ट्रेनों से इन रूट पर मौजूद सबसे तेज ट्रेन की तुलना में 3 घंटे से 30 मिनट तक के समय की बचत हो रही है। ये ट्रेनें पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी ला रही हैं।

विश्व स्तरीय सुविधाओं और कवच तकनीक सहित उन्नत सुरक्षा सुविधाओं से सुसज्जित ये ट्रेनें आम लोगों, पेशेवरों, व्यापारियों छात्रों, पर्यटकों को यात्रा के आधुनिक, त्वरित और आरामदायक साधन प्रदान करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। इन ट्रेनों की लोकप्रियता का ये उत्तम उदाहरण है कि 24 सितम्बर, 2023 के पहले तक ट्रैक पर दौड़ रहीं वंदे भारत ट्रेनों से एक करोड़ 11 लाख से अधिक लोग यात्रा कर चुके थे।

अब लोगों के रेल यात्रा के अनुभव बदल रहे हैं। आज लोग, रेलवे स्टेशन कितने बदल गए हैं, ट्रेनों का परिचालन कितना सुधर गया है, टीटी के अच्छे व्यवहार, सुरक्षा के इंतजाम, खाने की गुणवत्ता आदि की बातें कर रहे हैं। रेल कर्मियों को लोगों की सुखद एवं यादगार यात्रा के लिए लगातार संवेदनशील रहने की सलाह देते हुए प्रधानमंत्री ने प्रतिबद्ध कर्मियों को बधाई भी दी।

प्रधानमंत्री ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि भारतीय रेल में यात्रियों के लिए अगर ट्रेन, चलता-फिरता घर होती है, तो हमारे रेलवे स्टेशन भी उनके अस्थाई घर जैसे ही होते हैं। विकसित होते भारत को अब अपने रेलवे स्टेशनों को भी आधुनिक बनाना होगा इसी उद्देश्य से 'अमृत भारत स्टेशन' योजना के अंतर्गत 508 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हर स्टेशन का अपना एक 'स्थापना दिवस' है, भारतीय रेल में अब स्टेशनों के 'स्थापना दिवस' मनाने की परंपरा प्रारंभ हुई है। हाल ही में 150 वर्ष पूरे होने पर कोयंबटूर रेलवे स्टेशन, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, पुणे समेत कई स्टेशनों का 'स्थापना दिवस' बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

भारतीय रेल विश्व फलक पर अंकित हो ऐसी कई परियोजनाएँ जल्द ही राष्ट्र को समर्पित करने की ओर आगे बढ़ रही हैं, जिनके बारे में हम इस पत्रिका के माध्यम से आपको अवगत कराते रहेंगे।

आपको हमारा यह अंक कैसा लगा, हमें जरूर बताएँ।

भारतीय रेल के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने माननीय राष्ट्रपति से मुलाकात की



परिवीक्षाधीन अधिकारियों (2019, 2020 और 2021 बैच) के साथ माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु; साथ में हैं रेलवे बोर्ड के सदस्यगण

दिनांक 14 सितम्बर, 2023 को भारतीय रेल के 213 परिवीक्षाधीन अधिकारियों (2019, 2020 और 2021 बैच) तथा 15 सितम्बर, 2023 को 255 परिवीक्षाधीन अधिकारियों के समूह ने राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

राष्ट्रपति ने परिवीक्षाधीन अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारतीय रेल न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था बल्कि भारत की एकता और सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता की भी रीढ़ है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यह उन जैसे युवा अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे रेलवे इको-सिस्टम की समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाएं और भारतीय रेल को विश्व में सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली सेवा प्रदाता बनाने का प्रयास करें।

राष्ट्रपति ने कहा कि प्रौद्योगिकी आज सभी क्षेत्रों में प्रेरक शक्ति है। उन्होंने रेखांकित किया कि भारतीय रेल, जो हर दिन लाखों लोगों की आवश्यकताओं और माँगों को पूरा करती है और हर महीने लाखों टन माल का परिवहन करती है, के लिए प्रौद्योगिकी का यथासंभव सर्वोत्तम उपयोग करना आवश्यक है। उन्होंने युवा अधिकारियों से लोक-केन्द्रित और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन प्रणाली के लिए नए अनुप्रयोगों और प्रणालियों को तैयार करके देश की प्रौद्योगिकीय उन्नति में एक नया रास्ता तय करने में योगदान देने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि जो लोग रेलगाड़ियों में यात्रा करते हैं वे अपनी यात्रा की यादें अपने साथ संजो कर रखते हैं। उन्होंने अधिकारियों से यात्रियों के साथ अपने अतिथियों के रूप में व्यवहार करने और सर्वोत्तम सेवा तथा सर्वोत्तम अनुभव प्रदान करने का आग्रह किया, जिसे वे संजोकर रख सकें। उन्होंने हर तरह से यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि उन्नत प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित-अनुप्रयोगों के साथ, रेल सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कुशल और फुलप्रूफ सिस्टम डिज़ाइन किए जाने चाहिए।



वर्ष 2018 बैच के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के साथ ग्रुप फोटो करवा कर उनका उत्साहवर्धन करतीं हुईं माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु; साथ में हैं रेलवे बोर्ड के सदस्यगण

माननीय प्रधानमंत्री ने 9 वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई



वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से नौ वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 24 सितम्बर, 2023 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से नौ वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये नई वंदे भारत ट्रेनें देश भर में कनेक्टिविटी में सुधार और रेल यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक कदम हैं।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा देश में आधुनिक कनेक्टिविटी के विस्तार का ये अभूतपूर्व अवसर है। इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की ये स्पीड और स्केल 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं से बिल्कुल मैच कर रही हैं। और यही तो आज का भारत चाहता है। यही तो नए भारत के युवाओं, उद्यमियों, महिलाओं, प्रोफेशनल्स, कारोबारियों, नौकरी-पेशा से जुड़े लोगों की महत्त्वाकांक्षाएँ हैं। एक साथ 9 वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत होना भी इसी का उदाहरण है। एक साथ राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और केरल के लोगों को वंदे भारत एक्सप्रेस की सुविधा मिली है। जिन ट्रेनों को शुरू किया गया है, वे पहले की तुलना में ज्यादा आधुनिक और आरामदायक हैं। ये वंदे भारत ट्रेनें नए भारत के नए जोश, नए उत्साह और नई उमंग की प्रतीक हैं। मुझे इस बात की भी खुशी है कि वंदे भारत ट्रेनों का क्रेज लगातार बढ़ रहा है। इससे अब तक एक करोड़ 11 लाख से ज्यादा यात्री सफर कर चुके हैं, और ये संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है।

देश के अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के लोगों को अब तक 25 वंदे भारत ट्रेनों की सुविधा मिल रही थी। अब इसमें 9 और वंदे भारत एक्सप्रेस जुड़ जाएंगी। वो दिन दूर नहीं, जब वंदे भारत देश के हर हिस्से को कनेक्ट करेंगी। मुझे खुशी है कि वंदे भारत एक्सप्रेस अपने उद्देश्य को बखूबी पूरा कर रही हैं। ये ट्रेन उन लोगों के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण हो गई

नौ वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें





इस अवसर पर विविध स्टेशनों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, केंद्रीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इस कार्यक्रम में जुड़े

है, जो सफर का समय कम से कम रखना चाहते हैं। ये ट्रेन उन लोगों की बहुत बड़ी जरूरत बन गई है, जो दूसरे शहर में कुछ घंटों का काम खत्म करके उसी दिन लौट आना चाहते हैं। वंदे भारत ट्रेनों ने पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी ला दी है। जिन जगहों तक वंदे भारत एक्सप्रेस की सुविधा पहुँच रही है, वहाँ पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है। पर्यटकों की संख्या बढ़ने का मतलब है वहाँ कारोबारियों, दुकानदारों की आय में बढ़ोत्तरी हो रही है। इससे वहाँ रोज़गार के नए अवसर भी तैयार हो रहे हैं। भारत में आज जो उत्साह और आत्मविश्वास का वातावरण बना है, वैसा पिछले कई दशकों में नहीं बना था। आज हर भारतवासी अपने नए भारत की उपलब्धियों से गौरवान्वित है। चंद्रयान-3 की सफलता ने सामान्य जन की उम्मीदों को आसमान पर पहुँचा दिया है। आदित्य एल-1 की लॉन्चिंग ने हौसला दिया है कि अगर इरादा मजबूत हो तो कठिन से कठिन लक्ष्य को भी हासिल किया जा सकता है। जी-20 समिट की कामयाबी ने ये विश्वास दिया है कि भारत के पास डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी और डाइवर्सिटी की कितनी अद्भुत ताकत है। आज भारत के कूटनीतिक कौशल की दुनियाभर में चर्चा हो रही है। हमारे वूमेन-लेड डेवल्पमेंट के विज़न को दुनिया ने सराहा है। अपने इस विज़न पर आगे बढ़ते हुए सरकार ने संसद में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पेश किया था। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के आने के बाद हर सेक्टर में महिलाओं के योगदान और उनकी बढ़ती भूमिका की चर्चा हो रही है। कई रेलवे स्टेशनों का संचालन भी पूरी तरह से महिला कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। मैं ऐसे प्रयासों के लिए रेलवे की सराहना करता हूँ, देश की सभी महिलाओं को नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए फिर से बधाई देता हूँ।



तिरूनेलवेल-चेन्नई एगमोर वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन समारोह तिरूनेलवेली स्टेशन पर आयोजित किया गया। समारोह में शामिल अतिथिगण

आत्मविश्वास से भरे इस माहौल के बीच, अमृतकाल का भारत, अपनी वर्तमान और भविष्य की जरूरतों पर एक साथ काम कर रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर की प्लानिंग से लेकर एग्जीक्यूशन तक में हर स्टेकहोल्डर में तालमेल कर रहे, इसके लिए 'पीएम गतिशक्ति' नेशनल मास्टर प्लान बनाया गया है। देश में ट्रांसपोर्टेशन का खर्च कम हो, हमारे एक्सपोर्ट्स की लागत कम से कम हो, इसके लिए नई लॉजिस्टिक्स पॉलिसी

लागू की गई है। देश में ट्रांसपोर्ट का एक माध्यम, दूसरे को सपोर्ट करे, इसके लिए मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी पर जोर दिया जा रहा है। इन सारे प्रयासों का बड़ा लक्ष्य यही है कि भारत के नागरिक के लिए Ease of Travel बढ़े, उसका कीमती समय बचे। ये वंदे भारत ट्रेनें इसी भावना का एक प्रतिबिंब हैं।

भारतीय रेल, देश के गरीब और मिडिल क्लास की सबसे भरोसेमंद सहयात्री है। हमारे यहां एक दिन में जितने लोग ट्रेन में सफर करते हैं, उतनी तो कई देशों की आबादी भी नहीं है। अब हमारी सरकार, भारतीय रेल के कायाकल्प पलटने में जुटी है। सरकार ने रेल बजट में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी की है। वर्ष 2014 में रेलवे का जितना बजट था, इस साल उससे 8 गुना ज्यादा बजट दिया गया है। रेल लाइनों का दोहरीकरण हो, बिजलीकरण हो, नई ट्रेनों को चलाना हो, नए रूट्स का निर्माण हो, इन सभी पर तेजी से काम हो रहा है।

भारतीय रेल में यात्रियों के लिए अगर ट्रेन, चलता फिरता घर होती है तो हमारे रेलवे स्टेशन भी उनके अस्थाई घर जैसे ही होते हैं। विकसित होते भारत को अब अपने रेलवे स्टेशनों को भी आधुनिक बनाना ही होगा। इसी सोच के साथ पहली बार भारत में रेलवे स्टेशनों के विकास और आधुनिकीकरण का अभियान शुरू किया गया है। आज देश में रेल यात्रियों की सुविधा के लिए रिकॉर्ड संख्या में फुट ओवर ब्रिज, लिफ्ट्स और एस्केलेटर्स का



कासरगोड-तिरूवनंतपुरम वंदे भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन समारोह में उपस्थित अतिथिगण

निर्माण हो रहा है। कुछ दिनों पहले ही देश के 500 से ज्यादा बड़े स्टेशनों के रिडेवल्पमेंट का काम शुरू किया गया है। अमृतकाल में बने ये नए स्टेशन अमृत भारत स्टेशन कहलाए जाएंगे। ये स्टेशन आने वाले दिनों में, नए भारत की पहचान बनेंगे।

रेलवे स्टेशन कोई भी हो, उसका एक 'स्थापना दिवस' जरूर होता है, जन्मदिवस जरूर होता है। मुझे इस बात की खुशी है कि अब रेलवे ने रेलवे स्टेशनों का जन्मोत्सव यानी स्थापना दिवस मनाना शुरू किया है। हाल ही में तमिलनाडु के कोयंबटूर, मुंबई के छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, पुणे समेत कई स्टेशनों के स्थापना दिवस को सेलिब्रेट किया गया। कोयंबटूर के रेलवे स्टेशन ने तो यात्रियों की सेवा के 150 वर्ष पूरे कर लिए हैं। ऐसी उपलब्धियों पर वहाँ के लोगों को गर्व होना स्वाभाविक है। अब रेलवे स्टेशनों का जन्मदिवस मनाने की इस परंपरा का और विस्तार किया जाएगा, इससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ा जाएगा।

अमृतकाल में देश ने, 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के विज़न को संकल्प से सिद्धि का माध्यम बनाया है। वर्ष 2047 में देश आजादी के 100 साल मनाएगा। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए हर राज्य का, हर राज्य के लोगों का विकास भी उतना ही जरूरी है।

आज मैं रेलवे के अपने परिश्रमी कर्मचारियों से भी एक बात कहूँगा। जब कोई दूसरे शहर या दूर किसी जगह से यात्रा करके आता है, तो उससे सबसे पहले यही पूछा जाता है कि सफर कैसा रहा। वो व्यक्ति सिर्फ अपने सफर का अनुभव ही नहीं बताता, वो घर से निकलने से लेकर मंजिल तक पहुँचने की पूरी बात करता है। वो बताता है कि रेलवे स्टेशन कितने बदल गए हैं, वो बताता है कि ट्रेनों का परिचालन कितना व्यवस्थित हो गया है। उसके अनुभवों में टीटी का व्यवहार, उसके हाथ में कागज की जगह टैबलेट, सुरक्षा के इंतजाम, खाने की क्वालिटी सब प्रकार की बातें होती हैं। इसलिए आपको, रेलवे के हर कर्मचारी को, Ease of Travel के लिए, यात्रियों को अच्छा अनुभव देने के लिए, लगातार संवेदनशील रहना होता है। और आजकल ये बातें जब सुनने को मिलती हैं, इतना अच्छा हुआ तो मन को एक खुशी मिलती हैं। और इसलिए मैं ऐसे जो कर्मचारी



दिनांक 24 सितम्बर, 2023 को उदयपुर-जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने के अवसर पर श्री कैलाश चौधरी-कृषि राज्य मंत्री, श्री अर्जुन लाल मीणा-सांसद (उदयपुर), श्री चन्द्र प्रकाश जोशी-सांसद (चित्तौड़गढ़), श्री फूल सिंह मीणा-विधायक (उदयपुर ग्रामीण) उपस्थित थे

प्रतिबद्ध हैं, उनको भी जी-जान से बधाई देता हूँ। भारतीय रेल ने स्वच्छता को लेकर जो नए प्रतिमान गढ़े हैं, उसे भी हर देशवासी ने नोटिस किया है। पहले की अपेक्षा अब हमारे स्टेशन्स और हमारी ट्रेनें कहीं ज्यादा साफ रहने लगी हैं। मुझे विश्वास है कि भारतीय रेल और समाज में हर स्तर पर हो रहा बदलाव विकसित भारत की ओर एक महत्त्वपूर्ण कदम साबित होगा। मैं एक बार फिर नई वंदे भारत ट्रेनों के लिए देश के लोगों को बहुत-बहुत शुभकामनाएँ देता हूँ।

इस अवसर पर अलग-अलग स्टेशनों पर आयाजित समारोहों में राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्री, संसद सदस्य, केंद्रीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव और अन्य लोग शामिल हुए।

पृष्ठभूमि

ये नौ ट्रेनें 11 राज्यों- राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, झारखंड और गुजरात में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देंगी। ये वंदे भारत ट्रेनें अपने संचालन के रूटों पर सबसे तेज गति से दौड़ेंगी और यात्रियों के समय में काफी बचत करेंगी। रूट पर मौजूदा सबसे तेज ट्रेन की तुलना में राउरकेला-भुवनेश्वर-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस और कासरगोड-तिरुवनंतपुरम वंदे भारत एक्सप्रेस लगभग तीन घंटे जल्दी सफर तय करेंगी; हैदराबाद-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस 2.5 घंटे से अधिक समय की बचत करेगी; तिरुनेलवेली-मदुरै-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस 2 घंटे से अधिक समय की बचत करेगी; रांची-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस, पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस और जामनगर-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस लगभग एक घंटे के समय की बचत करेंगी तथा उदयपुर-जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस लगभग आधे घंटे जल्दी सफर तय करेगी।

देश के महत्त्वपूर्ण धार्मिक स्थलों की कनेक्टिविटी में सुधार करने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विज़न के अनुरूप, राउरकेला-भुवनेश्वर-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस और तिरुनेलवेली-मदुरै-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस पुरी एवं मदुरै के महत्त्वपूर्ण धार्मिक शहरों को जोड़ेगी। इसके अलावा, विजयवाड़ा-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस रेनिगुंटा रूट से संचालित होगी और तिरुपति तीर्थस्थल केंद्र तक कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

इन वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत से देश में रेल-सेवा के एक नए मानक की शुरुआत होगी। विश्व स्तरीय सुविधाओं और कवच तकनीक सहित उन्नत सुरक्षा सुविधाओं से सुसज्जित ये ट्रेनें आम लोगों, पेशेवरों, व्यापारियों, छात्रों और पर्यटकों को यात्रा के आधुनिक, त्वरित और आरामदायक साधन प्रदान करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम होंगी।



वंदे भारत एक्सप्रेस 2.0 की मुख्य विशेषताएँ



बेहतरीन दृश्य और यात्रियों के आवागमन में सुविधा के लिए गैंगवे

स्लाइडिंग पायदान के साथ ऑटोमैटिक प्लग डोर्स





आपातकालीन निकास के साथ सतत् सील्ड खिड़कियां



सौंदर्य में वृद्धि के लिए छतों पर लहरदार पैनल



विशेष वातानुकूलन डक्ट, ताकि वातानुकूलन समान रूप से हो। तापमान अनुकूलन के लिए ऑटोमेटिक सेंसर

पार्टीशन के लिए विद्युत आधारित स्पर्श रहित दरवाजे





दीवार में लग जाने वाली मुड़ने वाली सीट



कंपार्टमेंट के अंदर अलार्म बटन



बैठने के स्थान के अंदर एवं बाहर आपातकालीन टॉक बैक बटन

वायुयान जैसी शांत एम्बियंस वाली एलइडी प्रकाश व्यवस्था





प्रत्येक सीट के लिए चार्जिंग प्वाइंट



एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए रिवाल्विंग सीट



प्रत्येक डिब्बे में मिनी पैंट्री

दिव्यांग रेल यात्रियों के लिए विशेष शौचालय



माननीय प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के रायगढ़ से लगभग ₹6,350 करोड़ की रेल परियोजनाएँ राष्ट्र को समर्पित कीं



छत्तीसगढ़ में ₹6,350 करोड़ की रेल परियोजनाएँ राष्ट्र को समर्पित करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी
साथ में हैं केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह सरुता और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री श्री टी. एस. सिंहदेव

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 14 सितम्बर, 2023 को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ से लगभग ₹6,350 करोड़ की रेल परियोजनाएँ राष्ट्र को समर्पित कीं। इन रेल परियोजनाओं में छत्तीसगढ़ पूर्व रेल परियोजना चरण-I, चंपा से जमगा के बीच तीसरी रेल लाइन, पेंद्रा रोड से अनूपपुर के बीच तीसरी रेल लाइन शामिल है।

सभा को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में ₹6,400 करोड़ से अधिक की रेल परियोजनाओं का अनावरण किया जा रहा है, जो राज्य विकास की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि पूरी दुनिया आधुनिक विकास और सामाजिक कल्याण की तेज रफ्तार के भारतीय मॉडल को न केवल देख रही है बल्कि सराहना भी कर रही है। प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान विश्व नेताओं की मेजबानी को याद करते हुए जिक्र किया कि वे भारत के विकास और सामाजिक कल्याण मॉडल से बेहद प्रभावित थे। उन्होंने कहा कि दुनिया की बड़ी-बड़ी संस्थाएँ भारत की सफलता से सीखने की बात कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने इस उपलब्धि का श्रेय देश के हर राज्य और हर क्षेत्र के विकास के प्रति सरकार की बराबर प्राथमिकता को दिया। प्रधानमंत्री ने उद्घाटित रेल परियोजनाओं के लिए नागरिकों को बधाई देते हुए कहा, 'छत्तीसगढ़ का यह क्षेत्र भी इसका साक्षी है।'

प्रधानमंत्री ने टिप्पणी की कि 'आज छत्तीसगढ़ के रेलवे नेटवर्क के विकास में एक नया अध्याय लिखा जा रहा है' और यह सुधरा हुआ रेल नेटवर्क बिलासपुर-मुंबई रेल लाइन के झारसुगुड़ा बिलासपुर खंड में भीड़ को कम करेगा। उन्होंने कहा कि इसी तरह जो अन्य रेल लाइनें शुरू हो रही हैं और जो रेल कॉरिडोर बन रहे हैं, वे छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास को नई ऊँचाई देंगे। इन मार्गों के पूरा होने पर न केवल छत्तीसगढ़ के लोगों को सुविधा मिलेगी बल्कि इस इलाके में रोज़गार और आय के नए अवसर भी निर्मित होंगे।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कोयला खदानों से बिजली संयंत्रों तक कोयले के परिवहन की लागत और समय अब और कम हो जाएंगे। कम लागत पर ज्यादा से ज्यादा बिजली पैदा करने के लिए सरकार पिट-हेड-थर्मल पॉवर-प्लांट भी बना रही है। उन्होंने तलाईपल्ली खदान को जोड़ने के लिए 65 कि.मी. लंबी मैरी-गो-राउंड परियोजना के उद्घाटन का भी जिक्र किया और कहा कि देश में ऐसी परियोजनाओं की संख्या बढ़ेगी और आने वाले समय में छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों को इसका सबसे ज्यादा फायदा होने वाला है।

इस अवसर पर अन्य लोगों के साथ-साथ केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह सरुता और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री श्री टी. एस. सिंहदेव उपस्थित थे।

परियोजनाएँ एक नजर में

रायगढ़ में हुए इस सार्वजनिक कार्यक्रम में लगभग ₹6,350 करोड़ की महत्त्वपूर्ण रेल परियोजनाएँ राष्ट्र को समर्पित करने से, देश भर में कनेक्टिविटी में सुधार पर प्रधानमंत्री के आग्रह को बढ़ावा मिलेगा। इन परियोजनाओं में छत्तीसगढ़ पूर्व रेल परियोजना चरण-I, चंपा से जमगा के बीच तीसरी रेल लाइन, पेंद्रा रोड से अनूपपुर के बीच तीसरी रेल लाइन और तलाईपल्ली कोयला खदान को एनटीपीसी लारा सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन से जोड़ने वाली एमजीआर (मेरी-गो-राउंड) प्रणाली शामिल है। ये रेल परियोजनाएँ इस इलाके में यात्रियों की आवाजाही के साथ-साथ माल ढुलाई को सुगम बनाकर सामाजिक आर्थिक विकास को गति प्रदान करेंगी।

छत्तीसगढ़ पूर्व रेल परियोजना के चरण-I को महत्त्वाकांक्षी प्रधानमंत्री/पीएम गतिशक्ति-मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत विकसित किया जा रहा है और इसमें खरसिया से धरमजयगढ़ तक 124.8 कि.मी. की रेल लाइन शामिल है। इसमें गेर-पेलमा के लिए एक स्पर लाइन और छल, बरौद, दुर्गापुर और अन्य कोयला खदानों को जोड़ने वाली तीन फीडर लाइनें शामिल हैं। लगभग ₹3,055 करोड़ की लागत से बनी यह रेल लाइन विद्युतीकृत ब्रॉड गेज, लेवल क्रॉसिंग और यात्री सुविधाओं के साथ फ्री पार्ट डबल लाइन से सुसज्जित है।

यह छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में स्थित मांड-रायगढ़ कोयला क्षेत्रों से कोयला परिवहन के लिए रेल कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। पेंद्रा रोड से अनूपपुर के बीच तीसरी रेल लाइन 50 किमी लंबी है और लगभग ₹516 करोड़ की लागत से बनाई गई है। चंपा और जामगा रेल खंड के बीच 98 कि.मी. लंबी तीसरी लाइन लगभग ₹796 करोड़ की लागत से बनी है। नई रेल लाइनों से इस इलाके में कनेक्टिविटी बेहतर होगी और पर्यटन तथा रोज़गार के अवसरों में बढ़ोत्तरी होगी।

रेल पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए

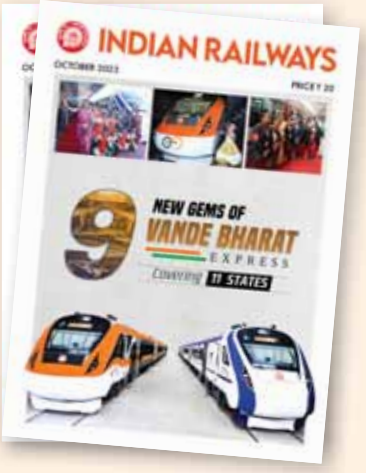
रेल मंत्रालय द्वारा विगत 65 वर्षों से भी अधिक समय से प्रकाशित मासिक पत्रिकाओं

की सदस्यता अब **ऑनलाइन** भी उपलब्ध



भारतीय रेल
(हिन्दी)

विज़िट करें



Indian Railways
(English)

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home

दरें एवं शर्तें लागू

भारतीय रेल के गति शक्ति विश्वविद्यालय और एयरबस के बीच एयरोस्पेस शिक्षा और अनुसंधान के लिए समझौता



रेल भवन में आयोजित एक समारोह में केंद्रीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव तथा अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती जया वर्मा सिन्हा तथा अन्य रेलवे बोर्ड के सदस्यगण के समक्ष समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए श्री रेमी मेलार्ड (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एयरबस इंडिया और दक्षिण एशिया) और प्रोफेसर श्री मनोज चौधरी (कुलपति, गति शक्ति विश्वविद्यालय)

वडोदरा में भारतीय रेल की गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) और एयरबस ने भारतीय विमानन क्षेत्र को और मजबूत करने के लिए दिनांक 7 सितम्बर, 2023 को नई दिल्ली के रेल भवन में श्री रेमी मेलार्ड (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एयरबस इंडिया और दक्षिण एशिया) और प्रोफेसर श्री मनोज चौधरी (कुलपति, गति शक्ति विश्वविद्यालय) ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू पर हस्ताक्षर केंद्रीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में किया गया, जो गति शक्ति विश्वविद्यालय के पहले कुलपति भी हैं। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री जया वर्मा सिन्हा और रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

हाल ही में एयरबस और टाटा ने गुजरात के वडोदरा में भारत में सी-295 विमान का डिज़ाइन, नवाचार, निर्माण और विकास के लिए एक साझेदारी की घोषणा की थी। एयरबस दुनिया में वाणिज्यिक विमानों का सबसे बड़ा निर्माता है और हेलीकॉप्टरों, रक्षा एवं अंतरिक्ष उपकरणों का एक प्रमुख निर्माता है। इस कंपनी का भारत के साथ पुराना सम्बन्ध है। कंपनी भारत को एक विश्व स्तरीय वाणिज्यिक विमानन केंद्र और प्रतिभा और संसाधनों के केंद्र के रूप में देखती है। कंपनी देश में पूरी तरह से एकीकृत विमान विनिर्माण व्यवसाय प्रणाली विकसित करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचे के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। 'मेक इन इंडिया' सिद्धांत एयरबस की व्यावसायिक रणनीति के मूल में है और कंपनी धीरे-धीरे वैश्विक विनिर्माण में देश के योगदान को बढ़ा रही है।

इस अवसर पर श्री वैष्णव ने कहा, "जीएसवी प्रबल उद्योग-अकादमिक साझेदारी पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा। इसके सभी कोर्स उद्योग के सहयोग से तैयार किए जाएंगे। जीएसवी में अध्ययन करने वाले छात्र उद्योग के लिए तैयार होंगे। परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में रोज़गार के लिए उनकी अत्यधिक माँग होगी। एयरबस के साथ आज का समझौता ज्ञापन इस लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।"

इस अवसर पर श्री रेमी मेलार्ड, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एयरबस इंडिया और दक्षिण एशिया ने कहा "एक कंपनी के रूप में जो कि भारत में एयरोस्पेस पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, हम मानव पूंजी विकास में निवेश करने की अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। गति शक्ति विश्वविद्यालय के साथ हुई यह साझेदारी देश में कुशल कार्यबल का एक मजबूत तंत्र विकसित करेगी जो भविष्य में अपने देश में तेजी से बढ़ते एयरोस्पेस क्षेत्र की सेवा के लिए तैयार होगा।" यह उद्योग-शैक्षणिक साझेदारी, नियमित छात्रों और कामकाजी पेशेवरों के लिए क्षेत्र-प्रासंगिक कौशल

पाठ्यक्रमों एवं कार्यक्रमों, संकाय के लिए संयुक्त अनुसंधान एवं औद्योगिक अनुभव, छात्रों के लिए इन्टर्नशिप एवं प्लेसमेंट और छात्रवृत्ति कार्यक्रमों के सह-विकास और सह-वितरण को सक्षम बनाएगा। यह उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरुप छात्रों के लिए नौकरी के अवसर उत्पन्न करेगा। यह उम्मीद की जाती है कि एयरबस भारतीय परिचालन में 15,000 छात्रों को नौकरियों के अवसर प्रदान करेगा।

गति शक्ति विश्वविद्यालय

गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) वडोदरा की स्थापना 2022 में संसद के एक अधिनियम द्वारा पूरे परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों के लिए सर्वश्रेष्ठ श्रेणी की जनशक्ति एवं प्रतिभा का निर्माण करने के लिए की गयी थी। यह केंद्रीय विश्वविद्यालय रेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है और रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव इसके पहले कुलपति हैं।

परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करते हुए, जीएसवी 'अपनी तरह का पहला' विश्वविद्यालय है, जिसका उद्देश्य रेलवे, शिपिंग, बंदरगाहों, राजमार्गों, सड़कों, जलमार्गों और विमानन आदि में राष्ट्रीय विकास योजनाओं (पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान 2021 और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति 2022) के जनादेश को पूरा करना है। भारतीय रेल के सभी केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थानों के माँग-संचालित पाठ्यक्रम और अत्याधुनिक अवसंरचना का लाभ उठाते हुए, जीएसवी प्रौद्योगिकी, अर्थशास्त्र, प्रबंधन एवं नीति में पेशेवरों का एक संसाधन पूल तैयार करेगा, जिसमें बहु-विषयक शिक्षण (स्नातक/मास्टर/डॉक्टरेट), कार्यकारी प्रशिक्षण और अनुसंधान शामिल हैं। जीएसवी भारतीय रेल परिवीक्षाधीनों और सेवारत अधिकारियों को प्रशिक्षण की सुविधा भी प्रदान करेगा।

जीएसवी एक उद्योग-संचालित और नवाचार-आधारित विश्वविद्यालय है और इस कारण वह पहले से ही दुनिया के अग्रणी संस्थानों और उद्योगों के साथ कई प्रकार के सहकार्यों में शामिल है।

रेल मंत्री द्वारा नीमच-रतलाम-नागदा खंड का निरीक्षण



नीमच स्टेशन पर 'एक स्टेशन-एक उत्पाद' के स्टॉल पर खरीदी कर अपने मोबाइल वॉलेट से डिजिटल पेमेन्ट करते हुए केंद्रीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव

केंद्रीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 5 सितम्बर, 2023 को मध्य प्रदेश के दौरे के दौरान नीमच स्टेशन पर यात्री सुख-सुविधाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंदसौर के सांसद श्री सुधीर गुप्ता भी उपस्थित थे। उनके साथ पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र, रतलाम मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री रजनीश कुमार तथा प्रधान कार्यालय और मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इसके बाद, रेल मंत्री ने नीमच-रतलाम-नागदा खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। रेल मंत्री श्री वैष्णव ने नीमच स्टेशन के निरीक्षण के दौरान विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्टेशन पर 'एक स्टेशन-एक उत्पाद' स्टॉल का दौरा किया और उत्पादों की गुणवत्ता की जाँच की तथा साथ ही इसकी बिक्री के बारे में भी जानकारी ली। श्री वैष्णव ने स्टॉल विक्रेताओं से डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और 'डिजिटल इंडिया' के सपने को साकार करने पर बल दिया। उन्होंने स्वयं नीमच में ओएसओपी स्टॉल और कैटरिंग स्टॉल से खरीदे गए उत्पादों का डिजिटल भुगतान करके उन प्रयासों का नेतृत्त्व किया।

इसके बाद श्री वैष्णव ने नीमच-रतलाम खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। अपने निरीक्षण के दौरान रेल मंत्री ने नीमच-रतलाम खंड पर पिपलिया मंडी स्टेशन के पास समपार (एलसी) संख्या 141 के स्थान पर बनाए जा रहे नए रोड ओवर ब्रिज के चल रहे कार्य का निरीक्षण किया। रेल मंत्री ने रेलवे के युवा अधिकारियों से भी बातचीत की और उनसे रेलवे के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने पर जोर दिया। रेल मंत्री ने उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने और रेलवे के समग्र विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करने में मदद मिलेगी।

हिन्दी दिवस पर रेल मंत्री जी का संदेश

अश्विनी वैष्णव
Ashwini Vaishnaw

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
भारत सरकार

Minister of Railways
Communications & Electronics and
Information Technology
Government of India



प्रिय साथियों,

हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ।

भारत एक बहुभाषी देश है और विभिन्न भारतीय भाषाओं के साथ समन्वय स्थापित करते हुए हिन्दी ने जनमानस में विशेष स्थान प्राप्त किया है।

भारतीय रेल, राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के लिए सदैव सजग रही है। राजभाषा हिन्दी के उत्कृष्ट कार्य के लिए रेल मंत्रालय को वित्त वर्ष 2021-22 का तृतीय राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्राप्त हुआ है। सभी रेलकर्मी इसके लिए बधाई के पात्र हैं।

आइए हिन्दी दिवस पर यह संकल्प लें कि सामूहिक प्रयासों से देश में हिन्दी के प्रचार-प्रसार और प्रयोग को नया आयाम देंगे।

जय हिन्द!

(अश्विनी वैष्णव)

रेल राज्य मंत्री की उपस्थिति में आरपीएफ ने मनाया अपना 39वां स्थापना दिवस



आरपीएफ के महानिदेशक श्री मनोज यादव की उपस्थिति में आरपीएफ कर्मियों को पदक प्रदान करते हुए रेल राज्य मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने 23 सितंबर 2023 को अपना 39वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। स्थापना दिवस पर केंद्रीय स्तर की परेड का आयोजन आरपीएफ प्रशिक्षण केंद्र, मौला-अली, हैदराबाद में किया गया। इस अवसर पर रेल राज्य मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री मनोज यादव, महानिदेशक, आरपीएफ, नई दिल्ली, श्री अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक श्री अंजनी कुमार, अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति समारोह में उपस्थित थे।

रेल राज्य मंत्री ने 42 आरपीएफ कर्मियों को 'विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक', 'सराहनीय सेवा के लिए भारतीय पुलिस पदक', 'जीवन रक्षा पदक' और विभिन्न अन्य पदक प्रदान किए। आरपीएफ के महानिदेशक ने यात्रियों को सुरक्षित ट्रेन यात्रा प्रदान करने के लिए बल द्वारा की गई विभिन्न नई पहलों को साझा किया। इस अवसर पर महानिदेशक ने प्रशिक्षण केंद्र में साइबर सेल क्लास रूम, पुनर्निर्मित सुरक्षा सम्मेलन हॉल और आरएफआईडी आधारित शस्त्रागार प्रबंधन प्रणाली का उद्घाटन किया।

रेल राज्य मंत्री ने पश्चिम रेलवे और मध्य रेल के महाप्रबंधकों के साथ एक संयुक्त बैठक की

रेल एवं वस्त्र राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने दिनांक 13 सितंबर, 2023 को मुंबई के चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे मुख्यालय में पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र एवं मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री नरेश लालवानी तथा दोनो रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक संयुक्त बैठक की।

अधिकारियों द्वारा बैठक में श्रीमती जरदोश को नवीनत्तम विकास, अवसंरचनात्मक परियोजनाओं, ट्रेन सम्बन्धी जानकारी आदि के बारे में अवगत कराया गया। श्रीमती जरदोश ने उधना-सूरत तीसरी लाइन, उज्जैन-देवास-इंदौर दोहरीकरण, राऊ-डॉ. अम्बेडकर नगर दोहरीकरण, छोटा उदेपुर-धार नई रेल लाइन, राजकोट-कनालूस दोहरीकरण, पालनपुर-महेसाना दोहरीकरण, भुज-नालिया गेज परिवर्तन आदि जैसी कई अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने गुजरात और महाराष्ट्र में रेल से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की और आम जनता से प्राप्त प्रतिसाद और अपने बहुमूल्य सुझाव को क्रियान्वयन के लिए दोनों रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साझा किया। इस अवसर पर श्रीमती जरदोश ने पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में चालू वर्ष में जुलाई 2023 तक उत्कृष्ट माल लदान के लिए पश्चिम रेलवे के राजकोट मंडल एवं मध्य रेल के मुंबई और नागपुर मंडलों को पुरस्कृत किया।



पश्चिम रेलवे और मध्य रेल के साथ एक संयुक्त बैठक करती हुईं रेल एवं वस्त्र राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश, साथ में हैं पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र और मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री नरेश लालवानी

रेल राज्य मंत्री ने वडोदरा-दाहोद मेमू की उद्घाटक सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया



वडोदरा स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में वडोदरा-दाहोद मेमू ट्रेन की उद्घाटक सेवा को हरी झंडी दिखाती हुई रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति

केंद्रीय रेल एवं वस्त्र राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने दिनांक 26 सितंबर, 2023 को वडोदरा स्टेशन से वडोदरा-दाहोद नई मेमू की उद्घाटक सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर वडोदरा शहर की महापौर श्रीमती पिंकीबेन नीरजभाई सोनी; सांसद श्रीमती रंजनाबेन भट्ट और विधायक श्री केयूरभाई नारायणदास रोकाडिया सहित मंडल रेल प्रबंधक, वडोदरा श्री जीतेंद्र सिंह और वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित थे।

श्रीमती जरदोश ने अपने संबोधन में कहा कि यह नई ट्रेन वडोदरा और दाहोद के बीच बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। इससे इस मार्ग पर बढ़ती माँग को पूरा करने में मदद मिलेगी तथा शिक्षा एवं रोज़गार के लिए यात्रा करने वाले लोगों के साथ-साथ आस-पास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए भी बहुत सुविधाजनक होगी।

दाहोद रेलवे स्टेशन पर दाहोद के सांसद श्री जसवन्तसिंह भाभोर ने विधायक श्री कनैयालाल किशोरी और रतलाम मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री अशफाक अहमद और वरिष्ठ रेल अधिकारियों सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों के साथ ट्रेन की उद्घाटन सेवा का स्वागत किया।

आप सबका **भारतीय रेल** के साथ अटूट रिश्ता है

भारतीय रेल के साथ आप अपने संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, गीत, लेख आदि हिन्दी में हमें भेज सकते हैं। पसंद आने पर रचनाओं को हम रेल मंत्रालय की आधिकारिक मासिक पत्रिका

भारतीय रेल

में प्रकाशित करेंगे

ई-मेल editorbhartiyarailrb@gmail.com

चयनित सामग्री/लेख की जानकारी ई-मेल द्वारा दी जाएगी,
प्रकाशित रचनाओं के लिए रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानदेय भी दिया जाएगा

रेल मंत्रालय ने मनाया 'स्वच्छता पखवाड़ा-2023'



रेल भवन में आयोजित एक समारोह से स्वच्छता पखवाड़े का प्रारम्भ करवाती हुईं अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती जया वर्मा सिन्हा एवं रेलवे बोर्ड के सदस्यगण

रेल मंत्रालय से दिनांक 15 सितम्बर, 2023 को स्वच्छता पखवाड़ा-2023 की शुरुआत की गई। स्वच्छता पखवाड़ा-2023 का शुभारंभ रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती जया वर्मा सिन्हा ने किया। उन्होंने रेल भवन से स्वच्छता की यह शपथ पूरे रेल परिवार को दिलाई, जिसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े क्षेत्रीय रेलवे और मंडलों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ रेल के कर्मचारी शामिल हैं। पूरे रेल परिवार द्वारा ली गई स्वच्छता शपथ स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता पर केंद्रित थी। यह प्रति वर्ष स्वच्छता के लिए सौ घंटे समर्पित करती है और स्वच्छ भारत मिशन के संदेश का प्रचार करती है।

रेल मंत्रालय ने स्वच्छता पखवाड़ा की अवधि को स्वत: बढ़ाकर 02 अक्टूबर तक कर दिया और इसे महात्मा गांधी की जयंती के साथ समाप्त किया गया।

इस वर्ष, आवासन और शहरी मामलों के मंत्रालय तथा जल शक्ति मंत्रालय का संयुक्त अभियान 'स्वच्छता ही सेवा' (एसएचएस) अभियान (15 सितम्बर, 2023 से 2 अक्टूबर, 2023 तक) भी मनाया गया। एसएचएस की गतिविधियों को भारतीय रेल के स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के साथ एकीकृत किया गया था।

स्वच्छता पखवाड़ा-2023 के लिए, पखवाड़े के दौरान स्वच्छ रेलगाड़ी, स्वच्छ स्टेशन, स्वच्छ आहार, स्वच्छ ट्रैक आदि जैसी गतिविधियों के लिए समर्पित दिवस निर्धारित किए गए थे। पीए सिस्टम के माध्यम से लोगों को जैव-शौचालयों के उपयोग, एकल उपयोग प्लास्टिक से बचने और स्वच्छता की आदतों को अपनाने के लिए डिजिटल मीडिया/सार्वजनिक घोषणा के द्वारा व्यापक जागरुकता अभियान चलाए गए।

पखवाड़े में अधिक भागीदारी और अधिक प्रभावी परिणाम सुनिश्चित करने के लिए, पखवाड़े की अवधि के दौरान अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए फील्ड कार्यकर्ताओं/सम्बद्ध कार्यालयों/अधीनस्थ संगठनों को पुरस्कृत करने के लिए जल शक्ति मंत्रालय (नोडल मंत्रालय) द्वारा प्रत्येक मंत्रालय को स्वच्छता पखवाड़ा पुरस्कार प्रदान किए गए। पिछले वर्ष स्वच्छता पखवाड़ा-2022 पुरस्कार निम्नलिखित क्षेत्रीय रेलवे को दिए गए हैं:

- पहला स्थान : दक्षिण पश्चिम रेलवे;
- दूसरा स्थान : पश्चिम रेलवे;
- तीसरा स्थान : पूर्वोत्तर रेलवे।

भारतीय रेल थोक परिवहन का एक पर्यावरण अनुकूल साधन है और यह हमेशा स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण को बढ़ावा देने में सबसे आगे रही है। रेलवे ने अपने स्टेशनों और रेलगाड़ियों के आस-पास स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए अनेक कदम उठाए हैं, जिनमें पटरियों को स्वच्छ बनाने के लिए सवारी डिब्बों में जैव शौचालय, बायोडिग्रेडेबल/नॉन बायोडिग्रेडेबल कचरे को अलग करना, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, एकल उपयोग वाले प्लास्टिक के इस्तेमाल को हतोत्साहित करना आदि शामिल हैं।



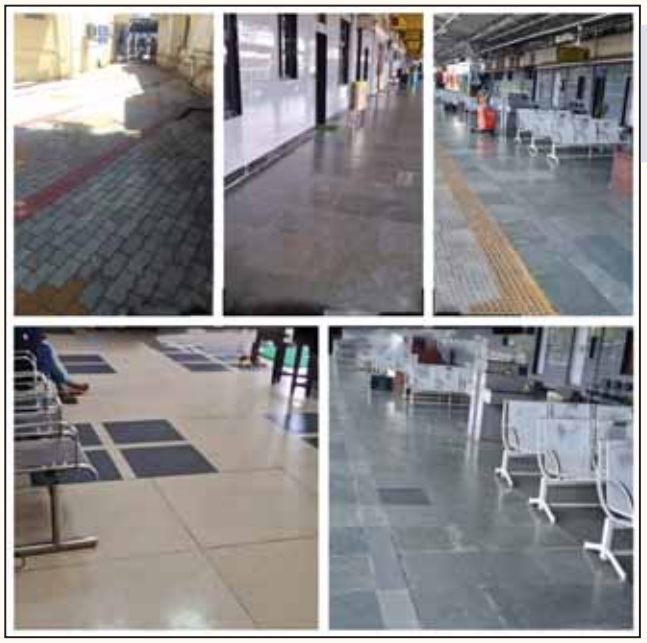
स्वच्छ पटरी-सिकंदराबाद यार्ड एवं ट्रैक पर गहन सफाई अभियान चलाया गया।



स्वच्छता ईश्वर की भक्ति की भावना के समान है श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्टेशन, लगातार और ठोस प्रयासों के कारण स्वच्छता मानकों को कायम रखता है।



स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के संदेश को बढ़ावा देने के लिए स्काउट्स और गाइड्स द्वारा महत्त्वपूर्ण भागीदारी की जा रही है, इसी सिलसिले में उन्होंने तमिलनाडु के चेन्नई एग्मोर रेलवे स्टेशन पर नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया।



बेदाग चमकता हुआ तमिलनाडु का तिरुचिरापल्ली रेलवे स्टेशन। स्वच्छता पखवाड़ा 2023 के दौरान सामूहिक प्रयास से पूरे स्टेशन परिसर में साफ-सफाई और स्वच्छता को बढ़ावा दिया जा रहा है।



स्वच्छ भारत की भावना को प्रोत्साहन देने के क्रम में जनता के बीच साफ-सफाई और स्वच्छता के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए भारतीय रेल के स्टेशनों पर नुक्कड़ नाटक किया गया और जागरुकता मार्च निकाला गया।

सांसदों द्वारा विविध ट्रेनों के ठहराव का उद्घाटन



केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री श्री गिरिराज सिंह एवं सांसद प्रो. राकेश सिन्हा द्वारा 3 सितम्बर, 2023 को 13206/05 सहरसा–पाटलिपुत्र–सहरसा जनहित एक्सप्रेस का सोनपुर मंडल के बछवारा जंक्शन पर ठहराव का शुभारंभ किया गया।

सांसद, मछलीशहर श्री बी.पी. सरोज ने दिनांक 18 अगस्त, 2023 को पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के केराकत स्टेशन पर ट्रेन संख्या 15231 बरौनी–गोंदिया एक्सप्रेस का नये ठहराव का उद्घाटन केराकत स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया।





सांसद, महाराजगंज (बिहार) श्री जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने दिनांक 9 सितम्बर, 2023 को पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के एकमा स्टेशन पर ट्रेन संख्या 14617 बनमंखी– अमृतसर जनसेवा एक्सप्रेस का प्रायोगिक आधार पर नये ठहराव का उद्घाटन एकमा स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया।

सांसद, महाराजगंज (बिहार) श्री जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने दिनांक 14 सितम्बर, 2023 को पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के राजापट्टी स्टेशन पर ट्रेन संख्या 15113 गोमती नगर–छपरा कचहरी एक्सप्रेस का प्रायोगिक आधार पर नये ठहराव का उद्घाटन राजापट्टी स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया।





दिनांक 24 सितंबर, 2023 को टूंडला जंक्शन रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 12581/12582 बनारस-नई दिल्ली एवं ट्रेन संख्या 12875/12876 पुरी-आनंद बिहार टर्मिनल, नीलांचल एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव का शुभारंभ केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री एस.पी. सिंह बघेल एवं सांसद फिरोजाबाद डॉक्टर चंद्रसेन जादौन द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया।

दिनांक 24 सितम्बर, 2023 से ट्रेन सं 18309/18101-18310/18102 टाटानगर/ संबलपुर-जम्मू तवी मूरी एक्सप्रेस के खागा स्टेशन पर ठहराव का शुभारम्भ ग्रामीण विकास, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री भारत सरकार साध्वी निरंजन ज्योति द्वारा खागा विधायक कृष्णा पासवान, नगर पंचायत अध्यक्ष खागा श्रीमती गीता सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष किशनपुर श्री सुरेंद्र सोनकर जिला अध्यक्ष भाजपा श्री मुख लाल पाल, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) श्री नवीन प्रकाश एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक द्वितीय श्री हिमांशु शुक्ला की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर संपन्न किया गया।





ट्रेन संख्या 19037/19038 बांद्रा टर्मिनल-बरौनी-बांद्रा टर्मिनल अवध एक्सप्रेस एवं ट्रेन संख्या 20941/20942 बांद्रा टर्मिनल-गाजीपुर सिटी-बांद्रा टर्मिनल का श्री महावीरजी स्टेशन पर 02 मिनट का ठहराव प्रदान किया गया है। ट्रेन संख्या 20941 बांद्रा टर्मिनल-गाजीपुर सिटी एक्सप्रेस एवं ट्रेन संख्या 19037 बांद्रा टर्मिनल-बरौनी के श्री महावीरजी स्टेशन पर ठहराव के प्रथम दिन ट्रेन के आगमन पर सांसद करौली-धौलपुर डॉ. मनोज राजोरिया ने जनप्रतिनिधियों और यात्रियों के साथ ट्रेन संचालन करने वाले लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट का माला पहनाकर स्वागत किया एवं ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।



बागडोगरा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव के साथ ट्रेन संख्या 05671/05672 (गुवाहाटी-रांची-गुवाहाटी) को श्री राजू बिष्ट, सांसद (लोकसभा) ने 11 सितंबर, 2023 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर विधायक श्री आनंदमय बर्मन और पू. सी. रेल के वरिष्ठ रेल अधिकारीगण उपस्थित थे।

दो ट्रेनों के होसापेटे तक के विस्तार का सांसदों द्वारा शुभारंभ

दिनांक 29 अगस्त, 2023 को होसापेटे से श्री वाई. देवेन्द्रप्पा, सांसद, बल्लारी तथा श्री कराडी संगन्ना, सांसद, कोप्पल ने ट्रेन संख्या 11139/11140 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई-गदग-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 11305/11306 सोलापुर-गदग-सोलापुर एक्सप्रेस के होसापेटे तक के विस्तार को क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाई। ये ट्रेनें एमएसएमई, किसानों और व्यापारियों को लाभ देंगी तथा कोप्पल और होसपेटे क्षेत्रों (यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, तुंगभद्रा बांध, गविमठ, हुलिगेम्मा मंदिर, नववृंदावन आदि) में पर्यटन को बढ़ावा देंगी।



गुवाहाटी-बाड़मेर एक्सप्रेस अब एलएचबी कोच के साथ ट्रेन यात्रा अनुभव को बेहतर बनाएगी



यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने और यात्रा को आरामदायक बनाने के लिए, ट्रेन संख्या 15632/15631 गुवाहाटी-बाड़मेर-गुवाहाटी साप्ताहिक एक्सप्रेस के कोचों को अत्याधुनिक एलएचबी (लिंके हॉफमैन बुश) कोचों में परिवर्तित किया गया है, जो अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं। सांसद (लोकसभा), श्रीमती क्वीन ओझा ने 31 अगस्त, 2023 को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से एलएचबी रेक वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर मुख्यालय और मंडल के वरिष्ठ रेलवे अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सिलचर–गुवाहाटी एक्सप्रेस ट्रेन के रंगिया तक विस्तार का सांसदों द्वारा शुभारंभ



यात्रियों की सुविधा को देखते हुए, 4 सितंबर, 2023 से त्रि-साप्ताहिक ट्रेन संख्या 15612/15611 (सिलचर-गुवाहाटी-सिलचर) एक्सप्रेस की सेवाओं को दोनों दिशाओं में रंगिया तक विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। श्री भुबनेश्वर कलिता, सांसद (राज्यसभा); श्री दिलीप सैकिया, सांसद (लोकसभा) और श्री भबेश कलिता, विधायक/रंगिया ने 4 सितंबर, 2023 को रंगिया रेलवे स्टेशन से ट्रेन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यालय और मंडल के वरिष्ठ रेल अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सांसद गुना द्वारा गुना-बीना मेमू ट्रेन का शुभारंभ

सांसद गुना, डॉ. कृष्ण पाल सिंह यादव ने दिनांक 28 अगस्त, 2023 को गुना रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में ट्रेन संख्या 06608 गुना-बीना मेमू स्पेशल ट्रेन की उद्घाटन सेवा को हरी झंडी दिखाकर गुना स्टेशन से गन्तव्य के लिए रवाना किया। इस अवसर पर विधायक गुना, श्री गोपीलाल जाटव एवं अन्य अथितिगण उपस्थित थे। बीना स्टेशन पर आयोजित स्वागत समारोह में सांसद, सागर श्री राजबहादुर सिंह ने ट्रेन के बीना स्टेशन आगमन पर इसका स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक बीना, श्री महेश राय एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।





आपको यह **अंक कैसा लगा**
हमें जरूर बताएं

ई-मेल : editorbhartiyarailrb@gmail.com

पत्र लिखें ▶ **संपादक,** भारतीय रेल, कमरा नं. 411, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001

कोटा में कवच टेस्टिंग भवन का शुभारंभ



पश्चिम मध्य रेलवे में पहली बार कोटा में कवच फैक्ट्री एक्सेपटेन्स टेस्टिंग रूम की स्थापना की गई, जिसका शुभारंभ रेल मंत्री के सलाहकार श्री अरुण सक्सेना द्वारा दिनांक 31 अगस्त, 2023 को किया गया। इसमें एक स्टेशनरी कवच एवं दो लोको कवच इंस्टाल किया गया। इस आधुनिक तकनीक से कवच परीक्षण को विशेष बल मिलेगा। कोटा मंडल को इस प्रकार के आधुनिक परीक्षण के लिए पूर्व में सिकंदराबाद जाना पड़ता था। कोटा मंडल में अब तक कुल 46 टावर लगाए जा चुके हैं एवं विभिन्न खंडो में कई परिस्थितियों में कवच का लोको ट्रायल किया गया है। कवच रेल संचालन प्रणाली में विश्वसनीय सुरक्षात्मक परत प्रदान करती है। इसके लागू होने के बाद ट्रेन चालकों के द्वारा मानवीय भूल से सिगनल को अनदेखा करने से होने वाली सुरक्षा चूक की दुर्घटनाओं से हमेशा के लिए निजात मिल जायेगी।

कवच एफएटी रूम उद्घाटन के दौरान गति शक्ति यूनिट के श्री सचिन शुक्ला, उप मुख्य संकेत एवं दूर संचार इंजीनियर (जीएसयू) श्री राहुल जारेडा एवं वरिष्ठ मंडल दूर संचार एवं संकेत इंजीनियर (समन्वय) श्री आर आर मीना एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

महानिदेशक, रेलवे सुरक्षा बल का हुब्बल्लि दौरा

श्री मनोज यादव (भारतीय पुलिस सेवा) महानिदेशक (रेसुब) ने हुब्बल्लि मंडल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गदग में 12 बिस्तरों वाले नवनिर्मित आरपीएफ बैरक (रेसुब कर्मचारियों के आवास) का उद्घाटन किया, जिसका निर्माण ₹71,00,000/- की लागत से किया गया है।

महानिदेशक/रेसुब ने रेल सौधा में सुरक्षा सम्मेलन की अध्यक्षता की, जिसमें रेसुब/दपरे के 120 अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। सुरक्षा सम्मेलन के दौरान, महानिदेशक/रेसुब ने तनाव कम करने, स्वास्थ्य अनुशासन सहित विभिन्न मुद्दों पर जोर दिया और यात्रियों की भलाई के लिए कड़ी मेहनत करने की दिशा में कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया। इस दौरे के दौरान महानिदेशक के साथ श्री आर.एस.पी. सिंह, महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेसुब/दपरे, श्री विजय कुमार खातरकर, मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेसुब और जे. के. शर्मा, मंडल सुरक्षा आयुक्त/रेसुब/हुब्बल्लि मंडल उपस्थित थे।



बाद में उन्होंने श्री संजीव किशोर, महाप्रबंधक तथा प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया, जिसमें रेसुब और रेलवे में सुरक्षा से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

भारतीय रेल
पत्रिका अब
राष्ट्रीय रेल संग्रहालय
चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में भी उपलब्ध है

कोलकाता मेट्रो रेलवे : कम्पोजिट एल्यूमीनियम से बनी थर्ड रेल के साथ मेट्रो के अत्याधुनिक विशिष्ट क्लब में शामिल होने को तैयार

दिनांक 24 अक्टूबर, 1984 को भारतीय रेल द्वारा निर्मित भारत की पहली मेट्रो-कोलकाता मेट्रो रेलवे लगभग 40 वर्षों से कोलकाता की जीवन रेखा के रूप में कार्य कर रही है।

कोलकाता मेट्रो रेलवे में, मेट्रो रेक को बिजली की आपूर्ति स्टील से बने थर्ड रेल के माध्यम से 750वी डीसी पर रोलिंग स्टॉक को की जाती है। मेट्रो रेक पर लगा स्टील से बना थर्ड रेल करंट कलेक्टर (टीआरसीसी) थर्ड रेल से विद्युत प्रवाह एकत्रित करता है। कोलकाता मेट्रो रेलवे पिछले 40 वर्षों से स्टील से बनी थर्ड रेल का उपयोग कर रही है। कोलकाता मेट्रो रेलवे ने अब स्टील से बनी थर्ड रेल के साथ मौजूदा कॉरिडोर में रेट्रो फिटमेंट के साथ-साथ निर्माण के लिए किए जा रहे सभी आगामी गलियारों में कम्पोजिट एल्यूमीनियम से बनी थर्ड रेल का उपयोग करने का निर्णय लिया है। इस अत्याधुनिक बदलाव के साथ कोलकाता मेट्रो रेलवे अब लंदन, मॉस्को, बर्लिन, म्यूनिख और इस्तांबुल मेट्रो के समान आधुनिक सुविधाओं से युक्त हो जाएगी और इन्हीं के क्लब के सदस्य के रूप में शामिल हो जाएगी। इन स्थानों में भी थर्ड रेल स्टील से एल्यूमीनियम में परिवर्तित हुई है।

इस सम्बन्ध में, मेट्रो रेलवे कोलकाता ने दमदम से श्यामबाजार के बीच के खंड को कवर करने के लिए पहले चरण में मौजूदा थर्ड रेल के प्रतिस्थापन के लिए एक निविदा जारी की है। दूसरे चरण में श्यामबाजार से सेंट्रल और जेडी पार्क से टॉलीगंज तक काम शुरू किया जाएगा। तीसरे चरण में महानायक उत्तम कुमार (टॉलीगंज) से कवि सुभाष (न्यू गरिया) के बीच के खंड पर काम शुरू किया जाएगा।

इस्पात पर एल्यूमीनियम मिश्रित थर्ड रेल से होने वाले लाभ निम्नानुसार हैं:-

- प्रतिरोधक विद्युत प्रवाह की हानि में कमी आएगी और बेहतर कर्षण वोल्टेज स्तर होगा क्योंकि स्टील का प्रतिरोध समग्र एल्यूमीनियम की तुलना में लगभग छह गुना अधिक है।
- स्टील से बनी थर्ड रेल की तुलना में कम ट्रैक्शन सबस्टेशन, यानी 35 किमी मेट्रो कॉरिडोर के लिए लगभग ₹210 करोड़ के पूंजी निवेश की सीधी बचत।
- कम वोल्टेज ड्रॉप, कोलकाता मेट्रो रेलवे के पास उपलब्ध एक ही रेक के साथ तेजी से गतिवृद्धि प्राप्त करने की सुविधा होगी।
- कम रख-रखाव और लागत-हर 5 साल में थर्ड रेल की पेंटिंग की आवश्यकता अब और नहीं होगी। थर्ड रेल आयाम के मापन की आवृत्ति में काफी कमी आ सकती है। जंग के कारण नुकसान की संभावना नहीं होगी।
- ट्रेन संचालन की दक्षता में सुधार।
- ऊर्जा दक्षता में भारी सुधार और कार्बन फुटप्रिंट में कमी।
- कम्पोजिट एल्यूमिनियम थर्ड रेल का उपयोग करके प्रति वर्ष अनुमानित ऊर्जा बचत लगभग 6.7 मिलियन यूनिट हो सकती है।
- रेलगाड़ियों का अगला हिस्सा बेहतर होगा।



रेल मंत्रालय ने ट्रेन दुर्घटनाओं और अप्रिय घटनाओं में मृत और घायल यात्रियों के आश्रितों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि में संशोधन किया

रेल मंत्रालय ने रेल अधिनियम, 1989 की धारा 124 और 124-ए के साथ पठित धारा 123 के तहत यथा परिभाषित रेल दुर्घटनाओं और अप्रिय घटनाओं में शामिल मृत और घायल यात्रियों तथा मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग गेट पर दुर्घटना में रेलवे की प्रथमदृष्टया जिम्मेदारी के कारण दुर्घटना ग्रस्त हुए सड़क उपयोगकर्ताओं के आश्रितों को दी जाने वाली अनुग्रह राहत राशि को संशोधित करने का निर्णय लिया है। संशोधित दरें और संकलित अनुदेश निम्नानुसार हैं:



रेल दुर्घटनाओं, अप्रिय घटनाओं और मानव युक्त लेवल क्रॉसिंग गेट दुर्घटनाओं के लिए अनुग्रह राशि

दुर्घटना का प्रकार	मृत्यु के लिए अनुग्रह राशि	गंभीर चोट के लिए अनुग्रह राशि	साधारण चोट के लिए अनुग्रह राशि
ट्रेन दुर्घटना (जैसा कि रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 124 के तहत परिभाषित किया गया है)	₹5,00,000/- (पाँच लाख रुपये) मात्र)	₹2,50,000/- (दो लाख पचास हजार रुपये मात्र)	₹50,000/- (पचास हजार रुपए मात्र)
अप्रिय घटना (जैसा कि रेल अधिनियम 1989 की धारा 124-ए के तहत परिभाषित किया गया है।)	₹1,50,000/- (एक लाख पचास हजार रुपये मात्र)	₹50,000/- (पचास हजार रुपए मात्र)	₹5,000/- (पाँच हजार रुपए मात्र)
मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग पर दुर्घटना (रेलवे की प्रथम दृष्टया देयता के कारण)	₹5,00,000/- (पाँच लाख रुपये मात्र)	₹2,50,000/- (दो लाख पचास हजार रुपए मात्र)	₹50,000/- (पचास हजार रुपए मात्र

गंभीर रूप से घायल यात्रियों को 30 दिनों से अधिक अस्पताल में भर्ती होने के मामले में अतिरिक्त अनुग्रह राशि राहत

ट्रेन दुर्घटना के मामले में	अप्रिय घटना के मामले में
10 दिन की प्रत्येक अवधि के अंत में या डिस्चार्ज की तारीख पर जो भी पहले हो ₹3,000/- प्रतिदिन जारी किए जाएंगे।	10 दिन की प्रत्येक अवधि के अंत में या डिस्चार्ज की तारीख तक ₹1,500/-प्रति दिन जारी किए जाएंगे, जो अस्पताल में भर्ती होने के छह महीने तक दिए जाएंगे।
	इसके बाद अस्पताल में भर्ती होने के पाँच महीने तक दस दिन की प्रत्येक अवधि या डिस्चार्ज होने की तारीख जो भी पहले हो उसके लिए 750 रुपए प्रतिदिन जारी किए जाएंगे।
(ए) गंभीर रूप से घायल यात्री को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए एकमुश्त अनुग्रह राशि ऊपर पैरा (एक) में तालिका में जैसा उल्लिखित है पहले 30 दिन तक दी जाएगी। (बी) गंभीर रूप से घायल यात्री को अनुग्रह राशि देने की अधिकत्तम अवधि 12 महीने होगी।	

यह अनुग्रह राहत राशि विशेष रूप से उन यात्रियों के लिए होगी जो रेल दुर्घटनाओं या अप्रिय घटनाओं में गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं, जैसा कि रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 123 के साथ पठित धारा 124/124-ए में परिभाषित किया गया है। 30 दिनों से अधिक के लिए इनडोर रोगी के रूप में उपचार की अवधि को शेष 11 महीनों की अवधि तक अनुग्रह भुगतान के उद्देश्य से रेलवे डॉक्टर द्वारा प्रमाणित कराने की आवश्यकता होगी। यदि घायल का रेलवे अस्पताल के अलावा किसी अन्य स्थान पर उपचार चल रहा है, तो उपचार को रेलवे डॉक्टर द्वारा प्रमाणित किया जाना चाहिए।

प्रारंभिक खर्चों का ध्यान रखने के लिए तत्काल राहत के रूप में अधिकतम ₹50,000/- तक की राशि का नकद भुगतान किया जाएगा। शेष राशि का भुगतान अकाउंट पेई चेक/आरटीजीएस/एनईएफटी/किसी अन्य ऑनलाइन भुगतान मोड द्वारा किया जाएगा। रेलवे अनुग्रह राशि/बढ़ी हुई अनुग्रह राशि का जैसा उचित लगे अकाउंट पेई चेक/आरटीजीएस/एनईएफटी/किसी अन्य ऑनलाइन भुगतान मोड के माध्यम से कर सकता है।

मानव रहित लेवल क्रॉसिंग पर दुर्घटना, ट्रेस पासिंग, ओएचई (ओवर हेड उपकरण) द्वारा करंट लगने से हुई दुर्घटना के मामले में सड़क उपयोगकर्ताओं को कोई अनुग्रह राशि देय नहीं होगी। रेल दुर्घटनाओं और अप्रिय घटनाओं के मामले में अनुग्रह राशि के भुगतान को मुआवजे के लिए अंतिम दावे के समय ध्यान में नहीं रखा जाएगा, मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग गेट दुर्घटना पर रेलवे की प्रथम दृष्टया देयता के कारण दुर्घटना का शिकार होने वाले सड़क उपयोगकर्ताओं को स्वीकार्य अनुग्रह राहत की राशि को देय मुआवजे की राशि में गिना जाएगा। यदि रेलवे के विरुद्ध कानून के तहत कार्रवाई उचित है और न्यायालय द्वारा वास्तव में अधिनिर्णय प्रदान किया जाता है।

अपनी ड्यूटी के दौरान चलती ट्रेन से मरे या घायल हुए रेलवे कर्मचारियों को भी अनुग्रह राशि का भुगतान किया जाना चाहिए, उदाहरण के लिए अगर ट्रैक पर काम करने वाले गैंगमैन को चलती ट्रेन द्वारा कुचल दिया जाता है। ऐसा भुगतान पूछताछ करने के बाद महाप्रबंधक द्वारा नामित एक वरिष्ठ स्केल अधिकारी द्वारा मौके पर ही स्वीकृत/व्यवस्थित किया जाना चाहिए, जो घायल व्यक्तियों को चिकित्सा उपस्थिति आदि के माध्यम से तत्काल आवश्यकताओं के बाद मौके पर यथोचित रूप से किया जा सकता है।

रेल कोच रेस्तरां





यात्रियों और स्थानीय लोगों को स्वादिष्ट भोजन का अनोखा अनुभव प्रदान करने की पहल को जारी रखते हुए, तेलंगाना के नेकलेस रोड रेलवे स्टेशन ने 'रेल कोच रेस्तरां' की शुरुआत की है, जिसमें कई स्वादिष्ट व्यंजनों को परोसा जाता है।

जी–20 शिखर सम्मेलन में रेलटेल ने एकीकृत दूरसंचार समाधान और कैरियर क्लास साइबर सुरक्षा समाधान की सेवाएँ सफलतापूर्वक प्रदान की गईं

दिनांक 9 से 10 सितम्बर, 2023 को नई दिल्ली में जी–20 शिखर सम्मलेन का सफल आयोजन देश के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण एवम् गौरवमय रहा है। इस सम्मलेन में विश्व के अनेक शीर्ष नेता, वैश्विक समस्याओं के समाधान करने के लिए एक छत के नीचे एकत्र हुए। इस अवसर पर रेलटेल को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में, विशेष रूप से उद्घाटन किए गए नए भारत मंडपम् और प्रदर्शनी हॉल में एकीकृत दूरसंचार समाधान की सेवाएँ प्रदान करने का काम सौंपा गया था।

इस आयोजन में अत्याधुनिक मोबाइल नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर और एक न्यूट्रल इन बिल्डिंग टेलिकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने के लिए रेलटेल और उसके साझेदारों द्वारा 3,600 से अधिक मानव–दिवसों का निवेश किया गया, जिससे 122 एकड़ के विशाल आईटीपीओ परिसर में मोबाइल कवरेज में काफी वृद्धि हुई। इस दूरसंचार बुनियादी ढाँचे में 1,675 इंडोर एंटेना, 300 एक्सेस प्वाइंट, 35 किमी से अधिक आरएफ केबल और 25 किमी फाइबर केबल शामिल है। परियोजना के हिस्से के रूप में वाईफाई बुनियादी ढाँचे को रणनीतिक रूप से बाहरी गलियारों में रखा गया था, जिसमें जी20 कार्यक्रमों के लिए निर्धारित विभिन्न हॉलों को शामिल किया गया था और वाईफाई की पहुँच के लिए बैंक–एंड आईटी बुनियादी ढाँचे को इनडोर वाई–फाई बुनियादी ढाँचे के साथ सहजता से एकीकृत किया गया था। रेलटेल ने ऑन–डिमांड वायर्ड इंटरनेट सुनिश्चित करते हुए एक सुरक्षित और मजबूत टेलिकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया। इसके अतिरिक्त रेलटेल ने दूरसंचार कंपनियों को पेसिव इंफ्रा की सुविधा भी उपलब्ध करायी।

रेलटेल ने 5 अलग–अलग भौतिक पथों के माध्यम से दो इंटरनेट अप स्ट्रीम से इंटरनेट बैंडविड्थ का प्रावधान किया। इस पूरे आयोजन में नेटवर्क वातावरण के भीतर अनधिकृत पहुँच और अनधिकृत गतिविधियों को रोकने के लिए सुरक्षित कॉन्फिगरेशन प्रबंधन, फायरवॉल परिनियोजन और घुसपैठ रोकथाम प्रणालियों सहित नेटवर्क बुनियादी ढाँचे को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक साइबर सुरक्षा समाधान भी लगाए गए। जी20 के लिए सुरक्षित और लचीला दूरसंचार समाधान प्रदान करने के लिए रेलटेल ने विदेश मंत्रालय के मार्गदर्शन में सीडीएसी, सीईआरटी–आईएन, एनआईसी और एमएचए के साथ समन्वय किया। दूरसंचार, आईटी और रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के मार्गदर्शन में मोबाइल सेवा प्रदाताओं के साथ बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए दूरसंचार विभाग द्वारा इस परियोजना में सहयोग दिया गया।

रेलटेल ने भारत मंडपम, राजघाट क्षेत्र, नई दिल्ली संसद मार्ग से जय सिंह मार्ग स्थित दिल्ली पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) तक कैमरा फील्ड को एकीकृत करने के लिए एंड टू एंड बैंडविड्थ भी प्रदान किया है। इस निर्बाध कनेक्टिविटी ने दिल्ली पुलिस और अन्य प्रमुख सुरक्षा एजेंसियों को जी–20 कार्यक्रम की सुरक्षा और दिल्ली भर में समर्पित मार्गों पर जी–20 प्रतिनिधिमंडल की आवाजाही की बारीकी से नजर रखने और सक्रिय रूप से निगरानी करने में सक्षम बनाया। कई बाधाओं के बावजूद रेलटेल ने समन्वय के साथ टेलिकॉम इंफ्रा को समय पर तैयार कर कार्य पूर्ण किया। इस परियोजन की सफलता, भविष्य में देश की डिजिटल परिवर्तन यात्रा के लिए और अधिक समर्पण के साथ और भी अधिक मेहनत करने और मजबूत डिजिटल भागीदार के रूप में उभरने के लिए प्रेरित करेगी।



कोलकाता मेट्रो के रैक पर जल्द दौड़ेंगे नई सुविधाओं से युक्त डिज़ाइनर रैक



मेट्रो रेलवे, कोलकाता, देश की सबसे पुरानी मेट्रो है जो 'सिटी ऑफ जॉय' को उपनगरों से जोड़ने के लिए अपना विस्तार कर रही है। बहुत जल्द जुड़वा शहर कोलकाता और हावड़ा को जोड़ने के लिए हुगली नदी के नीचे कोलकाता मेट्रो की शुरुआत होने वाली है। नए गंतव्यों तक पहुँचने के अलावा, कोलकाता मेट्रो अपने यात्रियों को एक चमकप्रदत्त, आरामदायक और त्वरित गति की सवारी अनुभव प्रदान करने के लिए पर्याप्त अभिनव कदम उठा रही है। इस पहल के एक भाग के रूप में कोलकाता मेट्रो के लिए नए भविष्य के रेक के डिज़ाइन की परिकल्पना की गई है, जिसमें सुरंगों के अंदर या वायाडक्ट पर देखना मेट्रो रेलवे के मूल्यवान यात्रियों के लिए आनंददायक होगा एवं उन्हें गर्व का अनुभव होगा। सौंदर्य की दृष्टि से डिज़ाइन किए गए इन नए वातानुकूलित रेक का उत्पादन इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई में किया जाएगा और बंगाली ब्राइडल और टेराकोटा कलाकृति से प्रेरणा लेते हुए ये सभी रेक नॉक शंकु डिज़ाइन के होंगे। यात्रियों की बदलती माँगों और आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए, इन रेक के प्रत्येक कोच में स्थानीय कला और शिल्प को उजागर किया जाएगा और प्रत्येक कोच के दो किनारों पर यूएसबी चार्जिंग पोर्ट प्रदान किए जाएँगे। इन रेक की सबसे अनूठी विशेषता एक कोने पर खड़े होने की सीटों का प्रावधान होगा जहाँ जगह सीमित है। एयरपोर्ट जाने वाले यात्री इन सीटों के नीचे अपना सामान भी रख सकते हैं। इससे मेट्रो यात्रा के आरामदायक स्तर में और अधिक सुधार होगा। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, अद्वितीय ग्रैब हैंडल और हैंडल लूप के साथ-साथ एंटी-स्किड फ्लोरिंग और अग्निशामक यंत्र प्रदान किए जाएंगे। आपातकालीन स्थिति में, यात्री टॉक टू ड्राइवर यूनिट के माध्यम से मोटरमैन के साथ बातचीत करने में सक्षम होंगे और वास्तविक समय के आधार पर कोच की अधिकतम निगरानी सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक कोच के अंदर विशेष तरीके से सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

व्यस्त समय के दौरान भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए, यात्रियों को वेस्टिब्यूल पर खड़े न होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए बेहतर रूफ ग्रैब हैंडल प्रदान किए जाएंगे। इन्फोटेनमेंट सामग्री प्रदर्शित करने के लिए रेक के अंदर विशेष डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड भी लगाए जाएंगे। कोचों के अंदर गर्म माहौल बनाने के लिए विशेष कोव लाइटिंग की भी व्यवस्था की जाएगी। यात्रियों की सुविधा के लिए रेक के अंदर दरवाजे के प्रवेश द्वार और बैठने की बेंचों के ऊपर मजबूत रेलिंग और ग्रैब पोल उपलब्ध कराए जाएंगे। इन नए रेक में, यात्रियों को सुविधाजनक और एर्गोनॉमिक रूप से रखे गए होल्डिंग पोजीशन के साथ अबाधित प्रवेश/निकास का आनंद मिलेगा।

वर्ष 2026 के आसपास इस प्रकार के भविष्य रेक मेट्रो के बेड़े में शामिल होने की उम्मीद है। मेट्रो ने अपने बेड़े में प्रथम चरण में 85 नए रेक शामिल करने की योजना बनाई है। परिणामस्वरूप, वर्तमान के साथ-साथ सभी आगामी कॉरिडोर की माँग को पूरा करने के लिए 46 रेक (32 ब्रॉड गेज और 14 मानक गेज) के वर्तमान बेड़े को 131 रेक (114 ब्रॉड गेज और 17 मानक गेज) तक बढ़ाया जाएगा। इन रेक की खरीद के लिए ₹6,000 करोड़ की आवश्यकता होगी और रेल मंत्रालय ने यह राशि पहले ही मंजूर कर दी है।

चिरेका ने किया 200 मोटराइज़्ड बोगी लोको सेट का निर्माण

दिनांक 6 सितम्बर, 2023 को चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना (चिरेका) के बोगी असेंबली शॉप ने रिकॉर्ड उपलब्धि हासिल कर भारतीय रेल के मानचित्र पर चिरेका का मान बढ़ाया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के 31 अगस्त तक चिरेका की बोगी असेंबली शॉप ने मोटराइज़्ड बोगियों के लिए अभूतपूर्व 200 लोको सेट का निर्माण किया है। यह उपलब्धि किसी भी वित्तीय वर्ष में अप्रैल से अगस्त माह के मध्य तक सबसे अधिक उत्पादन का एक कीर्तिमान है। श्री देबी प्रसाद दाश, महाप्रबंधक चिरेका ने इस उपलब्धि के लिए कार्य कुशल कर्मचारियों और अधिकारियों के समर्पित प्रयास की सराहना की है।



बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली भारतीय मेट्रो प्रणाली में अपनी तरह की पहली प्रणाली



भारत की पहली मेट्रो, कोलकाता मेट्रो, भारतीय रेल में नई प्रौद्योगिकियों और नवीन विचारों को पेश करने में अग्रणी रही है। एशिया की पाँचवीं मेट्रो, कोलकाता मेट्रो ने 39 साल पहले यूरोपीय मेट्रो के बराबर प्रौद्योगिकियों से लैस होकर पटरियों पर दौड़ना शुरू किया था। तब से, मेट्रो रेलवे ने एक लंबा सफर तय किया है और कई रिकॉर्ड बनाए हैं और अब यह जल्द ही हुगली जैसी विशाल नदी के नीचे अपनी सेवाएँ शुरू करने की तैयारियाँ कर रही है। यह देश में अपनी तरह की एक अनूठी पहल है।

मेट्रो रेलवे नए गंतव्यों तक पहुँचने के अलावा, इसने हमेशा पर्यावरण-अनुकूल तरीके से यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने को महत्त्व दिया है। उस परंपरा को जारी रखते हुए, अब मेट्रो रेलवे उत्तर-दक्षिण मेट्रो कॉरिडोर के पूरे हिस्सों में चार महत्त्वपूर्ण स्थानों पर बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) स्थापित करने जा रही है। यह नई प्रणाली, जो इनवर्टर और एडवांस केमिस्ट्री सैल (एसीसी) बैटरियों का एक समामेलन है, अचानक बिजली कटौती या ग्रिड विफलता के मामले में अपना कमाल दिखाने में सक्षम है और इसे नोआपाड़ा, श्यामबाजार, सेंट्रल और जतीन दास पार्क सबस्टेशनों पर स्थापित किया जाएगा। अन्य भारतीय महानगरों से आगे, कोलकाता मेट्रो रेलवे ने ऊर्जा भंडारण तत्त्व के रूप में लिथियम आयरन फॉस्फेट (एलएफपी) बैटरी या लिथियम टाइटेनियम ऑक्साइड (एलटीओ) बैटरी का उपयोग करके 4 मेगा वाट चार क्वाड्रेंट इनवर्टर चालू करने के लिए एक निविदा जारी की है। इसे अब से एक साल के भीतर चालू कर दिया जाएगा।

अन्य राजस्व बचत उद्देश्यों के अलावा इस इकाई की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषताओं में से एक यह है कि इसका उपयोग किसी भी बिजली विफलता या राष्ट्रीय ग्रिड विफलता की स्थिति में फंसी हुई ट्रेनों को मध्य सुरंग से अगले स्टेशन तक 15-20 किमी/घंटा की गति से खींचने के लिए किया जा सकता है। मेट्रो रेलवे के इंजीनियरों ने ऐसी किसी भी फंसी हुई ट्रेन को खींचने के लिए 275 कि.मी केबल से बने 11 केवी रिंग का उपयोग करके उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर के किसी भी स्टेशन पर एक विशेष स्थान से बैटरी संग्रहीत बिजली की आपूर्ति करने के लिए विनिर्देश और अभिनव ब्लू-प्रिंट तैयार किया है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए चार महत्त्वपूर्ण स्थानों पर बैटरी पॉवर को एसी 3-फेज पॉवर में परिवर्तित करने के लिए प्रत्येक में 1 मेगा वाट इन्वर्टर लगाया जाएगा। इसमें चरम माँग को कम करके प्रति वर्ष ₹25 लाख बचाने की क्षमता है। ऊर्जा बिल के ₹15 लाख और बचेंगे।

यह वास्तव में एक बड़ी प्रगति है क्योंकि यात्रियों से भरी ट्रेनों में बिजली बाधित होने की स्थिति में बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए भूमिगत सुरंगों या वायाडक्ट पर इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इस प्रणाली की सहायता से हजारों यात्रियों को सुरक्षित पहुँचाया जा सकता है। रेलवे बोर्ड ने इस पर्यावरण-अनुकूल परियोजना के सुचारू कार्यान्वयन के लिए पर्याप्त धन भी उपलब्ध कराया है। इन एलएफपी या एलटीओ बैटरियों को रात में चार्ज किया जा सकता है और व्यावसायिक घंटों के दौरान उपयोग किया जा सकता है। निर्दिष्ट एलएफपी/ एलटीओ बैटरियाँ जो अम्लीय/ क्षारीय बैटरियों से बहुत अधिक जुड़ी हुई हैं, उन्नत रसायन विज्ञान सेल (एसीसी) बैटरी स्टोरेज पर राष्ट्रीय कार्यक्रम के अनुसार बनाई जाएँगी जो बेहतर ऊर्जा दक्षता, लंबे जीवन और कम जगह घेरने के साथ-साथ स्वास्थ्य सम्बन्धी खतरों और आग के खतरों के बिना कार्बन फुट प्रिंट को कम करेंगी।

इसके अलावा, यह बीईएसएस (BESS) प्रणाली मेट्रो प्रणाली को 4 मेगावाट बिजली प्रदान करेगी। व्यस्त समय के दौरान ट्रेनें चलाने के लिए लगभग 32 मेगावाट बिजली की आवश्यकता होती है। इससे मेट्रो रेलवे को व्यस्त समय के दौरान कम बिजली खरीदने में मदद मिलेगी। परिणामस्वरूप, कोलकाता मेट्रो का खर्च काफी कम हो जाएगा। यह प्रस्तावित प्रणाली किसी भी समय पॉवर फैक्टर को 0.9 से नीचे नहीं जाने देगी, जिससे आगे बचत होगी। किसी भी आग की स्थिति में, यह नई प्रणाली टनल वेंटिलेशन, ट्रैक एग्जॉस्ट (ओटीई) और प्लेटफॉर्म वेंटिलेशन के लिए आपातकालीन बिजली स्रोत की भूमिका निभाने के साथ-साथ किसी भी स्थान पर किसी भी चीज के लिए आपातकालीन बिजली स्रोत की भूमिका निभाने में सहायक सिद्ध होगी।

पूर्वोत्तर सीमा रेल ने जीता पीएमआई साउथ एशिया अवॉर्ड



पूर्वोत्तर सीमा रेल ने 'हाथियों को बचाने के लिए इंट्रुशन डिटेक्शन सिस्टम' में अपनी प्रविष्टि के साथ एक ऐतिहासिक पल में माइक्रो प्रोजेक्ट ऑफ द ईयर के लिए पीएमआई साउथ एशिया अवॉर्ड अपने नाम किया है। 2 सितंबर, 2023 को चेन्नई में आयोजित एक समारोह में पू. सी. रेल को यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है। वर्ष 2009 में इसकी स्थापना के बाद रेल मंत्रालय के अधीन किसी जोनल रेलवे ने पहली बार यह पुरस्कार जीता है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) इसके उपविजेता रहे। वर्ष 2022 में, माइक्रो प्रोजेक्ट पुरस्कार आईबीएम ने प्राप्त किया था। इस प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार में हर साल कई प्रतिष्ठित संस्थान अपने नवाचारों का प्रदर्शन करते हुए इसमें भाग लेते हैं। इस क्षेत्र में परियोजना प्रबंधन समुदाय के लिए एक मान्यता के रूप में पीएमआई दक्षिण एशिया पुरस्कार प्रदान किया जाता रहा है।

इंट्रुशन डिटेक्शन सिस्टम (आईडीएस) हाथियों की सुरक्षा और ट्रेन परिचालन में गतिशीलता में सुधार के लिए एक इको सस्टेनेबल सोल्युशन है। यह प्रणाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित है और सेंसर के रूप में मौजूदा ऑप्टिकल फाइबर सम्बन्धित स्थानों पर वन्यजीवों की गतिविधियों की जानकारी एकत्र करने के बाद नियंत्रण कार्यालयों, स्टेशन मास्टरों, गेटमैन और लोको पायलटों को सतर्क करने में उपयोगी होगा। यह ट्रैक पर हाथियों की मौजूदगी बताने के लिए डायलिसिस स्कैटरिंग प्रक्रिया के सिद्धांत पर काम करने वाली एकॉस्टिक प्रणाली आधारित फाइबर ऑप्टिक का उपयोग करता है। एआई आधारित सॉफ्टवेयर मुख्य इकाई के दोनों ओर 40 कि.मी. (यानी कुल 80 कि.मी.) तक असामान्य गतिविधियों की निगरानी कर सकता है। इसके अलावा आईडीएस रेलवे ट्रैक पर रेल फ्रैक्चर, अतिक्रमण का पता लगाने और रेलवे ट्रैक के पास अनधिकृत खुदाई, ट्रैक के पास भूस्खलन आदि के कारण होने वाली आपदा से निपटने में और सचेत करने में भी हमारी मदद करेगा।

पश्चिम बंगाल में अलीपुरद्वार मंडल के अंतर्गत डुआर्स क्षेत्र के चालसा-हासीमारा सेक्शन और असम में लामडिंग मंडल के अधीन लंका-हवाईपुर सेक्शन में पू. सी. रेल द्वारा शुरू किए गए आईडीएस के पायलट प्रोजेक्ट की 100% सफलता के बाद, अब इसे पू. सी. रेल के अन्य सभी एलिफेंट कॉरिडोर में चरणबद्ध तरीके से स्थापित करने का निर्णय लिया गया है, जिसके लिए ₹77 करोड़ की मंजूरी पहले ही मिल चुकी है। यहां उल्लेख करना महत्त्वपूर्ण है कि रेलवे ट्रैक पर आने वाले कई हाथियों को ट्रेनों की चपेट में आने से बचाने में पायलट प्रोजेक्ट पहले ही बेहद सफल रहा है। भुवनेश्वर स्थित पूर्वी तटीय रेलवे ने भी अपने क्षेत्राधिकार में हाथियों को बचाने के लिए इस सफल मॉडल को अपनाया है।





दक्षिण मध्य रेलवे को तीन ऊर्जा दक्षता इकाई पुरस्कार



दक्षिण मध्य रेलवे को ऊर्जा प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा दिये जाने वाले 24वें राष्ट्रीय पुरस्कार-2023 में दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्र की तीन प्रशासनिक इकाइयों को तीन ऊर्जा कुशल इकाई पुरस्कार प्राप्त दिए गए। ये पुरस्कार वर्ष 2023 के दौरान सर्वोत्तम ऊर्जा प्रबंधन प्रथाओं के लिए घोषित किए गए हैं। ये पुरस्कार सम्बन्धित इकाइयों के प्रतिनिधियों द्वारा प्राप्त किए गए।

- सिकंदराबाद स्थित लेखाभवन (एससीआर लेखा भवन) को भवन क्षेत्र में उत्कृष्ट ऊर्जा कुशल इकाई से सम्मानित किया गया है।
- रेल निलयम (एससीआर मुख्यालय भवन), सिकंदराबाद।
- मौलाली स्थित क्षेत्रीय रेलवे प्रशिक्षण संस्थान (जेडआरटीआई) को भवन क्षेत्र में ऊर्जा कुशल इकाइयों के रूप में सम्मानित किया गया।

16वीं अखिल भारतीय आरपीएफ श्वान प्रतियोगिता सम्पन्न

16वीं अखिल भारतीय आरपीएफ श्वान प्रतियोगिता का आयोजन रेलवे सुरक्षा बल/उत्तर मध्य रेलवे द्वारा दिनांक 8 से 10 सितम्बर, 2023 तक आरपीएफ/जोनल ट्रेनिंग सेंटर/प्रयागराज के परेड मैदान में किया गया। इसमें 16 जोनल रेलवे की चयनित श्वान टीमों ने तीन अलग-अलग प्रतियोगिता (1 ट्रैकिंग, 2 विस्फोटक का पता लगाना और 3. नारकोटिक्स) में भाग लिया। इस आयोजन में कुल 60 श्वानों ने भाग लिया और 12 पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा की।

कार्यक्रम का समापन समारोह श्री सतीश कुमार, महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे श्रीमती रूबी रानी सिंह, अध्यक्ष महिला कल्याण संगठन/उत्तर मध्य रेलवे, श्री चंद्र प्रकाश गुप्ता, एजीएम/उत्तर मध्य रेलवे, विभिन्न विभागों के प्रमुख, तथा डीएफसीसीएल और सीआईएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री अमिय नंदन सिन्हा ने आयोजित प्रतियोगिता का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया।



मुख्य अतिथि ने विजेता टीमों और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले श्वानों को पुरस्कार वितरित किए। ट्रैकिंग इवेंट में दक्षिण रेलवे के श्वान 'जान्सी' ने पहला स्थान हासिल किया, दूसरा स्थान उत्तर रेलवे के श्वान 'एक्सेल' एवं दक्षिण मध्य रेलवे के श्वान 'सुल्तान' ने तीसरा स्थान हासिल किया। मादक पदार्थों का पता लगाने की प्रतियोगिता में दक्षिण पश्चिम रेलवे के श्वान 'रेम्बो' ने पहला स्थान हासिल किया, द्वितीय स्थान पश्चिम रेलवे के श्वान 'इच' और तृतीय स्थान पूर्व रेलवे के श्वान 'ड्यूक' ने हासिल किया। विस्फोटक पदार्थ का पता लगाने की प्रतियोगिता में पूर्व मध्य रेलवे के 'ब्रावो' ने पहला स्थान हासिल किया, द्वितीय स्थान दक्षिण मध्य रेलवे के 'रेमी' और तृतीय स्थान उत्तर रेलवे के 'एनेक्स' ने हासिल किया।

विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल द्वारा प्लेटिनम रेटिंग से सम्मानित किया गया



विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन ने इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) द्वारा ग्रीन रेलवे स्टेशन के रूप में सर्वोच्च 'प्लेटिनम रेटिंग' प्रमाणन से सम्मानित होने का गौरव हासिल किया है। यह रेटिंग ग्रीन रेलवे स्टेशनों के लिए उच्चतम मानक है। इससे पहले, विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन के पास आईजीबीसी-सीआईआई से स्वर्ण रेटिंग मिली हुई थी। आईजीबीसी ने भारतीय रेल के पर्यावरण निदेशालय के सहयोग से हरित अवधारणाओं को अपनाने की सुविधा के लिए ग्रीन रेलवे स्टेशनों की रेटिंग प्रणाली विकसित की है, जिससे स्टेशन संचालन और रखरखाव के कारण प्रतिकूल पर्यावरणीय प्रभावों को कम किया जा सके और समग्र यात्री अनुभव में सुधार हो सके। रेटिंग प्रणाली जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा दक्षता, जीवाश्म ईंधन का कम उपयोग, नवीन सामग्रियों के उपयोग पर कम निर्भरता और इसके उपयोगकर्ताओं के स्वास्थ्य और भलाई जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को सम्बोधित करने में मदद करती है। कार्य में शामिल छह मॉड्यूल हैं -स्वास्थ्य, टिकाऊ स्टेशन सुविधा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, ऊर्जा कुशलता, जल दक्षता, स्मार्ट और हरित पहल, नवाचार और विकास।

विजयवाड़ा स्टेशन की विशेषताएँ जिनके कारण प्लैटिनम ग्रीन रेटिंग प्राप्त हुई:

- यात्री सुविधाओं का प्रभावी क्रियान्वयन। शिकायत और फीडबैक तंत्र जिसमें वेब आधारित शिकायतें,
- एसएमएस-आधारित शिकायतें, आईवीआरएस फीडबैक प्रणाली और एमआईएस रिपोर्ट शामिल हैं।
- स्वास्थ्य और स्वच्छता मानक जैसे सुरक्षित पेयजल, आदि।
- पाँच सितारा रेटिंग वाले विद्युत उपकरण, एलईडी फिक्स्चर, बीएलडीसी पंखे आदि जैसे ऊर्जा कुशल उपाय।
- वाई-फाई सुविधा, स्मार्ट कार्ड टिकटिंग आदि जैसी स्मार्ट और हरित पहल।
- CAMTECH डिज़ाइन कोच वॉटरिंग आदि जैसे नवोन्मेषी उपाय।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार जैन ने विजयवाड़ा स्टेशन के लिए आईजीबीसी से सर्वोच्च हरित प्रमाणन प्राप्त करने पर विजयवाड़ा मंडल के अधिकारियों को बधाई दी।

सी.एफ.एम. अंगोला रेलवे के प्रतिनिधिमंडल का बरेका दौरा

मेसर्स राइट्स के अधिकारियों के साथ सी. एफ.एम. अंगोला रेलवे के दो सदस्यीय उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बनारस रेल इंजन कारखाना में डीज़ल एवं विद्युत लोकोमोटिव निर्माण सुविधाओं को देखने के लिए दिनांक 15 सितम्बर, 2023 को विभिन्न शॉपों का दौरा किया। प्रतिनिधि मंडल में पी.सी.ए./निदेशक मंडल के अध्यक्ष श्री एंटोनियों कोल्हो फर्नांडो दा क्रूज एवं निदेशक, तकनीकी कार्यालय श्री नेल्सन अर्नेस्टो नगुम्बे एवं राइट्स के एसडीजीएम/एक्सपोटेक श्री सुमेर सिंह प्रतिनिधिमंडल के साथ थे। सी.एफ.एम. अंगोला रेलवे सम्बन्धित प्रतिनिधिमंडल ने महाप्रबंधक श्री बासुदेव पांडा के साथ महाप्रबंधक कक्ष में बैठक की। इस दौरान रेल सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। उल्लेखनीय है



कि पूर्व में बरेका निर्मित 03 डीज़ल रेल इंजन अंगोला को निर्यात किया गया है। उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बरेका कार्यशाला की विभिन्न शॉपों जैसे न्यू ब्लॉक शॉप, लाईट मशीन शॉप, इंजन टेस्ट शॉप, लोको असेंबली शॉप आदि का दौरा किया।

पश्चिम रेल के न्यू भुज रेलवे स्टेशन को आइकॉनिक लैंडमार्क के रूप में किया जाएगा विकसित



रेलवे स्टेशनों को न केवल सेवा के साधन के रूप में, बल्कि एक परिसंपत्ति के रूप में बदलने और विकसित करने के माननीय प्रधानमंत्री के विज़न के अनुरूप भारतीय रेल ने 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अंतर्गत अपग्रेडेशन और आधुनिकीकरण के लिए देश भर में 1,275 स्टेशनों की पहचान की है। उल्लेखनीय है कि इनमें से 87 स्टेशन गुजरात राज्य में हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर के अनुसार न्यू भुज रेलवे स्टेशन को भारतीय रेल द्वारा कच्छ के रण की थीम पर अत्याधुनिक स्मार्ट रेलवे स्टेशन के रूप में पुनर्विकसित किया जा रहा है। स्टेशन के डिज़ाइन को ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेशन के साथ स्मार्ट स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। इससे सुखद वातावरण तैयार होगा। न्यू भुज स्टेशन का पुनर्विकास कार्य पश्चिम रेलवे द्वारा किया जा रहा है और कार्य तेज गति से प्रगति पर है। स्टेशन को ₹179.87 करोड़ की स्वीकृत लागत से एक अत्याधुनिक स्टेशन के रूप में पुनर्विकसित किया जा रहा है और इसे 24 महीनों में पूर्ण करने का लक्ष्य है। इस कार्य हेतु इंजीनियरिंग खरीद और निर्माण (ईपीसी) प्रदान किया जा चुका है तथा साइट सर्वे, जियो टेक्निकल इन्वेस्टिगेशन और यूटिलिटी मैपिंग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। बैचिंग प्लांट लगाने और फैब्रिकेशन यार्ड का कार्य प्रगति पर है। प्रतीक्षालय आदि के स्थानान्तरण के लिए अस्थाई ढाँचों का निर्माण इस माह के अंत तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके बाद मुख्य भवन को ध्वस्त करने का कार्य किया जाएगा।

यात्रियों को आगामी स्टेशन के बारे में एक विचार और अनुभव प्रदान करने के लिए भुज स्टेशन पर भविष्य के स्टेशन का एक लघु मॉडल प्रदर्शित किया गया है। इस योजना में अलग-अलग आगमन/प्रस्थान यात्री प्लाजा, स्टेशन परिसर में भीड़-भाड़ मुक्त और सुगम प्रवेश/निकास, भूमिगत पार्किंग व्यवस्था आदि शामिल हैं। प्लेटफॉर्मों पर भीड़-भाड़ से बचने के लिए प्लेटफॉर्मों के ऊपर यात्री सुख-सुविधाओं से युक्त पर्याप्त कॉनकोर्स/प्रतीक्षा स्थान होंगे। स्टेशन का मुख्य भवन लगभग 970 वर्ग मीटर का होगा, जिसमें सर्कुलेशन, कॉनकोर्स और वेटिंग स्पेस के लिए पर्याप्त जगह होगी। कॉन्कोर्स एरिया 3,240 वर्ग मीटर में फैला होगा। पूरे स्टेशन परिसर में वाई-फाई कवरेज उपलब्ध होगा। रेलवे स्टेशन दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं से युक्त होगा, जिसमें 13 लिफ्ट और 10 एस्केलेटर शामिल हैं, जो इसे 100% दिव्यांग अनुकूल बनाएँगे। ऊर्जा, पानी और अन्य संसाधनों आदि के कुशल उपयोग के लिए सुविधाओं के साथ स्टेशन भवन हरित भवन होगा। बेहतर स्टेशन प्रबंधन हेतु नया स्टेशन भवन अत्यंत सोच-विचार कर डिज़ाइन की गई विशेषताओं से युक्त अत्याधुनिक सुरक्षा एवं संरक्षा व्यवस्थाओं से लैस होगा। लगभग 300 दोपहिया, 50 से ज्यादा चार पहिया और ऑटो रिक्शा को समायोजित करने के लिए पार्किंग सुविधा को अपग्रेड किया जाएगा।

भुज गुजरात के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है, जहाँ रण के प्रसिद्ध कच्छ उत्सव की मेजबानी की जाती है। यह त्योहार दुनिया भर के पर्यटकों को रंगीन उत्सव का गवाह बनने के लिए आकर्षित करता है। विभिन्न पर्यटन आकर्षणों के साथ इसे एक बेहतरीन पर्यटन स्थल बनाने के लिए काफी विकास किया जा रहा है। यह नया अत्याधुनिक स्टेशन भवन इस शहर का एक अतिरिक्त आकर्षण होगा। यह आधुनिक सुख-सुविधाओं के साथ हवाई अड्डे जैसे वातावरण के साथ यात्रियों और पर्यटकों का स्वागत करेगा।

पश्चिम रेलवे द्वारा सूरत एवं उधना के बीच तीसरी लाइन की शुरुआत



पश्चिम रेलवे द्वारा सूरत-उधना तीसरी लाइन परियोजना का अवसंरचनात्मक कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर यात्री और माल यातायात के लिए शुरू कर दिया गया है। इस कार्य के अंतर्गत सूरत यार्ड में विद्युतीकरण कार्य और रूट रिले इंटरलॉकिंग (RRI) के साथ-साथ सूरत और उधना के बीच 2 किमी की अतिरिक्त तीसरी लाइन शामिल थी। सूरत-मुंबई मेन लाइन खंड पर अधिक यातायात के कारण जलगाँव जाने वाली ट्रेनों की समयपालनता सूरत और उधना के बीच प्रभावित हो रही थी। इस कॅन्जेशन से मुंबई की ओर जाने वाले मेन लाइन यातायात पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। मुंबई और जलगाँव दोनों के लिए अधिक यात्री और माल यातायात के कारण सूरत-उधना स्टेशनों के बीच कॉन्जेशन बढ़ गया है। उधना-जलगाँव खंड के दोहरीकरण से यात्री एवं माल यातायात में और वृद्धि हुई है। इन देरी को कम करने तथा यात्री एवं माल की आवाजाही को बढ़ाने के लिए सूरत और उधना के बीच पूर्व की ओर तीसरी लाइन का निर्माण कार्य शुरू किया गया था।

पू. सी. रेल द्वारा पूर्वोत्तर भारत की पर्यटन क्षमता को बढ़ावा



भारतीय रेल ने कुछ साल पहले विस्टाडोम कोच का आगाज कर देश में ट्रेन यात्रा को नये सिरे से परिभाषित किया। यात्रा के दौरान विस्टाडोम कोच यात्रियों को 360 डिग्री का दृश्य प्रदान करते हैं क्योंकि कोच में काँच की बड़ी खिड़कियाँ और छतें होती हैं, जिससे वे मनोहर प्रकृति के लुभावने मनोरम दृश्यों का आनंद ले सकते हैं और एक अद्भुत यात्रा का अनुभव हासिल करते हैं। इसके अलावा, इन विस्टाडोम कोचों में अत्याधुनिक यात्री सुविधाएँ भी हैं।

पूर्वोत्तर सीमा रेल भी इस मामले में पीछे नहीं है। पू. सी. रेल में पहली विस्टाडोम सेवाएँ 28 अगस्त, 2021 से 2 सेक्शनों यानी गुवाहाटी-न्यू हाफलंग और न्यू जलपाईगुड़ी-अलीपुरद्वार में शुरू की गई। पूर्वोत्तर और उत्तर बंगाल क्षेत्र में पर्यटन और साँस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए इन मार्गों पर ये दो सेवाएँ शुरू की गईं। ऐसी विश्व स्तरीय सेवाओं की शुरुआत ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय इन दोनों क्षेत्रों ने पर्यटकों को आकर्षित किया। दोनों क्षेत्रों की नैसर्गिक प्राकृतिक सुंदरता को बढ़ावा दिया जा सकता है, जिससे छिपे हुए संभावित पर्यटन उद्योग को निखारा जा सके।

विस्टाडोम की शुरुआत से स्थानीय उद्योगों को अत्यधिक लाभ हुआ बड़ी संख्या में पर्यटकों की आवाजाही के कारण रोज़गार के नए अवसर पैदा हुए, राजस्व आय हुई और विश्व स्तर पर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने में भी मदद मिली।
डिमा-हसाओ में, गुवाहाटी-हाफलंग विस्टाडोम सेवा की शुरुआत ने स्थानीय पर्यटन उद्योग को बढ़ावा दिया है, जो कोविड प्रतिबंधों के बाद किसी तरह चल रही थी। क्षेत्र में अधिक पर्यटकों के आने से विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों का एक बड़ा वर्ग आर्थिक रूप से लाभान्वित हुआ है। अतुलनीय लाभों को ध्यान में रखते हुए, बढ़ती माँगों को पूरा करने के साथ-साथ क्षेत्र के अनछुए पर्यटन क्षेत्रों को सामने लाने के लिए पू. सी. रेल द्वारा अगरतला-जिरिबाम, गुवाहाटी-नाहरलगुन और हाल ही में न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा के बीच चलने वाली ट्रेनों में भी विस्टाडोम कोच लगाए गए। हाल ही में कुलिक एक्सप्रेस नामक एक और ट्रेन में एक विस्टाडोम कोच जोड़ा गया है।

विश्वस्तरीय मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्टेशन हब बनेगा– न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन

रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए, रेल मंत्रालय ने विभिन्न विकासात्मक योजनाओं के अंतर्गत भारतीय रेल के स्टेशनों के अपग्रेडेशन/आधुनिकीकरण की योजना तैयार की है। चिन्हित 204 स्टेशनों में से पू. सी. रेल के अंतर्गत न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन को भी बेहतर, अतिरिक्त और बढ़ी हुई यात्री सुविधाएँ प्रदान करने के लिए विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ अपग्रेड करने के लिए चिन्हित किया गया है। अपग्रेडेशन कार्यों के लिए कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। योजनानुसार सिविल निर्माण कार्य शुरू करने के लिए स्थल तैयार करने हेतु सामने के खुदरा क्षेत्रों सहित कार्यालयों आदि को नये स्थानों पर स्थानांतरित करने और पुरानी संरचनाओं को तोड़ने का कार्य चल रहा है।



आगमन–1 टर्मिनल और सेकेंडरी स्टेशन भवन के नींव का कार्य पूरा हो चुका है। आगमन–2 और प्रस्थान टर्मिनल के लिए कार्य जल्द ही शुरू होगा। यूटीएस सह पीआरएस काउंटरों को रेल बिजलीकरण के विश्राम गृह के पास रामनगर कॉलोनी रोड पर एक नए स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है। साइट ऑफिस और सम्मेलन कक्ष पहले ही प्रारंभ हो चुके हैं। एलिवेटेड रोड के लिए टेस्ट पाइल की ढुलाई का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। यात्रियों को एयरपोर्ट जैसा अनुभव और आराम प्रदान करने के लिए स्टेशन में विशाल कवर्ड पार्किंग क्षेत्र, 24x7 पॉवर बैकअप, पेयजल, वातानुकूलित लॉबी, कार्यालय, दुकानें, हाई स्पीड एस्केलेटर, लिफ्ट, एयर कॉन्कोर्स, होटल आदि जैसी अत्याधुनिक सुविधाएँ एक ही समय पर उपलब्ध होंगी। आगमन और प्रस्थान करने वाले यात्रियों के लिए पूरी तरह से अलग व्यवस्था होगी। अपग्रेडेशन कार्य पूरा होने के बाद, यह स्टेशन वर्तमान में प्रतिदिन 70,000 से अधिक यात्रियों की आवाजाही को नियंत्रण करने में सक्षम होगा। न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के सम्पूर्ण अपग्रेडेशन कार्य की अनुमानित लागत ₹334.72 करोड़ है।

न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन पू. सी. रेल के सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशनों में से एक है, जो सभी पूर्वोत्तर राज्यों के लिए एक महत्त्वपूर्ण केंद्र के रूप में सेवा देता है। न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के अपग्रेडेशन से उत्तर बंगाल के साथ-साथ सिक्किम में यात्रा, पर्यटन आदि सहित स्थानीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। अपग्रेडेशन की इस परियोजना को 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

आरेडिका को मिला ग्रीनको प्लेटिनम अवॉर्ड 2023-26



आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा औद्योगिक उत्पादन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए जा रहे सराहनीय प्रयासों के लिए वर्ष 2023 से 2026 तक तीन वर्षों के लिए ग्रीनको प्लेटिनम रेटिंग प्रदान की गयी है। ग्रीनको रेटिंग प्रणाली सीआईआई-प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर विश्व स्तरीय सलाहकार सेवाएँ प्रदान करती है। इस दिशा में सीआईआई द्वारा उठाया गया एक बड़ा कदम, कंपनियों के लिए ग्रीनको रेटिंग देना है।

ग्रीनको रेटिंग दुनिया में अपनी तरह का पहला समग्र ढाँचा है जो लाइफ साइकिल एसेसमेंट (उत्पाद डिज़ाइन, प्रयुक्त सामग्री, खरीद, विक्रेता प्रबंधन, रसद, पैकेजिंग, विनिर्माण, वितरण, उत्पाद का उपयोग, निपटान और पुनर्चक्रण) का उपयोग करके कंपनियों की पर्यावरण अनुकूलता का मूल्यांकन करता है। ग्रीनको रेटिंग का कार्यान्वयन कंपनियों को उत्पादों, सेवाओं और संचालन को हरित बनाने के लिए नेतृत्त्व और मार्गदर्शन प्रदान करना है साथ ही उद्योग कर्मियों को नवीनतम हरित अवधारणाओं पर प्रशिक्षित करना एवं बेहतर प्रणालियों को लागू करने और हरित क्षेत्र में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को स्थापित करना है।

आरेडिका का यह प्रयास रहा है कि कोचों के उत्पादन के कारण आस-पास के वातावरण पर किसी प्रकार का नकारात्मक प्रभाव न पड़े इसी लिए कारखाना परिसर में बृहद स्तर पर हरे-भरे पेड़ों का रोपण कार्य किया जा रहा है। कारखाना ऊर्जा के लिए नवीकरणीय संसाधनों के उत्पादन एवं उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है।

बनारस रेल इंजन कारखाना के दो कर्मचारी उत्कृष्ट कार्य हेतु राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किए गए

77वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा हेतु राष्ट्रपति पदक की घोषणा हुई, जिसमें बनारस रेल इंजन कारखाना के चीफ वार्डन श्री मार्कण्डेय मिश्रा एवं वरिष्ठ निरीक्षक श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव को राष्ट्र एवं समाज के लिए उल्लेखनीय सेवा हेतु राष्ट्रपति द्वारा मेरिटोरियस पदक प्रदान किया जायेगा। रेल मंत्रालय को कुल तीन पदक प्राप्त हुए हैं, जिसमें से दो बनारस रेल इंजन कारखाना के कर्मचारियों को मिले है।





बरेका में विश्व स्तनपान दिवस पर सेमिनार का आयोजन



बनारस रेल इंजन कारखाना के केन्द्रीय चिकित्सालय के सभागार कक्ष में 3 अगस्त, 2023 को विश्व स्तनपान दिवस के उपलक्ष्य में बरेका चिकित्सालय एवं पॉपुलर कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल इंस्टिट्यूट, वाराणसी की सहभागिता से सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बरेका के प्रमुख मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ० देवेश कुमार ने स्तनपान के फायदों से उपस्थित लोगों को जागरुक करते हुए स्तनपान को बढ़ावा देने को प्रोत्साहन दिया एवं बताया कि बदलते समय के अनुसार कार्यरत मातायें अपने बच्चों को अपने कार्यस्थल पर भी स्तनपान कराना सुनिश्चित करें, ताकि बच्चे शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से सुदृढ़ हों एवं उनके अधिकारों की रक्षा की जा सके।

कार्यक्रम में पॉपुलर कॉलेज आफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल इंस्टिट्यूट के सहायक प्रोफेसर श्री आनन्द कुमार ने बताया कि इस वर्ष विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम "Enabling Breastfeeding : Making A Difference for Working Parents" है एवं इसी थीम पर विश्व स्तनपान सप्ताह कार्यक्रम केन्द्रित है। कार्यक्रम में कॉलेज की जी.एन.एम. की तृतीय वर्ष की छात्राएँ ममता, रंजना, प्रियंका कुशवाहा, नेहा, निक्की, निवेदिता, प्रियंका, स्वेता कुमारी, स्वेता शर्मा, अनामिक तथा कुमारी ममता द्वारा लघु नाटक का मंचन किया गया एवं साथ ही व्याख्यान की प्रस्तुति के साथ स्तनपान के व्यावहारिक पहलुओं को केंद्रित कर समाज में इसके प्रचार-प्रसार हेतु संदेश दिया गया।

बरेका में 'रिमझिम झमाझम' प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 23 जुलाई, 2023 को बनारस रेल इंजन कारखाना में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत विभिन्न आयु वर्ग की गायन एवं नृत्य प्रतियोगिता 'रिमझिम झमाझम' का ग्रैंड फाइनल बरेका प्रेक्षागृह में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बरेका महाप्रबंधक श्री बासुदेव पांडा एवं महिला कल्याण समिति की अध्यक्षा श्रीमती नीलिमा पांडा ने किया।



भारतीय
पत्रिका की ऑनलाइन सदस्यता

STEP 1

ऑनलाइन सदस्यता हेतु **www.irctc.co.in** पर जाएं।

इस पेज के **विज्ञापन** (Promotions) पर जाएं।

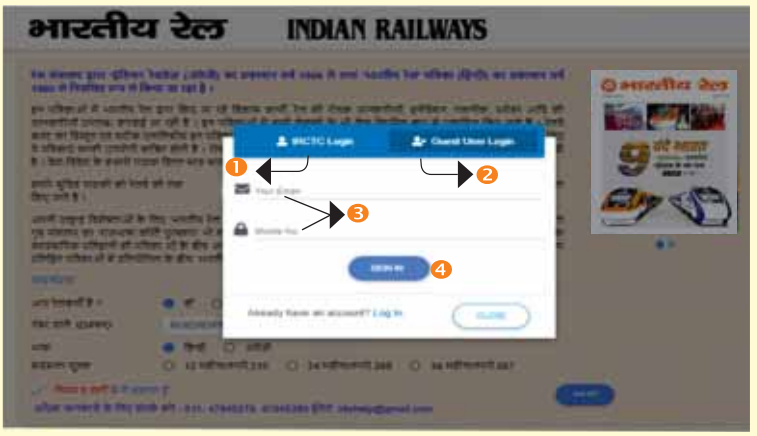
आप सीधे
www.irctctourism.com/ IRBRmag/#/home/hn
पर भी जा सकते हैं।



❸ **'भारतीय रेल पत्रिका'** पर क्लिक करें।

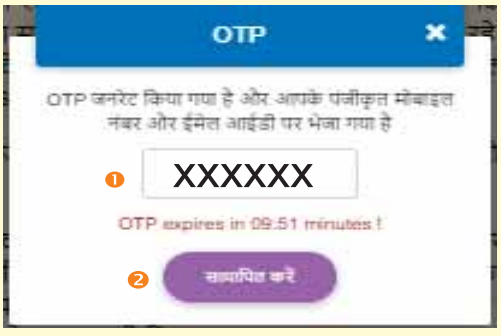
STEP 3

❶ इस बॉक्स में यदि आप के पास आईआरसीटीसी का लॉग–इन, पासवर्ड है तो उसका उपयोग करें।



❷ लॉग–इन आईडी नहीं है तो गेस्ट लॉग–इन पर क्लिक करें।
❸ उसमें अपना ई–मेल तथा मोबाइल नंबर दर्ज करें।
❹ सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 5



❶ आपके पंजीकृत मोबाइल एवं ई–मेल पर आए ओटीपी को बॉक्स में दर्ज करें एवं
❷ सत्यापित करें

STEP 6



❶ पेमेंट मोड (कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई, वॉलेट, इंटरनेशनल कार्ड तथा आईपे) एवं
❷ पेमेंट गेट–वे का ऑप्शन पसंद करें
❸ मेक पेमेंट का बटन दबाएं

रेल
प्राप्त करने की सरल प्रक्रिया

STEP 2

1. यदि आप रेलकर्मी हैं तो 'हां' पर या रेलकर्मी नहीं हैं तो 'नहीं' पर क्लिक करें।
2. यदी 'हां' तो बॉक्स में अपना आरयूआईडी/ आईडी/पीपीओ नंबर तथा एक आधिकारिक आईडी की स्कैन कॉपी अपलोड करें।
3. 'भारतीय रेल' पत्रिका के लिए 'हिंदी' को और 'इंडियन रेलवेज' पत्रिका के लिए 'अंग्रेजी' में क्लिक करें।
4. एक, दो या तीन यानि जितने साल की सदस्यता चाहते हैं, उस बिन्दु पर क्लिक करें।



सबमिट (जमा) का बटन दबाएं।

5. नियम व शर्तों पर क्लिक करें तथा उसे ध्यान से पढ़ लें। यदि सहमत हों तो बॉक्स में टिक मार्क करें।

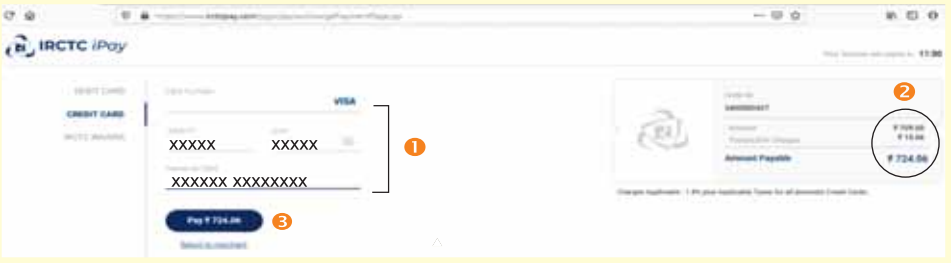
STEP 4



1. अपना पूरा पता पिन कोड के साथ दर्ज करें

2. सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 7



1. पेमेंट मोड की डीटेल भरें
2. पेमेंट एमाउंट की जानकारी देखें।
3. संतुष्ट होने पर ही 'पे' बटन को दबाएं।
- बैंक ओटीपी की प्रक्रिया पूर्ण होने पर पेमेंट सक्सेस फुल का मैसेज स्क्रीन पर दिखाई देगा।

कृपया ध्यान दें

- पेमेंट के समय नियमानुसार ट्रांजेक्शन शुल्क लगते हैं, कृपया पेमेंट करते समय देख लें।
- पेमेंट की प्रक्रिया पूर्ण होने पर आपको सदस्यता संबंधित जानकारी का एस.एम.एस. तथा मेल प्राप्त होगा।
- पेमेंट प्राप्त होते ही निर्धारित माह से आपको पत्रिका प्राप्त होनी शुरू हो जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - 011- 47845378, 47845380 ईमेल: irbrhelp@gmail.com

खेलों में भारतीय रेल



भारतीय रेल साइक्लिंग टीम ने दिनांक 7 से 11 सितंबर, 2023 तक मोल्स बर्ज, डेनमार्क में आयोजित 14वीं यूएसआईसी (विश्व रेलवे) साइक्लिंग चैंपियनशिप में समग्र रूप से तीसरा स्थान जीता।

भारतीय रेल की पुरुष हैंडबॉल टीम ने दिनांक 5 सितंबर, 2023 को जम्मू और कश्मीर के श्रीनगर में आयोजित 52वीं सीनियर नेशनल (पुरुष) हैंडबॉल चैंपियनशिप-2023 में दूसरा स्थान हासिल किया।



रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला की टीम बनी चैंपियन



दिनांक 21 सितम्बर, 2023 आरसीएफ के गोल्फ कोर्स में संपन्न हुई 67वीं ऑल इंडिया रेलवे गोल्फ चैंपियनशिप के आखिरी दिन रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला की टीम 434 स्ट्रोक्स के साथ प्रथम स्थान पर रही। यह तेरहवां अवसर है जब आरसीएफ ने इस प्रतियोगिता को जीता है। उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर की टीम ने 464 के स्ट्रोक्स के साथ फर्स्ट रनर्सअप स्थान प्राप्त किया जबकि चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स, चितरंजन की टीम ने भी 464 स्ट्रोक्स अर्जित किए मगर दूसरे दिन जयपुर की टीम द्वारा उस से कम स्कोर लेने पर उसे सेकण्ड रनर्स अप स्थान प्रदान किया गया। इस अवसर पर आरसीएफ के महाप्रबंधक श्री अशेष अग्रवाल द्वारा पुरस्कार वितरण किए गए। श्री आर के वर्मा के नेतृत्त्व में युवराज सिंह, जगमोहन सिंह और रणधीर सिंह की आरसीएफ टीम ने टी एस रसेल कप महाप्रबंधक से प्राप्त किया। इसके इलावा सबसे लम्बी ड्राइव और पिन के नजदीक प्रतियोगिता को आरसीएफ के युवराज सिंह ने जीतने का श्रेय हासिल किया। युवराज सिंह को 135 के ग्रॉस स्कोर के लिए बेस्ट गोल्फर का अवॉर्ड भी दिया गया। उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के गिरिराज सिंह को 145 ग्रॉस स्कोर के लिए फर्स्ट रनर्सअप और उत्तर मध्य रेलवे के अमित कुमार को 146 ग्रॉस स्कोर के लिए सेकण्ड रनर्सअप पुरस्कार दिए गए।

मेट्रो महिला टेबल-टेनिस टीम ने 69वीं अखिल भारतीय रेलवे टेबल-टेनिस चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

मेट्रो रेलवे की महिला टेबल-टेनिस टीम ने 7 अगस्त से 11 अगस्त, 2023 तक मालीगाँव, गुवाहाटी में आयोजित 69वीं अखिल भारतीय रेल टेबल-टेनिस चैंपियनशिप-2023-24 में कांस्य पदक जीता। इस चैंपियनशिप में रेलवे की सात टीमों ने भाग लिया था। इस महिला टेबल-टेनिस टीम की सदस्या श्रेया घोष, अनुश्री हाजरा, रूपसा भट्टाचार्य, मौमिता दत्ता और पोयमंती वैश्य थीं। तीसरे एवं चौथे स्थान के निर्णायक मुकाबले में मेट्रो ईव्स ने वेस्टर्न रेलवे ईव्स को 3-1 से हराया। मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक श्री पी उदय कुमार रेड्डी ने इस टूर्नामेंट में उनके प्रदर्शन के लिए टीम के सभी सदस्यों को बधाई दी।



अखिल भारतीय कबड्डी प्रतियोगिता का खिताब दक्षिण मध्य रेलवे की महिला कबड्डी टीम ने जीता



दक्षिण मध्य रेलवे की महिला कबड्डी टीम ने 31 अगस्त से 03 सितंबर, 2023 तक मनाप्पराई, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु में आयोजित अखिल भारतीय कबड्डी टूर्नामेंट का खिताब जीता। टूर्नामेंट में कुल 24 टीमों ने भाग लिया। फाइनल में एससीआर की टीम ने पीकेआर को 28-20 से हराकर टूर्नामेंट जीत लिया। दक्षिण मध्य रेलवे की सुश्री पिंकी रॉय को टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में सम्मानित किया गया। महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार जैन ने टीम के सदस्यों को उनकी जीत के लिए बधाई दी।

पश्चिम रेलवे के पॉवरलिफ्टरों ने सीनियर नेशनल इक्विप्ड पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप 2023 में लहराया परचम

पश्चिम रेलवे के पॉवरलिफ्टरों ने हाल ही में काशीपुर में आयोजित 49वीं पुरुष और 41वीं महिला सीनियर इक्विप्ड पॉवरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में कई पदक जीते। लगातार 24वीं बार जीत का सिलसिला बरकरार रखते हुए चैंपियनशिप जीतना भारतीय रेल के लिए एक गर्व का क्षण है। पुरुष टीम ने 6 स्वर्ण पदक और 1 कांस्य पदक जीता जबकि महिला टीम ने 3 स्वर्ण पदक और 3 रजत पदक जीते। पश्चिम रेलवे के पॉवरलिफ्टर श्री पी. सुरेश और सुश्री समृद्धि देवलेकर ने







भारतीय रेल का प्रतिनिधित्व किया, जबकि सुश्री अभिरामी और सुश्री शर्मिला डे ने पश्चिम बंगाल राज्य का, श्री गोविंदराज के. ने अंडमान एवं निकोबार का तथा श्री अपूर्व दुबे ने मध्य प्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व किया।

34वीं अखिल भारतीय रेल सुरक्षा बल कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन



जबलपुर रेलवे स्टेडियम में दिनांक 22 से 25 अगस्त, 2023 तक 34वीं अखिल भारतीय रेल सुरक्षा बल कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस कुश्ती प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि पमरे महाप्रबंधक श्री सुधीर कुमार गुप्ता, विशिष्ट अतिथि श्रीमती संध्या गुप्ता, अपर महाप्रबंधक श्री आर.एस.सक्सेना, महानिरीक्षक/आरपीएफ श्री प्रदीप कुमार गुप्ता, उपमहानिरीक्षक श्री राजेन्द्र रूपनवर, मंडल रेल प्रबंधक श्री विवेक शील, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री अरुण त्रिपाठी एवं रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में फाइनल मैच खेले गये। 61 किग्रा वेट कैटेगरी में पश्चिम मध्य रेलवे के पहलवान शिवमान सिंह ने, 70 किग्रा वेट कैटेगरी में रेलवे सुरक्षा विशेष बल के पहलवान वीरेन्द्र ने, 79 किग्रा वेट कैटेगरी में उत्तर रेलवे के पहलवान प्रवीण ने, 86 किग्रा वेट कैटेगरी में पश्चिम रेलवे के पहलवान जतिन ने स्वर्ण पदक पर कब्जा किया।

उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में खिलाड़ियों का सम्मान समारोह एवं क्रीड़ा प्रतियोगिताएं आयोजित

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय, मंडलों एवं अन्य इकाइयों में विभिन्न कार्यक्रमों, खेल प्रतियोगिताओं एवं खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के सम्मान में समारोहों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में पिछले एक वर्ष के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले उत्तर मध्य रेलवे के खिलाड़ियों और कोचों को उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री सतीश कुमार के द्वारा सम्मानित होने वालों में उत्तर मध्य रेलवे के अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्ट श्री आदित्य सिंह राणा, क्रिकेटर कु. शिबा कोठारी, श्री मकबूल अहमद हॉकी टीम प्रबंधक, कु. कोमल कोहर भारोत्तोलन खिलाड़ी, एथलीट कु. कविता यादव, भारोत्तोलन कोच श्री जितेन्द्र नाथ सिंह, ग्रीको रोमन पहलवान श्री रवि राठी, शक्तित्तोलन खिलाड़ी श्री अमनप्रीत सिंह, क्रिकेट कोच कु. हेम लता काला, टेबल टेनिस खिलाड़ी श्री वरुण सिंह एवं श्री स्वर्ण सिंह ठाकुर, हॉकी खिलाड़ी श्री अर्जुन शर्मा एवं अमित यादव एवं क्रिकेटर श्री कार्तिकेय कुशवाहा शामिल रहे।





दिनांक 29 अगस्त, 2023 को महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस बनारस रेल इंजन कारखाना में बड़े ही हर्ष के साथ मनाया गया महाप्रबंधक श्री बासुदेव पांडा के दिशानिर्देशन में बरेका खेलकूद संघ के महासचिव सह मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, उत्पादन श्री सुनील कुमार ने बरेका केंद्रीय खेल कूद मैदान में मेजर ध्यानचंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

प्रगति रिपोर्ट

भुसावल-मनमाड तीसरी लाइन परियोजना (183.94 किमी)



प्रगति : 96.81 किमी (53%)

रेलवे सुरक्षा आयुक्त द्वारा 130 किमी प्रति घंटे की गति पर सफल परीक्षण और निरीक्षण के बाद मनमाड-नंदगाँव खंड की 25.09 किमी लंबी विद्युतीकृत लाइन चालू की गई।

29 अगस्त, 2023

वांची मनियाछी-नागरकोइल दोहरीकरण परियोजना (102 किमी)





प्रगति : 84% पूर्ण (85.69 किमी)

इससे चेन्नई से नागरकोइल, कन्याकुमारी और तमिलनाडु के दक्षिणी भाग के अन्य शहरों के बीच यात्रा का समय कम हो जाएगा

1 सितम्बर, 2023

कल्याण-कसारा तीसरी लाइन (67.35 किमी)





जो कार्य पूर्ण हो गया है :
मिट्टी कार्य : 6.69/17.43 एलसीयूएम
छोटे पुल : 23/205
ओएचई फाउंडेशन : 200/1400
ओएचई मास्ट निर्माण : 170/1200
प्रगति पर कार्य : प्रमुख पुल : 5/9
यह कल्याण-कसारा खंड में ट्रेन की गतिशीलता को बढ़ावा देगा और भीड़-भाड़ को कम करेगा

19 सितम्बर, 2023

मथुरा-झांसी तीसरी लाइन परियोजना (274 किमी)



प्रगति : 122 किमी पूर्ण
दक्षिण और मध्य भारत की ओर जाने वाली ट्रेनों को सीधे दिल्ली से जोड़ने से व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय जनता को लाभ मिलेगा



3 सितम्बर, 2023

चार्लापल्ली रेलवे स्टेशन को सैटेलाइट कोचिंग टर्मिनल के रूप में विकसित करने का काम तेजी से चल रहा है



अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ, यह टर्मिनल उच्च यातायात की माँग को पूरा करने में सहायता करेगा और तेलंगाना के जुड़वां शहरों, हैदराबाद और सिकंदराबाद की कनेक्टिविटी में सुधार करेगा

4 सितम्बर, 2023

ओडिशा में रेल अवसंरचना को पुनर्जीवित करना



भद्रक–नेरगुंडी तीसरी लाइन 'महत्त्वपूर्ण परियोजना' (92 किमी)
प्रगति : 25.3 किमी पर चालू
यह परिवहन सुविधा को बढ़ाएगा, स्थानीय जनता के लिए व्यापार और वाणिज्य के अवसरों को बढ़ावा देना



1 सितम्बर, 2023

नागपुर रेलवे स्टेशन पुनर्विकास

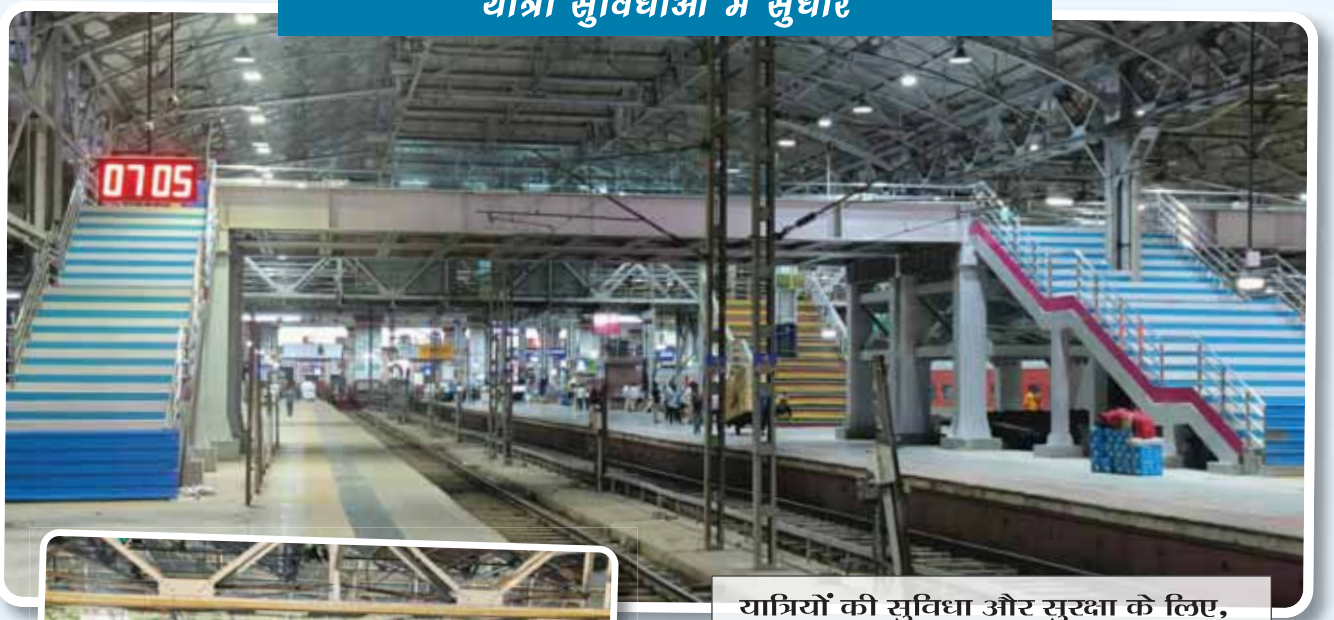


काम पूरा हो गया है :
मिट्टी की जाँच, बैचिंग संयंत्र
पहिया-धुलाई संयंत्र
स्टेशन का आवश्यक आधुनिकीकरण बड़ी संख्या में यात्रियों के लिए सुविधा में वृद्धि प्रदान करेगा, संपर्कता बढ़ाएगा



9 सितम्बर, 2023

यात्री सुविधाओं में सुधार





यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए, मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर एक नया पैदल ऊपरी पुल (एफओबी) चालू किया गया है, जो स्टेशन के मेनलाइन प्लेटफॉर्म को जोड़ता है।

10 सितम्बर, 2023

आंध्र प्रदेश में रेल अवसंरचना का उन्नयन
विजयवाड़ा-गुदुर तीसरी लाइन (287.67 किमी)



प्रगति : 171 कि.मी. चालू

दक्षिणी राज्यों के साथ देश के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों के बीच कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करना।

इन क्षेत्रों में व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देना

11 सितम्बर, 2023

पीआरएस और गुड्स शेड में मौजूदा 11 केवी सब स्टेशनों के स्थान पर जिनकी संयुक्त क्षमता 800 केवीए थी, पुणे जंक्शन के लिए नया 1,600 केवीए सब-स्टेशन चालू किया गया है



12 सितम्बर, 2023

तिरुवनंतपुरम-कन्याकुमारी का दोहरीकरण (86.56 कि.मी.) रेलवे अनुभाग



काम पूर्ण :
प्रमुख पुल : 5/10
लघु पुल : 87/303
मिट्टी का कार्य एवं ब्लैंकेटिंग : 11.17/54.44 लाख घन मीटर
20% एसएंडटी कार्य पूरा
नागरकोइल और मदुरै जंक्शन के रास्ते से ट्रेन परिचालन में वृद्धि हो सकेगी जिससे आर्थिक विकास को गति मिलेगी



15 सितम्बर, 2023

हडपसर रेलवे स्टेशन का पुणे के सैटेलाइट टर्मिनल के रूप में परिवर्तन





18 सितम्बर, 2023

कार्य पूर्ण :
प्लेटफॉर्म विस्तार : 24 कोच की लंबाई के हिसाब से
कार्य प्रगति पर है :
800 मीटर प्लेटफॉर्म शेड, सार्वजनिक घोषणा प्रणाली, पूछताछ काउंटर टीटीई, आरपीएफ, जीआरपी कार्यालय एवं विश्राम कक्ष का काम चल रहा है

स्टेशनों का पुनर्विकास





तेलंगाना का हाफिजपेट रेलवे स्टेशन लिफ्ट, एस्केलेटर, अद्यतन प्रतीक्षालय आदि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा।





आंध्र प्रदेश के डोनाकोंडा रेलवे स्टेशन में आधुनिक यात्री सुविधाएं प्रदान की जाएंगी





राजस्थान का कोटा जं. पुनर्विकास के बाद एक प्रतिष्ठित इमारत, आकर्षक अग्रभाग और एक विशाल पार्किंग क्षेत्र सहित कई अन्य सुविधाओं से सुसज्जित होगा।





तेलंगाना के हाई-टेक सिटी रेलवे स्टेशन को व्यापक आधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्विकसित किया जाएगा।





राजस्थान के अलवर जंक्शन रेलवे स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा।





महाराष्ट्र का लातूर रेलवे स्टेशन बेहतरीन प्रतीक्षालय, लिफ्ट, एस्केलेटर और बेहतर यात्री सूचना प्रणाली से सुसज्जित किया जाएगा।





मध्य प्रदेश में गंज बसौदा रेलवे स्टेशन का प्रस्तावित डिज़ाइन, उच्चतर मानकों के बुनियादी ढाँचे के साथ पुनर्विकसित किया जाएगा।





पुनर्विकास के बाद, यात्री आधुनिक सुविधाओं से भरपूर, ओडिशा के दमनजोड़ी रेलवे स्टेशन के भव्य बदलाव को देखेंगे। प्रस्तावित डिज़ाइन को देखिए, जो इसकी वर्तमान स्थिति से बिल्कुल अलग है।





असम के दीफू रेलवे स्टेशन का प्रस्तावित डिज़ाइन पुनर्विकास के बाद स्टेशन के बुनियादी ढाँचे में सराहनीय वृद्धि दर्शाता है।





राजस्थान का रामगंजमंडी जं. रेलवे स्टेशन आधुनिक सुविधाओं के साथ यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एक बड़े बदलाव से गुजरने वाला है।





पुनर्विकास के बाद, हरियाणा का कालका रेलवे स्टेशन यात्री आराम और सुविधा के लिए कई आधुनिक सुविधाएं प्रदान करेगा। इसके अलावा, प्रस्तावित डिज़ाइन इसकी वास्तुकला में स्थानीय विरासत और संस्कृति के संगम को चित्रित करता है।



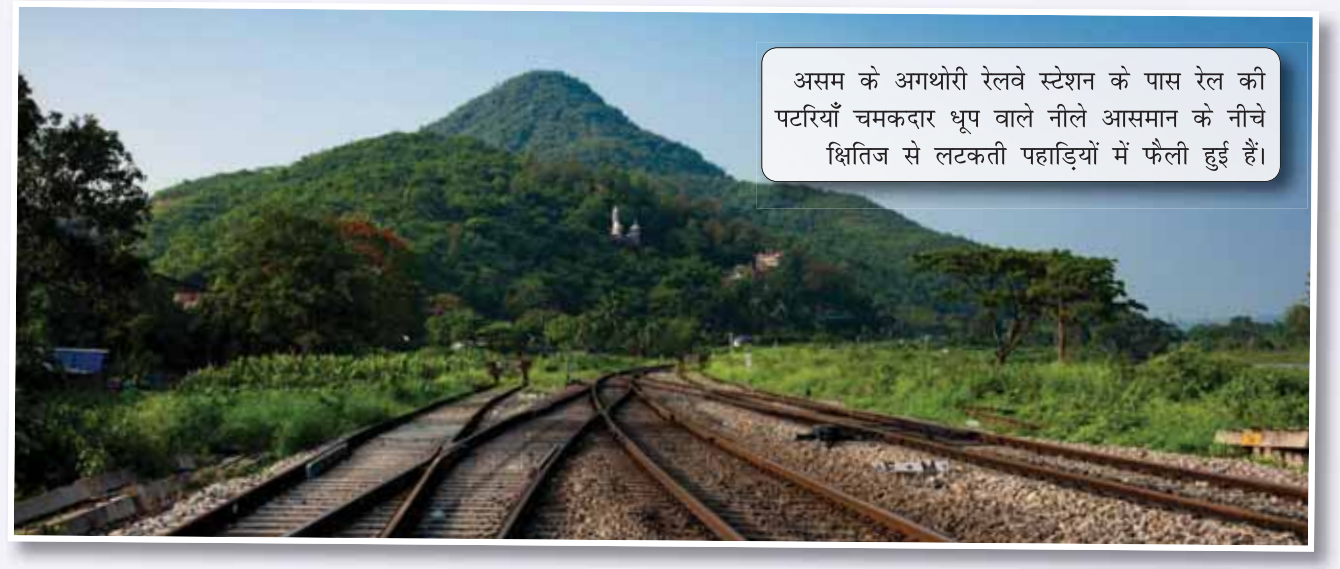


एक क्रांतिकारी बदलाव : सरहिंद जंक्शन के प्रस्तावित डिज़ाइन पर एक नजर जो यात्रियों को बेहतर अनुभव देने के लिए एक अचंभित कर देने वाले नवीनीकरण से गुजर रहा है।

तस्वीर दीर्घा



नीलगिरि माउंटेन रेलवे की लहरदार पहाड़ियों के बीच से रेल की पटरियाँ अपना रास्ता बनाती हैं। प्रसिद्ध हैंगिंग रॉक इस सुरम्य स्थान को सुशोभित करती है।



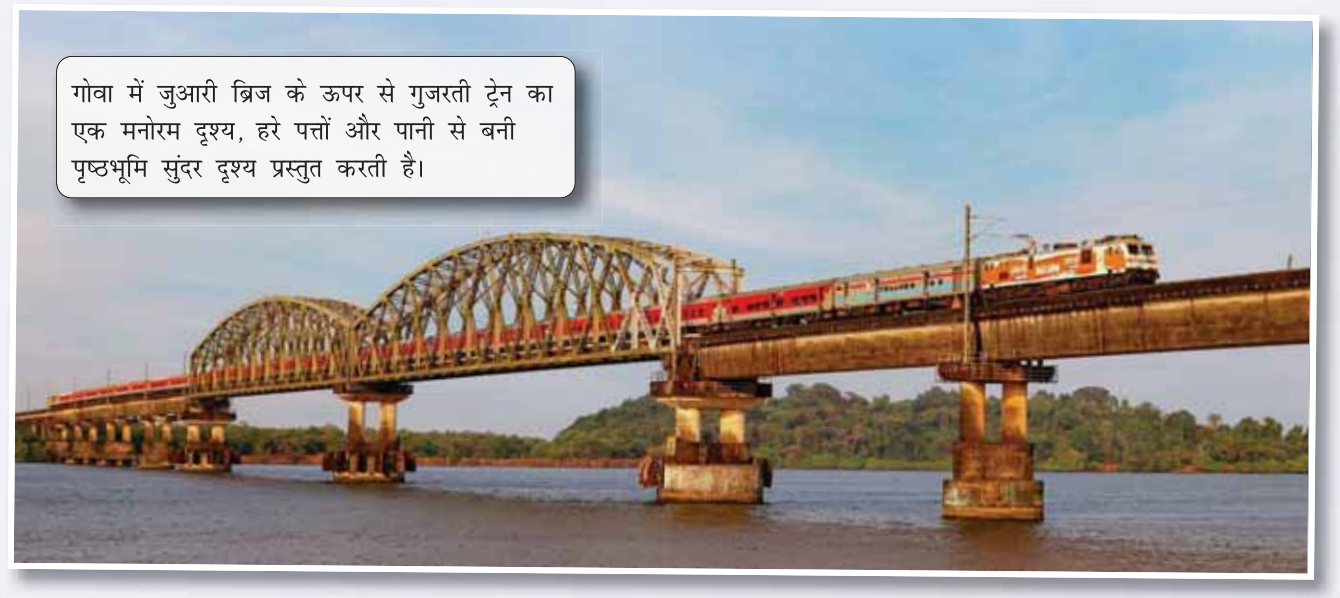
असम के अगथोरी रेलवे स्टेशन के पास रेल की पटरियाँ चमकदार धूप वाले नीले आसमान के नीचे क्षितिज से लटकती पहाड़ियों में फैली हुई हैं।



झारखंड के हेंदेगीर में हरी-भरी छतरियों से घिरा रेल पथ।



भोर घाट खंड में मंकी हिल सटीक पृष्ठभूमि के दर्शन कराती है।



गोवा में जुआरी ब्रिज के ऊपर से गुजरती ट्रेन का एक मनोरम दृश्य, हरे पत्तों और पानी से बनी पृष्ठभूमि सुंदर दृश्य प्रस्तुत करती है।



हरियाली से घिरे सुरम्य गुरपा-गुझंडी घाट सेक्शन से शान से गुजरती हुई एक ट्रेन।



सूरजमुखी से घिरे भूभाग में बेंगलुरु–धारवाड़ वंदे भारत एक्सप्रेस।



कर्नाटक में नन्हें ताड़ के पेड़ों से घिरी होन्नावर सुरंग से शान से आती हुई एक ट्रेन।



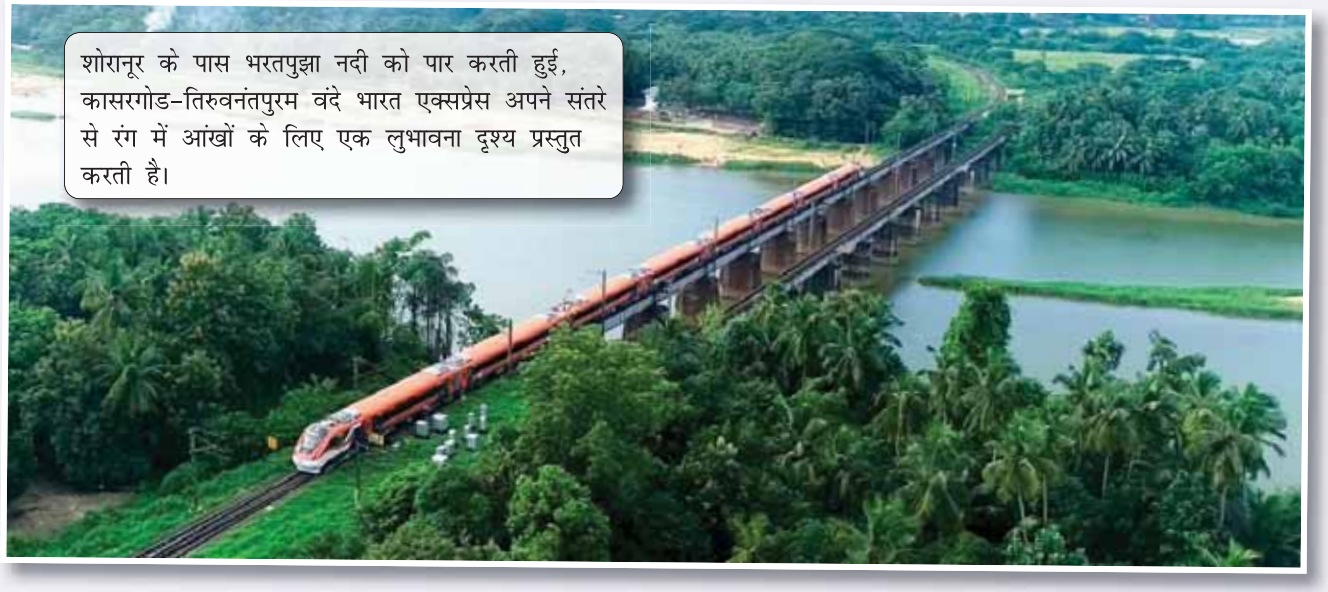
पश्चिम बंगाल में हावड़ा–खड़गपुर खंड में खिराई के पास रेल पटरियों के किनारे खिलता हुआ एक शांत बगीचा।



जब चमकता हुआ सुनहरा दिन सुखदायक शाम में ढलता है, धारवाड़-केएसआर बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस बिना थके पथ पर आगे बढ़ती है।



महाराष्ट्र के भोर घाट में पलासधारी के पास हरियाली भरे मोड़ से शान से गुजरती हुई वंदे भारत ट्रेन।



शोरानूर के पास भरतपुझा नदी को पार करती हुई, कासरगोड-तिरुवनंतपुरम वंदे भारत एक्सप्रेस अपने संतरे से रंग में आंखों के लिए एक लुभावना दृश्य प्रस्तुत करती है।

भारतीय रेल में ग्राउंड पेनेट्रेशन रडार टेक्नोलॉजी

श्री एस. के. बरनवाल
कार्यकारी निदेशक/रेलपथ मॉनिटरिंग
आरडीएसओ, लखनऊ

श्री राहुल सिंह
कार्यकारी निदेशक/रेलपथ मॉनिटरिंग
आरडीएसओ, लखनऊ

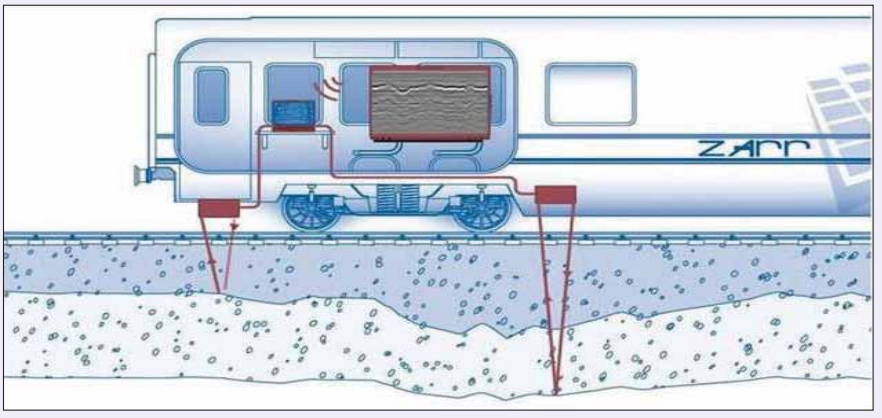
सार : बैलास्ट परत को एक गुजरने वाली ट्रेन के प्रभाव और गतिशील ऊर्जा को अवशोषित करने और एक आरामदायक यात्रा को संरक्षित करने के लिए फोरमेशन लेयर समान रूप से भार वितरित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह महत्त्वपूर्ण है कि बैलास्ट की परत छोटे कणों से मुक्त रहे। दूषित बैलास्ट सबग्रेड पर एक अस्थिर दबाव वितरण का कारण बनता है और संपत्ति के ह्रास की अनपेक्षित और अवांछित दरों को जन्म दे सकती है। भारतीय रेल पर, रेलपथ की रेलपथ स्क्रीनिंग के रूप में बैलास्ट पर ध्यान देने की आवश्यकता का आंकलन पहले 500 GMT या 10 वर्ष के व्यतीत होने के मानदंड पर आधारित था।

मेन लाइन रेलपथ की रेलपथ स्क्रीनिंग के लिए मूल्यांकन मानदंड अब उपलब्ध स्वच्छ बैलास्ट कुशन के आधार पर संशोधित किए गए हैं। वर्तमान में, उपलब्ध स्वच्छ कुशन की जाँच के लिए कोई वैज्ञानिक तरीका नहीं अपनाया जा रहा है और यह नमूने एकत्र करने के मैन्युअल तरीकों से किया जाता है जो समय लेने वाला, महंगा और अत्यधिक व्यक्तिपरक है। इस लेख में रेलपथ बैलास्ट की स्थिति का विश्लेषण करने और बैलास्ट नवीकरण के बारे में वैज्ञानिक निर्णय लेने के लिए एक स्वच्छ कुशन की उपलब्धता का आंकलन करने हेतु ग्राउंड पेनेट्रेशन रडार तकनीक को अपनाने के लाभों को सामने लाने का प्रयास किया गया है।

परिचय : ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) उपसतह और भूमिगत अन्वेषण के क्षेत्र में उपयोग की जाने वाली एक तेज और प्रभावी विद्युत चुम्बकीय सर्वेक्षण तकनीक है और राजमार्गों, पुरातत्त्व तथा अन्य क्षेत्रों में व्यापक रूप से उपयोग की जाती है। यह तकनीक उपसतही स्तर की स्थितियों का आंकलन करने के लिए रेडियो तरंगों की आवृत्ति की विद्युत चुम्बकीय तरंगों का उपयोग करती है। जीपीआर ऑपरेशन का सिद्धांत एंटीना द्वारा उपसतह में लघु विद्युत चुम्बकीय तरंगों के संचरण, परवर्ती प्रतिबिंब, बिखरने और उपसतह इंटरफेस इस परावर्तित ऊर्जा की प्राप्ति, रिकॉर्डिंग और प्रदर्शन पर आधारित है। जीपीआर परीक्षण से प्राप्त डाटा उस ऊर्जा का प्रतिनिधित्त्व करता है जो उपसतही सीमाओं से वापस रडार एंटीना पर परिलक्षित होता है।

जीपीआर के लिए दो मुख्य उपकरणों की आवश्यकता होती है-एक ट्रांसमीटर और एक रिसीविंग एंटीना। यह ट्रांसमीटर विद्युत चुम्बकीय ऊर्जा को मिट्टी और अन्य सामग्री में भेजता है। ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार जमीन में एक पल्स का उत्सर्जन करके और उपसतही वस्तुओं से उत्पन्न प्रतिध्वनियों को रिकॉर्ड करके काम करता है। जीपीआर इमेजिंग डिवाइस भूभागीय सामग्री की संरचना में भिन्नता का भी पता लगाते हैं। यदि विद्युत चुम्बकीय आवेग किसी वस्तु से टकराता है, तो वस्तु का घनत्त्व सिग्नल को दर्शाता है, अपवर्तित करता है और बिखेरता है। रिसीवर रिटर्निंग सिग्नल का पता लगाता है और उनके भीतर भिन्नता रिकॉर्ड करता है। जीपीआर सिस्टम में उपलब्ध सॉफ्टवेयर इन संकेतों को उपसतह में वस्तुओं की छवियों में अनुवादित करता है। भूभाग में या मानव निर्मित संरचनाओं में दबी संरचनाओं की उपयोगिताओं को मैप करने के लिए इसका उपयोग किया जाता है।

ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार सिग्नल का उपयोग वस्तुओं की एक विस्तृत सीमा का पता लगाने हेतु किया जा सकता है। जीपीआर का उपयोग अक्सर धातु, प्लास्टिक, पीवीसी, कंक्रीट, प्राकृतिक सामग्री आदि जैसी सामग्रियों से बनी वस्तुओं को मैप करने के लिए किया जाता है। जीपीआर का उपयोग अक्सर भूमिगत उपयोगी लाइनों



और पाइपों भू-भागीय स्तर में परिवर्तन, भूवैज्ञानिक विशेषताओं और रॉक अवरोध, एयर पॉकेट्स या रिक्त स्थान, उत्खनित और बैकफिल्ड क्षेत्र, भूजल, कॉलम का पता लगाने के लिए किया जाता है।

रेलवे में जीपीआर अनुप्रयोग : रेलवे में जीपीआर एप्लिकेशन अल्ट्रा हाई फ्रीक्वेंसी (300-3,000 मेगाहर्ट्ज, वेवलेंथ 1-0.1 मीटर) की इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों का उपयोग करता है और परतों की मोटाई का मापन, संरचना या लाइन के साथ सामग्री गुणों में परिवर्तन का पता लगाने में सक्षम बनाता है।

विस्तार के आधार पर यह विभिन्न प्रकार के दोषों का भी पता लगा सकता है जैसे बैलास्ट पॉकेट, फाउल गिट्टी, ह्रास जल निकासी, सबग्रेड निपटान और संक्रमण की समस्याएँ। यह दोष आमतौर पर रेलपथ ज्यामिति में लंबे विचलन के कारण होते हैं और इन्हें सामान्य निगरानी प्रक्रियाओं अर्थात् रेलपथ ज्यामिति के मापन द्वारा पहचाना नहीं जा सकता है। उपरोक्त कार्यक्षमता के लिए उच्च गति जीपीआर ऐंटीना का उपयोग किया जाता है और इसका उपयोग 180 किमी/घंटे की गति से रेलवे पथ का सर्वेक्षण करने के लिए किया जा रहा है। एकत्र किए गए डाटा का विश्लेषण उच्च क्षमता का अनुकूलित सॉफ्टवेयर और विशेषज्ञ भू:भौतिकीविदों द्वारा किया जाता है, ताकि अंत में बैलास्ट की स्थिति का आंकलन किया जा सके।

बैलास्ट बेड के रख-रखाव का महत्त्व

रेलपथ का एक महत्त्वपूर्ण घटक बैलास्ट है और सम्पूर्ण रेलपथ की मजबूती में अत्यधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रेलपथ बैलास्ट के महत्त्वपूर्ण कार्य निम्नलिखित हैं:-

- स्लीपरों से फॉर्मेशन के एक बड़े क्षेत्र में समान रूप से ऐक्सिल लोड को वितरित करना।
- रेलपथ को लोच प्रदान करने के लिए। यह सबग्रेड और स्लीपरों के बीच एक लोचदार चटाई के रूप में कार्य करता है।
- रेलवे स्लीपरों के लिए समतल बेड या सहारा प्रदान करना ताकि वांछित क्रॉस लेवल बना रहे।
- रेलगाड़ियों के गुजरने के दौरान स्लीपरों की पकड़ को मजबूती देने हेतु।
- स्लीपरों के लॉन्गट्यूडिनल और लेटरल मूवमेंट को रोकने के लिए।
- रेलपथ के लिए एक अच्छी जल निकासी प्रदान करने के लिए दक्षता के वांछित स्तर के साथ उपरोक्त कार्यात्मकताओं को प्राप्त करने के लिए, बैलास्ट में निम्नलिखित गुणों की आवश्यकता होती है:

अच्छी बैलास्ट की विशेषताएँ

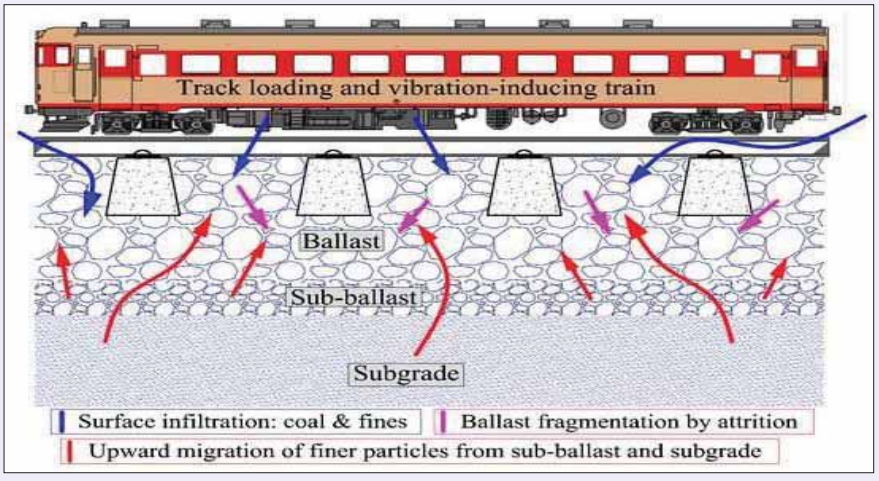
उपरोक्त की गई कार्यक्षमताओं को पूरा करने के लिए बैलास्ट में निम्नलिखित विशेषताएँ होनी चाहिए–

- दलन का प्रतिरोध करने के लिए चलती ट्रेनों के भारी भार के हिसाब से इसमें पर्याप्त ताकत होनी चाहिए।
- घर्षण और क्षरण का प्रतिरोध करने के लिए यह पर्याप्त टिकाऊ होना चाहिए।
- इसकी सतह खुरदुरी और कोणीय होनी चाहिए ताकि सोने वालों को अच्छी लेटरल और लॉन्गट्यूडिनल स्थिरता प्रदान की जा सके।
- व्हील लोड के कारण पाउडर में खंडित करने के कारण रेलपथ को धूलदार या मैला नहीं होना चाहिए।
- रेलपथ पर आसान और त्वरित जल निकासी की सुविधा होनी चाहिए।

बैलास्ट का ह्रास होना

उपयोग के दौरान, रेलपथ पर डाली गई बैलास्ट ह्रास हो जाती है और इसके आवश्यक गुणों को खो देती है जो बैलास्ट की प्रभावशीलता के लिए आवश्यक हैं, निम्नलिखित कुछ कारण हैं कि रेलपथ बैलास्ट क्यों ह्रास हो जाती है–

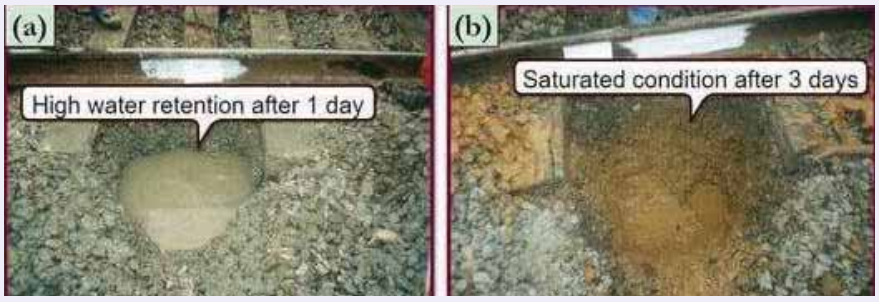
- भारी ऐक्सिल लोड के तहत, बैलास्ट तेज गति से खंडित हो जाती है और इस प्रकार बैलास्ट अपनी आवश्यक श्रेणीकरण के गुण खो देता है।
- लोड के तहत बैलास्ट की क्रशिंग के कारण महीन कणों का प्रतिशत बढ़ जाता है और इस प्रकार यह आवश्यक लोच और जल निकासी के गुणों को प्रभावित करता है क्योंकि बैलास्ट अवांछित महीनता की उपस्थिति के कारण चोक हो जाती है।
- भारी वर्षा वाले क्षेत्रों और अजीबोगरीब भौगोलिक क्षेत्रों जैसे सुरंगों आदि में बारिश का पानी जब रेलपथ बैलास्ट के ऊपर बहता है तो बैलास्ट पर इसके द्वारा गाद और महीन कण जमा हो जाते हैं, जिससे महीन कणों की सघनता में वृद्धि होती है।
- जिन क्षेत्रों में मालगाड़ियाँ लौह अयस्क और कोयले जैसी वस्तुओं को ले जा रही हैं, गोबर आदि के कारण बैलास्ट की महीनता की मात्रा बढ़ जाती है और इस प्रकार यह बैलास्ट के गुणों को काफी कम कर देती है।
- बैलास्ट को फॉर्मेशन के सबग्रेड में



पंचर करने से भी बैलास्ट दोषपूर्ण हो जाती है।

बैलास्ट के ह्रास होने का प्रभाव

बैलास्ट के ह्रास होने के कारण रेलपथ की संरचना और रेलपथ के रख-रखाव पर कुछ प्रमुख प्रभाव निम्नलिखित हैं–



- जल निकासी–बैलास्ट के ह्रास होने के कारण बहुत छोटे कणों के प्रतिशत में वृद्धि के साथ बैलास्ट की जल निकासी बाधित हो जाती है और रेलपथ में पानी रुक जाता है और जल भराव के कारण बैलास्ट का ह्रास होना और बढ़ जाता है साथ ही जल भराव घर्षण को बदल देता है। बैलास्ट कणों के बीच कार्य करने वाले घर्षण बल परिवर्तित होने के कारण लोड ट्रांसफर वांछित नहीं है।

उपरोक्त आंकड़े में (ए) बैलास्ट है जो तुलनात्मक रूप से (बी) की तुलना में कम ह्रास है कि वर्षा की इसी तरह की स्थिति में (बी) और हम स्पष्ट रूप से देख सकते हैं जल भराव (ए) से कहीं अधिक है।

- बैलास्ट के ह्रास होने के कारण बहुत छोटे कणों के प्रतिशत में वृद्धि के कारण रेलपथ के वांछित लोचदार गुणों को प्राप्त नहीं किया जा सकता है और रेल स्लीपर और फिटिंग जैसी अन्य संपत्तियों के रेलपथ के अनुचित व्यवहार के कारण कम हो जाता है।
- बैलास्ट के ह्रास होने में वृद्धि के कारण, रख-रखाव के आदानों की आवश्यकता अधिक हो जाती है क्योंकि बैलास्ट की पैकिंग का भराव गंभीर रूप से प्रभावित होता है।

बैलास्ट फाउलिंग सूचकांक

रेलपथ पर जीपीआर तकनीक का उपयोग कैसे किया जा सकता है और भारतीय रेल के लिए इसके लाभों पर चर्चा करने से पहले, यह महत्त्वपूर्ण है कि हम बैलास्ट फाउलिंग और बैलास्ट फाउलिंग इंडेक्स की अवधारणा को समझें। बैलास्ट फाउलिंग को महीन आकार के अनुचित संदूषकों की उपस्थिति के रूप में परिभाषित किया जाता है जो बैलास्ट के बीच की खाली जगह को भर देते हैं और बैलास्ट के आवश्यक गुणों जैसे जल निकासी, क्षमता, लचीलापन और लोच आदि को कम कर देते हैं।

बैलास्ट फाउलिंग इंडेक्स (बीएफआई) गणितीय रूप से बैलास्ट के फाउलिंग की सीमा का प्रतिनिधित्व करने के सूत्र हैं। विभिन्न रेलों पर विभिन्न फॉर्मूले इस्तेमाल किए जा रहे हैं। बीएफआई का होना जरूरी है क्योंकि यह गणितीय सीमा तय करने में मदद करता है तथा जिसके आधार पर बैलास्ट पर ध्यान देने का निर्णय लिया जा सकता है। जीपीआर-व्युत्पन्न फाउलिंग सूचकांक बैलास्ट परत के भीतर सिग्नल बिखरने के स्तर के माप पर आधारित है और बैलास्ट परत से स्वतंत्र है। बैलास्ट फाउलिंग की मात्रा निर्धारित करने के लिए कई अलग-अलग सूत्र प्रस्तावित किए गए हैं और कुछ का उपयोग विभिन्न रेलों में किया जा रहा है–

सेलिग और वाटर्स द्वारा विकसित सेलिग का फाउलिंग इंडेक्स (FI) विकसित किया गया, जिसे तभी से अमेरिका में बड़े पैमाने पर अपनाया गया है। FI=P4%+P200%, जहाँ P4% 4.75 मि.मी. (नंबर 4) छलनी की तुलना में महीन नमूना बैलास्ट सामग्री के द्रव्यमान का प्रतिशत है, और P200% 0.075 मि.मी. (संख्या 200) की तुलना में द्रव्यमान का प्रतिशत है। रेलपथ बैलास्ट की स्थिति की पहचान करने के लिए निम्नलिखित दिशानिर्देशों का उपयोग किया जाता है–

श्रेणी	F1 (फाउलिंग सूचकांक)
स्वच्छ	<1
मध्यम रूप से साफ	1 से <10
मध्यम रूप से दूषित	10 से <20
अशुद्ध	20 से <40
अत्यधिक दूषित	>=40

फाउलिंग इंडेक्स के लिए ऑस्ट्रेलियाई रेलवे का फॉर्मूला: फाउलिंग इंडेक्स F1P के लिए सूत्र को F1P = P0.075 + P13.2 के रूप में परिभाषित किया गया है, जहां, P0.075 = 0.075 मि.मी. छलनी से गुजरने का प्रतिशत P13.2 = 13.2 मि.मी. छलनी से गुजरने का प्रतिशत रेलपथ बैलास्ट की स्थिति की पहचान करने के लिए निम्नलिखित दिशानिर्देशों का उपयोग किया जाता है।

श्रेणी	F1 (फाउलिंग सूचकांक)
स्वच्छ	<2
मध्यम रूप से साफ	2 से <10
मध्यम रूप से दूषित	10 से <20
अशुद्ध	20 से <40
अत्यधिक दूषित	>= 40

फाउलिंग इंडेक्स के लिए दक्षिण अफ्रीकी रेलवे का फॉर्मूला : यह सूचकांक बैलास्ट फाउलिंग का आंकलन करने के लिए छलनी की एक बड़ी विविधता को ध्यान में रखता है और 80% पर सफाई मानदंड निर्धारित करता है। FI=[0.1P0.15]+[0.2P1.18]+[0.3P6.7]+[0. 4P19], जहाँ P0.15=(0.15 मि.मी. छलनी की तुलना में महीन सामग्री के द्रव्यमान द्वारा%) ×100 27, P1.18 = (1.18 मि.मी. छलनी की तुलना में महीन सामग्री के द्रव्यमान द्वारा%) × 100 11.5, P6.7 = (6.7 मि.मी. छलनी की तुलना में महीन सामग्री के द्रव्यमान द्वारा%) × 100 18, P19 = (% सामग्री के द्रव्यमान द्वारा) 19 मि.मी. छलनी की तुलना में महीन) × 100 27.

वॉल्यूमेट्रिक फाउलिंग इंडेक्स : एक वॉल्यूमेट्रिक फाउलिंग इंडेक्स (VFI) इब्राहिमी एट अल द्वारा स्थापित किया गया था। विभिन्न फाउलिंग एजेंटों के अधीन रोड़े में संदूषकों की वास्तविक मात्रा का मूल्यांकन करने के लिए–

VFI को VFI = FI × GrsGfs के रूप में व्यक्त किया जाता है, जहाँ FI समीकरण सेलिग के फाउलिंग इंडेक्स में व्यक्त फाउलिंग इंडेक्स है, = 2.6 संदर्भ बैलास्ट सामग्री (लगभग = 2.6) का विशिष्ट गुरुत्त्व मान है, और Gfs का विशिष्ट गुरुत्त्व मान है। वर्तमान फाउलिंग एजेंट। जीपीआर तकनीक का उपयोग अब बैलास्ट फाउलिंग (महीन कणों के अवांछित प्रतिशत की उपस्थिति) और स्वच्छ बैलास्ट की गहराई के लिए बैलास्ट की स्थिति का आंकलन करने के लिए भी किया जा रहा है।

भारतीय रेलपथ के जीपीआर के लाभ

ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) के साथ बैलास्ट वाले रेलपथ बेड की निगरानी समय पर और लागत प्रभावी रख-रखाव हस्तक्षेपों पर निर्णय लेने की अनुमति देगी। बैलास्ट फाउलिंग और फॉर्मेशन फेलियर सहित रेलपथ-बेड की स्थिति के लिए अपवाद रिपोर्ट तैयार करने से रेलपथ बेड की समस्या की सटीक प्राथमिकता तय होगी और आवश्यक उपचारात्मक कार्यों की सीमा का निर्धारण होगा–

- बैलास्ट की सफाई और टैंपिंग मशीनों की तैनाती जहाँ उनकी सबसे ज्यादा जरूरत है,
- स्थिति-आधारित योजना के माध्यम से बैलास्ट के जीवन के दौरान हस्तक्षेपों की संख्या में कमी।

भारतीय रेल पर जीपीआर की योजना

भारतीय रेल में रेलपथ रिकॉर्डिंग कारों में से एक में सिस्टम स्थापित करने की योजना है। जीपीआर सर्वे से बैलास्ट (फाउलिंग स्तर) की स्थिति का पता चलेगा और उसके बाद बैलास्ट की वास्तविक स्थिति के आधार पर बैलास्ट की गहन स्क्रीनिंग की योजना बनाई जाएगी। यह बैलास्ट क्लीनिंग मशीन (बीसीएम) की तैनाती के लिए एक वैज्ञानिक और तर्कसंगत दृष्टिकोण होगा और इससे रेलपथ गहन स्क्रीनिंग की आवश्यकता में काफी कमी आने की संभावना है। इससे बैलास्ट की रेलपथ स्क्रीनिंग के सम्बन्ध में रेलपथ रख-रखाव की एक पूर्वानुमानित प्रणाली भी बन जाएगी। इसके अलावा, बैलास्ट स्तर से नीचे की समस्याओं की एक स्पष्ट स्कैनिंग भी गठन की समस्याओं के स्थानों में उपलब्ध होगी, जो उचित गठन उपचार समाधान के निर्णय में मदद करेगी। वांछित परिणाम संयोजन में दो प्रकार के जीपीआर ऐंटीना को तैनात करके प्राप्त किया जाएगा। बैलास्ट फाउलिंग के मुद्दों को सम्बोधित करने के लिए 2GHz की सीमा में उच्च आवृत्ति कम तरंग दैर्ध्य ऐंटीना और गठन सम्बन्धी मुद्दों का आंकलन करने के लिए 700 मेगाहर्ट्ज की सीमा में कम आवृत्ति उच्च तरंग दैर्ध्य ऐंटीना।

जीपीआर और रेलपथ ज्यामिति

रेलपथ ज्यामिति डाटा के साथ जीपीआर व्युत्पन्न सूचकांकों का संयोजन उन रेलपथ ज्यामितीय दोषों की पहचान करने का एक कुशल साधन भी प्रदान करेगा जो एक अंतर्निहित रेलपथ की समस्या से जुड़े हैं और उस समस्या की सीमा को निर्धारित करने में मदद करते हैं। यह मध्यम या ह्रास रेलपथ बेड अखंडता के क्षेत्रों को भी उजागर कर सकता है जो अभी तक रेलपथ ज्यामिति दोष के रूप में प्रकट नहीं हो सकते हैं। जीपीआर और रेलपथ ज्यामिति सहित बहु-सेंसर सर्वेक्षण प्लेटफॉर्मों से डेटा, जब उपयुक्त रख-रखाव को प्राथमिकता देने और योजना बनाने के लिए एक सम्पूर्ण रणनीति के हिस्से के रूप में एकीकृत किया जाता है, तो अद्वितीय स्थिति-आधारित जानकारी और महत्त्वपूर्ण लागत बचत प्रदान करेगा। इस प्रकार जीपीआर के साथ रेलपथ ज्यामिति माप का संयोजन अद्वितीय स्थिति प्रदान करता है।

एक सम्पूर्ण और लागत प्रभावी रेलपथ बेड प्रबंधन रणनीति की योजना बनाने के लिए आधारित जानकारी

भारतीय रेल लगभग सभी महत्त्वपूर्ण मार्गों को कवर करने के लिए सेवा अनुबंध के माध्यम से इस तकनीक को शुरू करने की प्रक्रिया में है, जो लगभग 50,000 किमी है। उक्त कार्य में जो सेवा अनुबंध



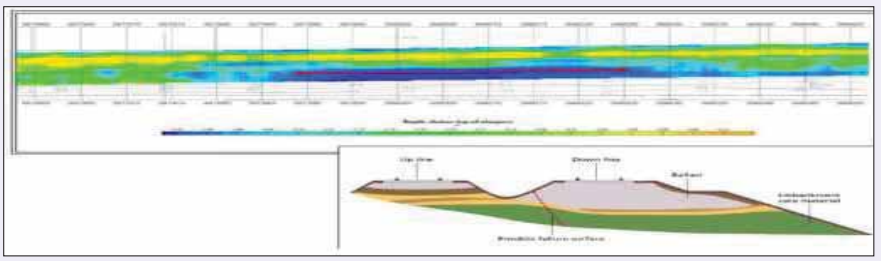
रेलवे वाहनों पर संलग्न जीपीआर ऐंटीना दिखाते चित्र

के तहत किया जाना है, विशेष भारतीय रेल के लिए बैलास्ट फाउलिंग इंडेक्स फॉर्मूला भी विकसित करेंगे। इस प्रकार भारतीय रेल पर जीपीआर तकनीक का उपयोग करने से बैलास्ट की सफाई को प्राथमिकता देने के लिए हमारे पास एक वैज्ञानिक तर्क होगा।

गठन से सम्बन्धित मुद्दों का विवरण देने वाली रिपोर्ट का नमूना दिखाने वाला चित्र

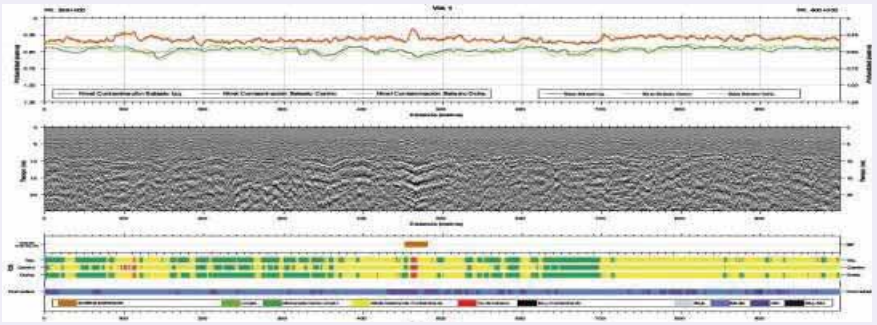
पूर्व निर्धारित सीमाओं के अनुसार विस्तृत बीएफआई मूल्यों को प्रदर्शित करते हुए 10 किमी के विस्तार की नमूना रिपोर्ट

टीआरसी माउंटेड जीपीआर सर्वे की तुलना



फार्मेशन से सम्बन्धित मुद्दों की विस्तृत विवरण देती रिपोर्ट का नमूना

में जीपीआर पर आईआर का पिछला अनुभव, इससे पहले सबसर्फेस इंटरफेस रडार सिस्टम आरडीएसओ द्वारा 1999 में यूएसए से खरीदा गया था। यह एक पुश ट्रॉली माउंटेड सिस्टम था-भारी और भारी, संभालने में मुश्किल, बहुत कम गति सर्वेक्षण और सीमित प्रयोज्यता, रिपोर्ट तैयार करने के लिए बिना किसी विश्लेषण सॉफ्टवेयर के केवल मॉनिटर पर प्रदर्शित होती है। प्रणाली ने सीमित उपयोगी परिणाम प्रदान किए क्योंकि सर्वेक्षण के परिणाम की व्याख्या करने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता आरडीएसओ के पास उपलब्ध नहीं थी। बैलास्ट की प्रदर्शित छवियां बहुत स्पष्ट नहीं थीं क्योंकि उपयोग की गई आवृत्ति अपर्याप्त थी (वर्तमान में बैलास्ट के जीपीआर सर्वेक्षण के लिए उपयोग की जा रही 2 गीगाहट्र्ज की अस्थायी आवृत्ति की तुलना में 1,000 मेगाहट्र्ज)। उन्नत मॉडलिंग तकनीकों की आवश्यकता थी ताकि जटिल जीपीआर डाटा को संभावित उपसतही गुणों को परिभाषित करके व्याख्या की जा सके जो सिग्नल के कारण होता है जो उस समय प्रौद्योगिकी की सीमा के कारण संभव नहीं था।



10 किमी क्षेत्र की नमूना रिपोर्ट जो पूर्व निर्धारित रेंज की बीएफआई वैल्यू दर्शाती है

वर्तमान प्रणाली एक उन्नत संस्करण है जो डाटा की व्याख्या करने के लिए सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन के साथ उच्च गति पर डाटा रिकॉर्ड करने में सक्षम हार्डवेयर का उपयोग करता है जो पहले विशेषज्ञों द्वारा किया गया था। उच्च गति पर रिकॉर्डिंग उच्चतर आउटपुट (3,000-4,000) किमी प्रति माह सॉफ्टवेयर की विश्लेषण की क्षमता तथा प्रयोगनात्मक रिपोर्ट तैयार करने हेतु जीपीआर डाटा की व्याख्या करने के लिए भू-भौतिकीविदों की भागीदारी सहित वर्तमान प्रणाली को व्हीकल (टीआरसी) माउनटेड के रूप में भारतीय रेल में शामिल करने की योजना है।

टीआरसी माउंटेड जीपीआर सर्वे की लागत प्रभावशीलता : बैलास्ट फाउलिंग के लिए सर्वेक्षण की यह प्रणाली बैलास्ट सफाई की आवश्यकता का आंकलन करने की एक वैज्ञानिक पद्धति होने के अलावा भी एक बहुत ही लागत प्रभावी विधि है क्योंकि बैलास्ट बैड के सर्वेक्षण की औसत लागत लगभग ₹6,500/-प्रति किमी होगी। बैलास्ट की सफाई की औसत लागत ₹25-30 लाख प्रति किमी है। इसलिए सर्वेक्षण की लागत बैलास्ट सफाई की लागत का लगभग 0.2%-0.3% ही है। इसके अलावा भारतीय रेल में जीपीआर प्रणाली अपनाए जाने पर बैलास्ट की सफाई की आवश्यकता वाले किमी की कुल संख्या में कमी की काफी संभावना है।

निष्कर्ष : रेल यातायात में वृद्धि और नियमित निरीक्षण एवं रख-रखाव हेतु अधिग्रहित रेलपथ (यातायात ब्लॉक) की लागत में वृद्धि रख-रखाव योजना प्रतिमान में बदलाव की आवश्यकता है। बैलास्ट की सफाई को प्राथमिकता देने के लिए निर्णय लेने के लिए जीपीआर प्रौद्योगिकी को शामिल करना इस विषय पर अधिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। जीपीआर सर्वेक्षण के पहले दौर के बाद इस तकनीक को नियमित आधार पर अपनाया जा सकता है और डाटा के कई सेटों के आवेदन के साथ भविष्य में रख-रखाव की अनुमानित योजना भी बनाई जा सकती है।

संदर्भ और स्वीकृतियां

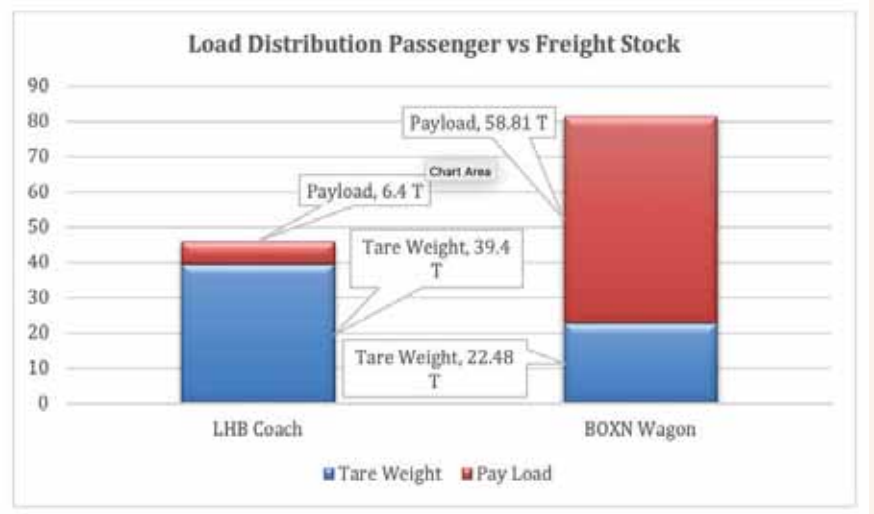
- असगर एरिक्सन, जॉन गैसकोएन, एवं रॉन फ्रेजर द्वारा 'ट्रैकबेड के निरीक्षण के लिए एक समग्र रणनीति के भाग के रूप में ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार'।
- सिमोना फोंटुल, एडुआर्डो फोर्टुनाटो, फ्रांसेस्का डी चियारा, रुई बुरिन्हा और मार्को बलदेइरास द्वारा 'ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार का उपयोग करके रेलवे ट्रैक विशेषता'।
- थिओडोर आर. सुस्मान जेआर द्वारा शोध प्रबंध 'रेलवे ट्रैक सबस्ट्रक्चर अनुरक्षण प्रबंधन के लिए ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार का अनुप्रयोग'।
- केवुनरुएन, एस.; रेमेनिकोव, जे. अवसंरचना अभियांत्रिकी 2010, 'रेलवे ट्रैक सिस्टम में प्रीस्ट्रेस्ड कंक्रीट स्लीपरों में ए.एम. डाइनेमिक क्रैक प्रोपेगेशन सिवियर इम्पैक्ट लोड के अधीन'।
- ट्रांसप. रेस. रेक. जे. सुस्मान, टी.आर.; रूएल, एम.; क्रिसमर, एस.एम.ट्रांसप. रेस. बोर्ड 2012 'कंडीशन असेसमेंट क्राइटेरिया के लिए बैलास्ट फाउलिंग और इंफ्लुएंस कंसिडिरेशन का स्रोत'।

भारतीय रेल
पत्रिका की सदस्यता एवं प्राप्ति हेतु
संपर्क करें 011-47845089
सोमवार से शुक्रवार (सुबह 10 से 1 एवं दोपहर 2 से 5 बजे तक) bmpr310rb@gmail.com, irbrhelp@gmail.com

वैगन्स में लोड वितरण का महत्त्व

श्री प्रशान्त कुमार सिंह
सहायक मंडल यांत्रिक अभियंता
हुब्बल्लि मंडल/दक्षिण पश्चिम रेलवे

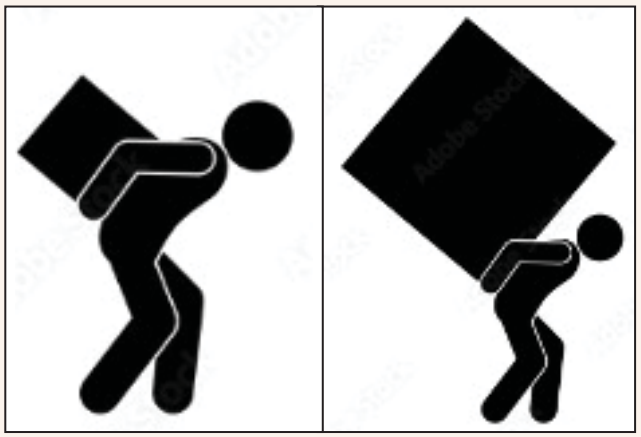
फ्रेट ट्रेन्स में लोड वितरण को बहुत अधिक महत्त्व दिया जाता है, लेकिन पैसेंजर ट्रेन्स में ऐसा नहीं है। अक्सर इस बात पर जोर दिया जाता है कि वैगन में लोडिंग के लिए लोडिंग पैटर्न ड्राइंग्स का सख्ती से अनुसरण किया जाए, लेकिन ऐसा पैसेंजर कोचेस के लिए नहीं है। चलिए जानते हैं कि फ्रेट स्टॉक में लोड वितरण क्यों महत्त्वपूर्ण है, लेकिन पैसेंजर कोचेस के लिए इतना नहीं। असममित लोड वितरण के कारण हुए डीरेल्मेंट्स की संख्या इसके प्रभाव को भली-भाँति व्यक्त करती है।



चित्र नं. 1

जैसा कि चित्र नं. 1 में देखा जा सकता है, पैसेंजर कोच में 6.4 टन के पेलोड को 39.4 टन टेयर वजन (कोच का आत्म-वजन) पर बोझित किया जाता है। वहीं, एक फ्रेट वैगन में, 22.5 टन के टेयर वजन वैगन का वजन पर 58.8 टन का पेलोड बोझित किया जाता है।

पैसेंजर कोचों में पेलोड कभी भी आत्म-वजन पर हावी नहीं हो पाता, लेकिन वैगन के मामले में, पेलोड हमेशा आत्म-वजन पर हावी होता है। चित्र नं. 2 को अगर एक पैसेंजर कोच और वैगन से तुलनात्मक ढंग से देखें तो यह अनुमान लगाना सरल है कि फ्रेट वैगन विकर्षण के प्रति अधिक प्रवृत्त होगा जब उसे विक्षुब्ध करने वाले बलों का सामना करना पड़े।



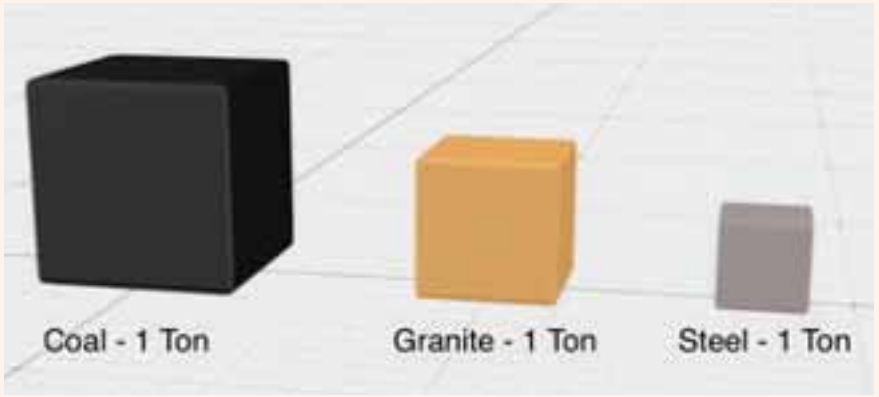
पैसेंजर कोच *चित्र नं. 4* *फ्रेट वैगन*

इस समस्या का एक सरल समाधान यह है कि पेलोड को कम कर दिया जाए। लेकिन फ्रेट वैगन्स भारी बोझ लेकर चलने हेतु डिज़ाइन किए जाते हैं। पेलोड को कम करने का यह मतलब होगा कि भारतीय रेल की यातायात क्षमता और कमाई में कमी होगी। इसलिए, बेहतर और स्वीकृत समाधान यह है कि समान और सममित लोड वितरण सुनिश्चित करते हुए वैगन को स्थिर किया जाए। समान और सममित लोड वितरण से सभी पहियों पर समान बोझ होगा और अस्थिरता के अवसर न्यूनतम हो जाएंगे।

लोड वितरण की गंभीरता फ्रेट स्टॉक में भरे गए विभिन्न सामग्रियों में भिन्न होती है। तुलना के लिए, तीन वस्तुएं मानी जा सकती हैं : कोयला, ग्रेनाइट, और स्टील कॉइल्स। चित्र नं. 3 में दिखाया गया है कि ये तीनों वस्तुएँ एक दूसरे की तुलना में कितना आयतन घेरती हैं।

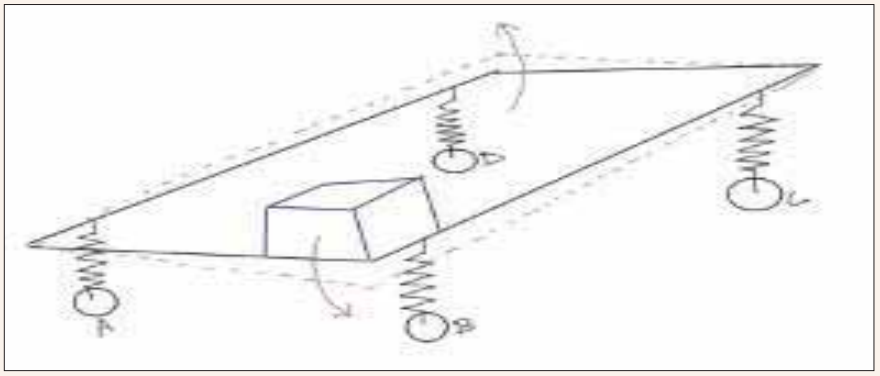
इस समय, एक और अवधारणा चित्र में आती है, जिसे लोड संघटन कहा जाता है। उच्च लोड संघटन का यह मतलब है कि एक छोटे क्षेत्र पर अधिक लोड वितरित होगा। जैसा कि ऊपर की प्रतिष्ठान में दिखाया गया है, स्टील की उच्चतम लोड संघटन होती है क्योंकि यह तीनों में समान भार के लिए न्यूनतम स्थान आवर्जित करता है। इसलिए, अगर यह सममित रूप से नहीं रखा गया, तो स्टील द्वारा उत्पन्न असंतुलन की मात्रा सबसे अधिक होगी। इसलिए, स्टील लोडिंग के मामले में लोड वितरण बहुत महत्त्वपूर्ण हो जाता है, जबकि कोयला इत्यादि में असममित लोड वितरण का प्रभाव कम गंभीर है।

तो, अब हमें यह स्पष्ट है कि लोड वितरण वैगन की स्थिरता में महत्त्वपूर्ण



चित्र नं. 3

भूमिका निभाता है और कि तीन सामग्रियों में असंतुलन पैदा करने में स्टील का अधिक प्रभाव है। आइए आगे बढ़ें और देखें कि इसका वैगन पर क्या प्रभाव होता है और यह कैसे डीरेल्मेंट की ओर ले जा



चित्र नं. 4

सकता है। चित्र नं. 4 एक सरल मॉडल है जो वैगन की असममित लोड वितरण के प्रभाव को दिखाता है।

मान लें कि एक स्टील की वस्तु को वैगन के फर्श के कोने में रखा गया है (कोना B)। इससे व्हील B के ऊपर अधिक भार आएगा और इसी समय व्हील D के ऊपर भार कम हो जाएगा। व्हील D के ऊपर भार कम होने के कारण रेल व्हील संपर्क को बनाए रखने वाला नीचा बल कम हो जाएगा। कर्व्ज या प्वाइंट्स एंड क्रॉसिंग्स के मामले में, व्हील को रेल के ऊपर माउंट होने की अधिक संभावना होगी, जिससे डेरेलमेंट हो सकता है। इस समय, यदि हम एक कर्व पर चरण करते समय वैगन द्वारा महसूस की जाने वाली सेंट्रिफ्युगल बल को ध्यान में रखते हैं, तो समस्या और बढ़ जाती है, जिससे ऑफलोडिंग की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

संक्षेप में, लोडिंग के लिए आदर्श स्थिति यह है कि लोड के संयुक्त केंद्र मान वैगन के केंद्र मान के साथ सममित्र रूप से मेल खाए, यानी दीर्घक और चौड़ाई दोनों में। क्योंकि वास्तविकता में आदर्श नियमों का पालन नहीं होता, इसलिए यह बहुत आवश्यक है कि सभी लोड के संयुक्त केंद्र मान को वैगन के केंद्र मान के जितना हो सके उतना करीब रखा जाए। वैगन के केंद्र मान की पहचान करना बहुत सरल है। लगभग सभी सममित्र डिज़ाइन किए गए वस्तुओं में, केंद्र मान सामान्यत: वस्तु के रूप का ज्यामितीय केंद्र होता है और सभी वैगन चौड़ाई और लंबाई दोनों से सममित्र रूप से डिज़ाइन किए जाते हैं। जितना अधिक लोड केंद्र वैगन के केंद्र के पास होगा, व्यवस्था उतनी ही स्थिर होगी। जितना लोड केंद्र वैगन के केंद्र से दूर होता जाता है, व्यवस्था अस्थिरता की ओर बढ़ती जाती है।

अब, सवाल उठता है : कितनी परिस्थिति अनुमत है और कौन-कौन से मापदंडों का अनुसरण करना चाहिए? एक ही मापदंड की ओर सीधा जाना बहुत मुश्किल है क्योंकि इसमें कई कारकों का योगदान होता है : ट्रेन की गति, पथ का कैंट, पथ की कुर्वता, भार, भार का प्रकार, वैगन का डिज़ाइन, रेल व्हील इंटरऐक्शन, वैगन का ससपेन्शन सिस्टम इत्यादि।

दुनिया के विभिन्न हिस्सों में समरूप और सममित्र लोड वितरण सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित किए गए मानक हैं। कुछ मानकों में शामिल हैं:

अंतरराष्ट्रीय रेलवे संघ (UIC) के अनुसार

प्रत्येक बोगी पर भार का अनुपात 3:1 से कम होना चाहिए और दिए गए एक्सल के पहियों के बीच भार (बाएं/दाएं) का अनुपात 1.25:1 से कम होना चाहिए।

अमेरिकन रेलवे संघ (AAR) के अनुसार

लंबवत, भार के केंद्र को बोगी के प्रत्येक केंद्र से कुछ दूरी पर रखा जाना चाहिए, जो भार और भार की सीमा के बीच अनुपात पर निर्भर करता है। चौड़ाई में, भार को इस तरह रखना चाहिए कि दोनों तरफ समान वजन हो।

चीनी रेलवे (CR) के अनुसार

सामग्री के केंद्र भार और वैगन के ज्यामितीय केंद्र के बीच आंतरिक दूरी 100 मिमी के भीतर होनी चाहिए। बोगी के बीच भार का अंतर 10 टन से अधिक नहीं होना चाहिए और किसी भी बोगी पर सामग्री का भार वैगन की भार क्षमता के आधे से अधिक नहीं होना चाहिए।

जैसा कि आपने देखा, इन दिशानिर्देशों में कोई सटीक मानक उल्लेख नहीं हैं। मानकों में जो भी मापदंडों का उल्लेख है, उसे पूर्ण नहीं समझा जा सकता और वह कई कारकों पर निर्भर करते हैं। लेकिन ये सभी दिशानिर्देश मुख्यत: एक ही ओर जातें हैं: ऑफ्सेट को यथासंभव कम करें, और लोडिंग को यथासंभव सममित्र और समान बनाए रखना चाहिए।

भारतीय रेल और डाक टिकट

श्री रमेश कुमार मीना
यांत्रिक शाखा, प्रधान कार्यालय,
उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर

किसी भी देश का डाक टिकट, उस देश के राष्ट्रीय गौरव और उसके महत्त्व के विषय को चित्रमय बहुरंगी रूप से दर्शाता है। यह देश की संप्रभुता की अभिव्यक्ति भी है। डाक टिकट राष्ट्रीय धरोहरों और विभिन्न ऐतिहासिक घटनाओं को स्मरण करने तथा उनसे सम्बन्धित जानकारी साधारण जन तक पहुँचाने का माध्यम है। रेल राष्ट्र की सेवा के लिए हमेशा अग्रिम रूप से तैयार रही है। इसका देश के आर्थिक विकास में अविस्मरणीय योगदान हैं। रेल की विभिन्न विरासतों, संस्थानों पर डाक विभाग द्वारा समय-समय पर, विभिन्न डाक टिकट जारी किए गए, जिनकी संक्षिप्त सचित्र जानकारी निम्नलिखित है :-

1. आजादी से पूर्व, दिनांक 23 अगस्त, 1937 को, ब्रिटिश शासन में डाक ट्रांसपोर्ट श्रृंखला पर कुल 8 डाक टिकट जारी किए थे, जिनमें से चार-आने मूल्य का किंग जॉर्ज-VI और ईस्ट इंडिया रेल के स्टीम लोकोमोटिव के चित्रों सहित भारत में रेल पर (RMS Post) पहला डाक टिकट भूरे रंग में जारी किया गया था।



2. आजादी के बाद, दिनांक 16 मार्च, 1953 को भारतीय रेल की प्रगति के सौ (शताब्दी) वर्ष होने पर दो आने का रेल पर पहला डाक टिकट काले रंग में जारी किया गया था, जिस पर 1853 के 2-2-2T एक्सप्रेस इंजन (GIP/1-MG) संख्या-324 और 1953 के WP/1-BG भाप इंजन के चित्र अंकित थे।



3. दिनांक 1 अक्टूबर, 1954 को भारतीय डाक के सौ (शताब्दी) वर्ष होने पर, विभिन्न डाक परिवहन वाहक (Cycle, Train, ShipAnd Plane) के चित्रों सहित संतरी-धूसर (Orange-brown) रंग चार आने का स्मृति डाक टिकट जारी किया गया था, जिसमें भारतीय रेल WP-1-BG के स्टीम लोकोमोटिव को भी डाक परिवहन वाहक (Mail Transport 1954) के रूप में प्रमुखता से दर्शाया गया था।



4. चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स में यानि उत्पादन की शुरुआत 26 जनवरी, 1950 गणतंत्र दिवस के दिन से हुई। 1950-1972 की अवधि में यहाँ 2351 स्टीम लोकोमोटिव, 1967-1993 तक 842 डीज़ल लोकोमोटिव, 1961 से 31 मार्च, 2021 तक कुल 7575 इंजनों का उत्पादन किया गया। यहाँ CLW एसी ट्रेक्शन मोटर्स, स्विच गियर्स/कंट्रोल गियर्स, बोगी कास्ट और फेब्रिकेटेड, व्हील सेट और स्टील कास्टिंग का भी निर्माण होता है और यह संस्थान दुनिया के बड़े विद्युत लोकोमोटिव निर्माता में गिना जाता है। इस प्रकार भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में इस कारखाने का अमूल्य योगदान रहा है। भारतीय रेल के इस गौरवशाली संस्थान पर दिनांक 26 जनवरी, 1955 को आठ आने मूल्य का नीले रंग में 2nd Definitive Series में डाक टिकट जारी किया गया। इस स्टैम्प में 2-8-2 श्रेणी के WG स्टीम लोकोमोटिव को दर्शाया गया था।



5. चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स में विद्युत लोकोमोटिव का निर्माण 1961 में शुरू हुआ। लोकमान्य नाम का पहला 1500V DC WCM-5 लोकोमोटिव 14 अक्टूबर, 1961 को पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा चालू किया गया था। इस पहले कल्याण शेड के WCM-5 लोकोमोटिव पर दिनांक 01 जुलाई, 1966 को 10 पैसे नीले रंग में 4जी Definitive Series में डाक टिकट जारी किया गया। दिनांक 2 अक्टूबर, 1968 को 10 पैसे का नीले रंग में 4जी Definitive Series में एक विशेष ओवरप्रिंटेड डाक टिकट संस्करण जारी किया गया।



6. अंतरराष्ट्रीय रेल संघ पर स्मारक डाक टिकट : यूआईसी की स्थापना 1922 में की गई थी, जिसका उद्देश्य रेल के उपयोग में आने वाले उपकरण और प्रचालन प्रणाली का मानकीकरण और सुधार करना था। भारतीय रेल का 1957 से यूआईसी सम्बन्ध हुआ। UIC की स्वर्ण जयंती पर 1972 में रेल के ज्ञान के आदान प्रदान विषय पर भारतीय रेल बोर्ड की अध्यक्षता में एक विचार संगोष्ठी आयोजित की गई थी। इस अवसर पर दिनांक 30 जून, 1972 को 20 पैसे का पीला, लाल, नीला और काले रंग का डाक टिकट जारी किया गया, जिसमें रेल यार्ड में पटरी का डिज़ाइन दिखाया गया कंट्रोल ऑफिस और विद्युत संचालन के लिए तार (Signal Box Panel) बिछे हुए हैं।



7. दिनांक 15 मई, 1976 को रेल इंजनों पर चार विशेष डाक टिकटों की सचित्र श्रृंखला जारी की गई, जिनका ब्यौरा इस प्रकार है :-

(a) GIP-1:-16 अप्रैल 1853 शनिवार को 03.35 बजे, ग्रेट इंडियन पेनिन्स्युलर रेल की पहली रेल (छोटी लाइन), बंबई और ठाणे के बीच चली थी। इस ट्रेन (steam Locomotive Vulcan Foundry इंग्लैंड) को, तीन GIP-1 लोकोमोटिव्स ने खींचा था और इन लोकोमोटिव के नाम सुल्तान, सिंध और साहिब थे इस ऐतिहासिक इंजन पर सचित्र 2 रुपए का बहुरंगी डाक टिकट जारी किया गया।



(b) F/1:-इस छोटी लाइन के इंजन का निर्माण 1875 में DubsAnd company Glasgow ने किया था, इसका वजन 19 टन था। 1895 से अजमेर रेल कारखाने में भी इसका उत्पादन होता था और 1958 के बाद इस इंजन को रेल सेवा से हटा लिया गया था। इस इंजन का इस्तेमाल पुरानी राजपूताना मालवा रेल पर होता था। इस ऐतिहासिक इंजन पर सचित्र 50 पैसे वाला बहुरंगी डाक टिकट जारी किया गया।



(c) WP/1:-बड़ी लाइन एक्सप्रेस रेल इंजन WP क्लास 4-6-2 Pacific टाइप का था। इसका निर्माण 1947 में यूएसए में शुरू हुआ था, 1963 से भारत के चितरंजन लोकोमोटिव वर्कशॉप में भी बनना शुरू हुआ था। इस एतिहासिक इंजन पर सचित्र 100 पैसे वाला बहुरंगी डाक टिकट जारी किया गया।



(d) WDM2 Diesel:-बड़ी लाइन एक्सप्रेस रेल इंजन 2,600 एचपी का 113 टन वजन वाला था। भारत के वाराणसी डीज़ल लोकोमोटिव वर्कशॉप में बनना शुरू हुआ था। इस ऐतिहासिक इंजन पर सचित्र 25 पैसे वाला बहुरंगी डाक टिकट जारी किया गया।



8. एशिया की प्रथम अंतरराष्ट्रीय डाक प्रदर्शनी दिनांक 19 से 23 अक्टूबर, 1977 को बेंगलूरु में आयोजित की गई थी, जिसे एशियाना-77 कहते हैं। इस अवसर पर जारी (दिनांक 19 अक्टूबर, 1977) बहुरंगी ₹3 मूल्य के डाक टिकट में, 1927 में बम्बई के बल्लार्ड पीयर में आने वाली विदेशी डाक का एक चित्र अंकित किया गया, जिसमें जल जहाज के साथ प्रमुखता से रेल की खड़ी ट्रेन को सचित्र दर्शाया गया है।



9. दिनांक 18 दिसम्बर, 1982 को दार्जिलिंग हिमालयी रेल शताब्दी के अवसर पर 285 पैसे का बहुरंगी डाक टिकट जारी किया गया। 87.48 कि.मी. लंबा और 2 फीट चौड़ा यह रेल मार्ग दार्जिलिंग को सिलीगुड़ी से जोड़ता है। इस मार्ग का

निर्माण बिना सुरंगों के लूपों (loops) और प्रतिवर्ती स्थिति (reverses) का प्रयोग करके किया गया है, इस सेक्शन में 4 लूप हैं, जिनमें अत्यधिक प्रसिद्ध बतासिया लूप है। अँग्रेजी के अक्षर के आकार के 5 प्रतिवर्ती, 5 बड़े और 498 छोटे पुल हैं तथा 177 लेवेल क्रॉसिंग्स हैं। इस रेलमार्ग की लगभग 90% लंबाई घुमावदार हैं और इसमें सबसे तीखा ढलान 1 से 22 का है। इसका निर्माण 1878 में शुरू हो कर 1881 में पूरा हुआ था। 1962 में इस लाइन को सिलीगुड़ी से न्यू जलपाई गुड़ी तक बढ़ाया गया। इस मार्ग में B class का स्टीम इंजन प्रयुक्त होता था। यह मार्ग अद्वितीय इंजीनियरी कौशल और प्राकृतिक सौंदर्य से भरा है। यह भिन्न-भिन्न जलवायु वाला क्षेत्र है।



10. दिनांक 30 दिसम्बर, 1982 से 5 जनवरी 1983 तक नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय डाक प्रदर्शनी आयोजित की गई थी, जिसे INPEX 82 कहते हैं। इस अवसर पर (दिनांक 30 दिसम्बर, 1982) बहुरंगी 50 पैसे मूल्य का डाक टिकट जारी किया गया। जिस पर एक पुराना चार पहिया कोच बना है, इस कोच के बीच भाग में RMS का हिस्सा है और कोच के दोनों ओर यात्रियों के बैठने का हिस्सा है। कोच के पीछे छाया चित्र में सफेद रंग में रेल के भाप इंजन को सचित्र दर्शाया है।



11. 9 मार्च, 1887 को लंदन में गठित बंगाल-नागपुर कंपनी ने नंदगाँव नागपुर एमजी लाइन का काम अपने हाथ में लिया था फिर इस कंपनी को 1 अक्टूबर 1944 को ईस्ट इंडियन रेल के साथ मिला दिया गया, बाद में 17 जून 1955 को पुनः अलग-अलग करके दक्षिण पूर्व रेलवे कर दिया गया, यह रेल प्राकृतिक संसाधनों, सांस्कृतिक विरासत और लोक कला से समृद्ध है। दिनांक 28 मार्च, 1987 को दक्षिण पूर्व रेलवे के शताब्दी वर्ष पर बहुरंगी स्मृति डाक टिकटों का एक सेट जारी किया गया।

(a) Blast Furnace (service to five steel plants industries) और दक्षिण पूर्व रेलवे के प्रतीक वाला 100 पैसे मूल्य का डाक टिकट



(b) PL type NG 0-6-4T Locomotive No-691 नौपड़ा गुरूपुर खंड, वर्ष 1887 का सचित्र वाला 150 पैसे मूल्य का डाक टिकट :



(C) कोट्टावसाला-किरंडुल खंड पर विद्युत रेल इंजन 1987 का सचित्र 200 पैसे मूल्य का डाक टिकट;



(d) गोदिया-नागपुर खंड पर जेड ई प्रकार का नैरो गेज भाप इंजन, सचित्र, 400 पैसे मूल्य का डाक टिकट



12. विक्टोरिया टर्मिन्स, बम्बई के 100 वर्ष होने पर दिनांक 30 मई, 1988 को 100 पैसे का एक तीन रंगी डाक टिकट जारी किया गया। मध्य रेल के प्रशासनिक मुख्यालय का निर्माण 1888 में ग्रेट इंडियन पेनिन्सुल्ला रेल द्वारा किया गया। इस भवन को विश्व के सुंदरतम स्टेशन भवनों में माना जाता है, यह वास्तु-शिल्पीय दृष्टि से अत्यंत वैभवशाली है। इस भवन के निर्माण में 10 वर्ष का समय लगा था। बाद में 1996 में इसका नाम बदलकर छत्रपति शिवाजी टर्मिनस रखा गया।



13. पर्वतीय रेल इंजन : पर्वतीय क्षेत्र में यातायात एक स्थायी समस्या थी इसको कम करने हेतु मतरेन, दार्जिलिंग, नीलगिरि और कालका तक रेल लाइन का विस्तार किया गया। इन सभी रेल पर दिनांक 16 मार्च, 1993 के निम्न विभिन्न मूल्यवर्ग के डाक टिकट जारी किए गए :

(a) नेराल–माथेरान रेल 87 कि.मी. लंबी और 2 फीट चौड़ी 1907 में बिछाई गई थी, इसमें अधिकतम ढलान का अनुपात 20 में 1 है। इस ट्रेन को बर्लिन के Orenstein और Koppel द्वारा निर्मित 0–6–0 टैंक प्रकार के स्टीम लोको से खींचा जाता था। इस रेल पर 100 पैसे का बहुरंगी डाक टिकट जारी किया गया।



(b) दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे : यह न्यूजलपाईगुड़ी से 88 कि.मी. लंबी है। इसका गेज 610 एमएम है, इसमें अधिकतम ढलान का अनुपात 25 में 1 है। यहाँ अनेक लूप हैं। यहाँ भाप के रेल इंजन बी क्लास 0–4–0 सैडल और वेल टेंक टाइप वाले होते थे, जो 1889 और 1925 के बीच ब्रिटेन से लाये गये थे। इस रेल पर 600 पैसे का बहुरंगी डाक टिकट जारी किया गया।



(c) नीलगिरि हिल रेल लाइन : यह मार्ग 1885 से 1908 के मध्य बनाया गया था। इसकी (Mettupalyam-Ooty) कुल लंबाई 52 कि.मी. है, जो 4 घंटे में पूरी होती है। इसमें अधिकतम ढलान का अनुपात 23 में 1 है। यहाँ अनेक लूप हैं। 1908 में मैनचेस्टर की Beyer Peacock Co. और नार्थ ब्रिटिश लोकोमोटिव Co. की ग्लासगो से लाये भाप के रेल इंजन के पहिये और पटरी दाँतेदार (rack & Pinion system) प्रणाली थे, जो खड़ी चढ़ाई पर पूरा नियंत्रण रखते थे। बाद में 1940 और 1952 के बीच स्वीस लोकोमोटिव वर्क्स से Rack and Adhesion 0–8–2 (XI) और 0–8–2 (X) टाइप के भाप इंजन आए थे। इस रेल पर 800 पैसे का बहुरंगी डाक टिकट जारी किया गया।



(d) कालका शिमला रेल लाइन : यह मार्ग 1903 में आवागमन के लिए खोला गया था। इसकी कुल लंबाई 96 कि.मी. है और इसमें 102 सुरंगे हैं। इसका गेज 762 एमएम है, इसमें अधिकतम ढलान का अनुपात 25 में 1 है। यहाँ अनेक लूप हैं। यहाँ भाप के रेल इंजन क्लास 2–6–2 टैंक टाइप वाले होते थे, जो 1904 और 1935 के बीच ब्रिटेन (क्लास K–1,K–2, के-C with Walshaert valve gear) और जर्मनी (क्लास–ZF, ZF-1 with Caprotti poppet valve) में बनाये गए थे। इस रेल पर 1100 पैसे का बहुरंगी डाक टिकट जारी किया गया।



14. राष्ट्रीय रेल संग्रहालाय नई दिल्ली की रजत जयन्ती (25 वर्ष) के अवसर पर दिनांक 07 अक्टूबर, 1996 को 500 पैसे का बहुरंगी स्मृति डाक टिकट जारी किया गया। डाक टिकट में 145 साल पुराने भाप इंजन फेरी क्वीन और 1862 में निर्मित एक अन्य भाप इंजन रामगोटी को दर्शाया गया है। भारतीय राष्ट्रीय रेल संग्रहालय की स्थापना 1971 में हुई थी। यहां भारतीय रेल इतिहास का खूबसूरती से संजोया गया है।



15. कोंकण रेल का निर्माण कार्य, भारतीय गणतंत्र के स्वर्ण जयन्ती के दिन दिनांक 26 जनवरी, 1998 को पूरा हुआ था, इस अवसर पर 800 पैसे का बहुरंगी स्मृति डाक टिकट जारी किया गया। डाक टिकट में दर्शाया गया सेतु एशिया का सबसे ऊंचा 64 मीटर और 423.25 मीटर लंबा है, जो जो पनवल नदी घाटी रत्नागिरि में बना है। इस रेल मार्ग में 92 सुरंगों, 179 मुख्य पुलों, 1819 छोटे पुलों और 59 स्टेशनों का निर्माण हुआ। इसमें तब देश की सबसे लंबी रेल सुरंग 6.5 कि.मी. Karbude (रत्नागिरि) थी।



16. दून घाटी में रेल के सौ वर्ष होने पर दिनांक 6 मई, 2000 को 1500 पैसे का बहुरंगी स्मृति डाक टिकट जारी किया गया। यह मार्ग 26 लाख की लागत से 1 मार्च, 1900 को शुरू हुआ था। इस मार्ग के शुरू होने से देहरादून क्षेत्र समृद्ध हुआ। प्रसिद्ध पर्यटक स्थल बना और यहाँ अनेक राष्ट्रीय संस्थान स्थापित हुए। इस घाटी में वन अनुसंधान संस्थान, भारतीय सैन्य

अकादमी, राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, ONGC मुख्यालय आदि हैं। इस रेलमार्ग की लंबाई 51.26 कि.मी. है, यह मार्ग राजाजी राष्ट्रीय उद्यान अभयारण्य में हो कर बना है अर्थात् इस क्षेत्र के विकास में रेल का अद्वितीय योगदान है।



17. पश्चिम रेलवे के प्रधान कार्यालय भवन, चर्चगेट, मुंबई के सौ वर्ष होने पर दिनांक 06 फरवरी, 2001 को 1500 पैसे का बहुरंगी स्मृति डाक टिकट जारी किया गया। इस डाक टिकट में भवन के चित्र के साथ, स्टीम और इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्स भी दर्शाये गये हैं। यह भवन मूल रूप से बॉम्बे, बड़ौदा और मध्य रेल का मुख्यालय था। इस भवन का निर्माण 1894 से शुरू होकर 1899 में पूरा हुआ था। इस भवन की आधार से 100 फीट तक ऊँचाई वर्गाकार है और यह अष्टकोणीय आकृति में एक गुंबद से घिरा है। इसकी निर्माण सरचना गोथिक शैली की याद दिलाती है। 1951 में बॉम्बे, बड़ौदा और मध्य रेल का पश्चिम रेलवे में विलय होकर, वहाँ का प्रधान कार्यालय बना।



18. भारतीय रेल की 150 वीं वर्षगांठ पर एक वर्ष तक चलने वाला उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर दिनांक 16 मार्च, 2002 को 1500 पैसे का बहुरंगी स्मृति डाक टिकट और मिनियेचर (miniature) शीट जारी की गई। इस टिकट के डिज़ाइन में 1853 के भारतीय परिदृश्य को दर्शाया गया है, जिसमें भारत में चली पहली ट्रेन 16 अप्रैल 1853 को बोर बंदर से ठाणे के बीच रवाना हुई। दूरी 34 कि.मी. की थी।



19. कालका शिमला रेल लाइन के 100 वर्ष होने पर दिनांक 09 नवंबर, 2003 को 500 पैसे का चार रंगों वाला स्मृति डाक टिकट जारी किया गया। कालका से शिमला तक का सफर पूर्णतः विश्व में अनूठा है। 96 कि.मी. लंबे मार्ग पर, यह टॉय-ट्रेन जैसी, 7 डिब्बे और लगभग 200 यात्री को ढोने वाली ट्रेन को 700 HP बी-बी टाइप वाला इंजन खींचता है। यहाँ का तापमान 0-45 सेल्सियस और सर्दियों में 2 फुट तक बर्फ, रेल की 25-30 kmph गति होती हैं।



20. सवारी डिब्बा कारखाना (ICF), पैराम्बूर (चेन्नई) की स्वर्ण जयंती के अवसर पर दिनांक 19 दिसम्बर, 2005 को 500 पैसे का स्मृति डाक टिकट जारी किया गया। इस कारखाने का निर्माण 1952 में शुरू किया गया था। 2 अक्टूबर, 1955 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने पहले सवारी डिब्बे को हरी झंडी दिखाई थी। लगभग 13 से अधिक देशों को डिब्बे निर्यात भी किए जाते हैं भारतीय रेल में पहले स्टेनलेस स्टील निर्मित डिब्बों का निर्माण यहीं से शुरू हुआ था।



21. भारतीय रेल की सहभागिता से चलने वाली लाइफ लाइन एक्सप्रेस, रेल पर चलने वाला विश्व का पहला अस्पताल है, जिसमें अस्पताल की समस्त जरूरत ऑपरेशन थियेटर, रिकवरी रूम, लैब, ऑडिटोरियम, टीवी, सीसीटीवी जनरेटर आदि उपलब्ध हैं यह रेल विशेष आपदा प्रबंधन में बहुत उपयोगी है। इस रेल से दूर स्थित ग्रामीण गरीब जनों के लिए चिकित्सा सुविधा बहुत आसानी से दी जा सकती है। लाइफ लाइन एक्सप्रेस पर दिनांक 12 मई, 2009 को 500 पैसे का स्मृति डाक टिकट जारी किया गया। इस डाक टिकट पर ट्रेन के साथ मरीज और डॉक्टर आदि को सचित्र दिखाया गया है।



22. भारत के चार प्रमुख हेरिटेज रेलवे स्टेशनों (हावड़ा, चेन्नई सेंट्रल, मुंबई सी एस टी, पुरानी दिल्ली) के इतिहास और इनके विकास की प्रगति पर दिनांक 16 अगस्त, 2009 को 500 पैसे का स्मृति डाक टिकटों का एक सेट और मिनियेचर शीट जारी की गई। 15 अगस्त, 1854 में हावड़ा से पहली रेल पंडुआ के लिए चली थी। 1867 में पुरानी दिल्ली से रेल की

शुरुआत हुई थी। 1878 विक्टोरिया टर्मिनस की शुरुआत हुई थी, बाद में 1996 में इसका नाम बादल कर छत्रपति शिवाजी टर्मिनस रखा गया। 1873 में मद्रास सेंट्रल रेलवे स्टेशन शुरू हुआ था। बाद में 1996 में इसका नाम बदल कर चेन्नई सेंट्रल रखा गया और फिर पुनः 2019 में इसका नाम बादल कर पूरात्ची थलाइवा डॉक्टर एम.जी. रामचंद्रन सेंट्रल रेलवे स्टेशन रखा गया। इन सभी रेल की इमारतें 19 वीं सदी की विशालकाय भव्यता, प्रभुत्त्व तथा अत्यंत शानदार वास्तुशिल्प की परिचायक हैं।



23. जमालपुर रेल कारखाना 8 फरवरी, 1862 को स्थापित हुआ था। यह सबसे बड़े और पुराने रेल इंजन की मरम्मत करने वाला कारखाना है काँचारापाड़ा कारखाना की स्थापना 1863 में पूर्वी बंगाल रेलवे द्वारा की गई। ये कारखाने रेल की बदलती हुई आवश्यकताओं को पूरा करने और उच्च गुणवत्ता का उत्पादन कर राष्ट्र की सेवा 150 वर्षों से करते आ रहे हैं। इन कारखानों के 150 वर्ष पूरे होने पर दिनांक 26 नवंबर, 2013 को 500 पैसे और 2000 पैसे के स्मृति डाक टिकटों का एक सेट और मिनियेचर शीट जारी की गई।



24. भारतीय रेल की इंट्रीगल कोच फैक्ट्री, चेन्नई द्वारा निर्मित सबसे पहली स्वदेशी (भारतीय रेल) सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस पर दिनांक 20 अगस्त, 2019 को 500 पैसे का My stamp डाक टिकट जारी किया गया। इसकी गति 160 कि.मी. प्रतिघंटा होती है। ICF चेन्नई 12 माह में 2919 डिब्बों का निर्माण कर दुनिया की सबसे बड़ी फैक्ट्री बन गई है।



25. दक्षिण पूर्व रेलवे, चक्रधरपुर मंडल के डांगोवापोसी–राजखरसांवा सेक्शन पर केंदपोसी में दिनांक 15 दिसम्बर, 1919 को पहली बार 25 KVAC ट्रेक्शन का प्रयोग किया गया और इसके माध्यम से बीबीएम–1 बसें लोको नं.–20250 को चालू किया गया। 25 KVAC ट्रेक्शन की हीरक जयंती 15 दिसम्बर, 2019 को 500 पैसे का माय स्टैम्प डाक टिकट जारी किया गया।



26. फेयरी क्वीन एक स्टीम लोकोमोटिव है, जिसका निर्माण भारतीय गेज अनुसार 1855 में किटसन थॉमप्सन और हेविटसन, लीड्स इंग्लैंड ने किया था। फिर इसी वर्ष इसे ईस्ट इंडिया कंपनी कोलकाता को दिया, जिस ने इसका फ्लीट सीरियल नं. 22 दिया। 1972 में इसे भारत सरकार द्वारा विरासत का दर्जा दिया है, 18 अक्टूबर, 1997 को इसे पुनः बहाल कर, लग्ज़री डिब्बों से जोड़कर और राजस्थान पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु दिल्ली और अलवर के बीच 143 कि.मी. दूरी पर, सरिस्का अभयारण्य भ्रमण हेतु चलाया गया। इस विरासत लोकोमोटिव पर 500 पैसे का माय स्टैम्प डाक टिकट जारी किया गया।



27. 24 दिसंबर, 2020 को 1000 पैसे मूल्य का बहुरंगी डाक टिकट कोविड–19 योद्धाओं को सलाम थीम पर जारी किया गया, जिसमें 'भारतीय रेल' के योगदान को भी दिखाया गया है।



28. 25 अगस्त, 2021 को यूनेस्को ने दार्जिलिंग हिमालय रेल (DHR) पर एक डाक टिकट (मूल्य 1.5 CHF स्विस मुद्रा) सचित्र जारी किया, यह भारतीय रेल के लिए गर्व करने का विषय है। DHR को 1999 में यूनेस्को ने विश्व विरासत भी घोषित किया था, क्योंकि यह पूरी दुनिया के पर्यटको को आकर्षित करता रहा है।



सूचना

'भारतीय रेल' पत्रिका में लेखक के नाम के साथ प्रकाशित हुए लेख (फोटोग्राफ के साथ), लेखक द्वारा उपलब्ध करवाए जाते हैं। भविष्य में लेख तथा फोटोग्राफ्स से सम्बन्धित कॉपी राइट्स के उल्लंघन तथा अन्य किसी भी प्रकार के विवाद के लिए लेखक संपूर्ण रूप से जिम्मेदार होगा। रेल मंत्रालय या संपादकीय टीम किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगी। लेख में व्यक्त किए गए विचार लेखक के निजी विचार हैं, इनसे संपादक मंडल का सहमत होना जरूरी नहीं है। *–संपादक*

खेलो इंडिया : परंपरा को मिला पुनर्जीवन

प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी
पूर्व महानिदेशक,
भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली

विराट् भारतीय संस्कृति और परंपराओं में बचपन से ही पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का भी एक विशेष महत्त्व रहा है। हमारा यह विश्वास रहा है कि जिस प्रकार अध्ययन मानसिक विकास में आवश्यक है, उसी तरह खेल शारीरिक विकास में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमारे जीवन में खेल और स्वास्थ्य का बहुत बड़ा योगदान है। खेल हमारे भीतर टीम भावना पैदा करते हैं। साथ ही इनसे हमारे अंदर, सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता, नेतृत्त्व कौशल, लक्ष्य निर्धारण और जोखिम लेने का आत्मविश्वास भी उत्पन्न होता है।

शताब्दियों तक भारतीय ज्ञान, अध्ययन और अध्यापन परंपरा में खेलों को समान महत्त्व दिया गया, क्योंकि एक सुदृढ़ व्यक्तित्व का निर्माण तभी संभव है, जब उसमें एक 'विचारशील मन' और एक 'सुगठित तन', दोनों शामिल हों। हमारे प्राचीन गुरुकुलों में दी जाने वाली शिक्षा इसका प्रमाण है, जिसमें शास्त्रों-वेदों के अलावा विभिन्न प्रकार के खेल कौशलों की भी विधिवत् शिक्षा दी जाती थी।

अंग्रेजों ने खराब की शिक्षा प्रणाली

लेकिन, करीब दो शताब्दी पहले अंग्रेजों का भारत में आगमन हुआ और उन्होंने बड़ी सोची-समझी रणनीति के तहत हम पर एक नई शिक्षा व्यवस्था थोपना शुरू कर दिया। सत्ता की ताकत, अधिकार और प्रचार तंत्र उनके साथ था, इसलिए वह यह स्थापित करने में वे सफल रहे कि उनकी लाई गई शिक्षा पद्धति से पढ़ने में ही हम भारतीयों का हित है। इसी क्रम में उन्होंने खेलों को हमारी शिक्षण परंपरा से निर्वासित कर दिया, क्योंकि उन्हें भारत में अपना शासन चलाने के लिए बड़ी तादाद में ऐसे स्थानीय लोगों की जरूरत थी, जो दिमागी कामों में तो तेज हों, लेकिन शारीरिक रूप से इतने सक्षम और आत्मविश्वास से भरपूर न हों, कि उनके विरुद्ध खड़े होकर उनके लिए समस्या खड़ी कर सकें।

अपने शासन की दो सदियों में उन्होंने हमारी मूल शिक्षा पद्धति को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया और हमें यह विश्वास दिलाने में कामयाब रहे कि हमारी जो शिक्षा थी, वह हमारे पिछड़े रह जाने का कारण बनी और उनकी शिक्षा ने हमें रोज़गार के अवसर दिए। यही कारण रहा कि हम भी उनके रंग में रंगते चले गए। कहने का तात्पर्य यह है कि जो शिक्षा उन्होंने हमें दी, उसमें खेलों के लिए जगह नहीं थी। दुर्भाग्यवश, हमने आजादी के बाद भी उन्हीं की परिपाटी को अपनाए रखा और अपने बच्चों को उन्हीं के तौर-तरीकों से शिक्षित करना जारी रखा। हम अपने बच्चों को खेलों से दूर रखते हुए उन्हें निरंतर यही बताते रहे कि, 'पढ़ोगे-लिखोगे बनोगे नवाब, जो खेलोगे-कूदोगे होगे खराब...' और तो और, खेलों को लेकर बचपन का जो सहज-स्वाभाविक आकर्षण होता है, उसे भी हमने उनसे छीनकर उन्हें पाठ्यक्रम की भारी-भरकम किताबों के तले दबा दिया। अगले करीब सात दशकों तक कमोवेश यही स्थिति बरकरार रही और अनंतकाल तक रह सकती थी।

केन्द्र सरकार ने दिया परंपरा को पुनर्जीवन

लेकिन, वर्ष 2014 में जब केंद्र में प्रधानमंत्री के नेतृत्त्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार सत्ता में आई, तो स्थिति बदलनी शुरू हुई। भारत जैसे देश में जहाँ अभी तक क्रिकेट जैसे औपनिवेशिक और एलीट खेल का दबदबा था, दूसरे खेलों को प्रोत्साहन दिया जाना शुरू हुआ। फिर देखते ही देखते, एथलेटिक्स, कबड्डी, आर्चरी, शूटिंग, रेसलिंग, जैवलिन थ्रो, वेटलिफ्टिंग जैसे अनेक खेलों में, जो अभी तक उपेक्षा झेल रहे थे, भारतीय खिलाड़ियों ने एक के बाद एक उपलब्धियाँ हासिल करनी शुरू कीं। भारत देखते ही देखते, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्पोर्ट्स सुपर पॉवर के रूप में उभरने लगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्त्व में देश में एक ऐसी खेल संस्कृति का उदय हुआ, जो अभूतपूर्व थी।

इसी संस्कृति को विराटता और व्यापकता देने के लिए सरकार ने 2018 में एक अभिनव अभियान का आरंभ किया, यह था 'खेलो इंडिया गेम्स'। भारत में खेले जाने वाले सभी खेलों के लिए एक कारगर कार्ययोजना बनाकर इसे एक

गौरवशाली खेल-राष्ट्र के रूप में स्थापित करने व जमीनी स्तर पर भारतीय खेल संस्कृति को पुनर्जीवित करने के लिए तथा खेलों में देश के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से लाई गई भारत सरकार की इस राष्ट्रीय योजना को तत्कालीन खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर ने दिल्ली में लॉन्च किया था। 'खेलो इंडिया स्कूल गेम्स' के नाम से शुरू की गई इस पहल की शानदार सफलता को देखते हुए इसे और विस्तार दिया गया। इसी साल भारतीय ओलंपिक संघ के इस पहल से जुड़ते ही इसे और मजबूती व लोकप्रियता मिली।

'खेलो इंडिया' का बढ़ता दायरा

खेलों का सिलसिला बचपन तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे आगे बढ़ाकर युवाओं को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए, इस विचार से अगले ही साल, यानि 2019 से इसका नाम बदलकर 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' कर दिया गया। और इसमें भारतीय युवाओं की विशाल आबादी को भी शामिल कर लिया गया। बचपन के उत्साह और युवा शक्ति और सामर्थ्य ने मिलकर 'खेलो इंडिया' को इतना व्यापक स्वरूप प्रदान कर दिया है कि यह देश के सर्वाधिक सफल अभियानों में गिना जाने लगा है। यह उपलब्धि हमें कोई अनायास ही हासिल नहीं हुई है, बल्कि इसके पीछे हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्त्व वाली केंद्र सरकार की सृजनात्मक, कल्पनाशील व दूरदर्शितापूर्ण सोच व कड़ी मेहनत का बहुत बड़ा योगदान है।

'खेलो इंडिया यूथ गेम्स', जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है, एक ऐसी अभूतपूर्व योजना है जिसे भारतीय खिलाड़ियों के दीर्घकालीन विकास का मार्ग प्रशस्त करने के लिए लागू किया गया है। युवा खिलाड़ियों को पढ़ाई और खेल, दोनों में ही आगे बढ़ाने के उद्देश्य के साथ आरंभ इस कार्यक्रम का लक्ष्य, देश में बीस विश्वविद्यालयों की पहचान करना और उन्हें बढ़ावा देना है। भारतीय खेल विकास प्राधिकरण (साई) द्वारा राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज पोर्टल प्राथमिकता वाले खेल विषयों में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान के लिए एक मंच प्रदान करता है। खेलो इंडिया एथलीटों का चयन, खेलो इंडिया गेम्स, नेशनल चैंपियनशिप/ओपन सेलेक्शन ट्रायल्स में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। केंद्रीय खेल व युवा मामलों के मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने पिछले साल लोकसभा में बताया था कि देश भर से 21 खेल विधाओं में 2,841 एथलीटों को 'खेलो इंडिया एथलीट' के रूप में चुना गया था। इन चुने हुए एथलीटों को खेलो इंडिया स्कॉलरशिप के लिए प्रतिस्पर्धा करने और अत्याधुनिक खेलो इंडिया अकादमियों में देश के सर्वश्रेष्ठ कोचों से प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया जाता है। साथ ही उन्हें ₹10,000 प्रतिमाह का जेब खर्च भी मिलता है।

अभी तक इस क्रम में 2017 और 2021 के बीच तीन 'खेलो इंडिया स्कूल और यूथ गेम्स', एक 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स' और दो 'खेलो इंडिया विंटर गेम्स आयोजित' किए जा चुके हैं, जिनमें लगभग बीस हजार एथलीटों ने हिस्सा लिया था। 'खेलो इंडिया कार्यक्रम' में अभी तक जिन खेलों का समावेश किया गया है, उनमें एथलेटिक्स, कबड्डी, कुश्ती, खो-खो, जूडो, जिम्नास्टिक, तीरंदाजी, टेबल टेनिस, तैराकी, निशानेबाजी, फुटबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, लॉन टेनिस, वालीबॉल, वेटलिफ्टिंग, हॉकी जैसे खेल शामिल हैं।

'खेलो इंडिया' कार्यक्रम 'राजीव गांधी खेल अभियान', 'शहरी खेल अवसंरचना योजना' और 'राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज योजना' जैसी तीन योजनाओं को एक साथ मिलाकर बनाया गया है। खेलों के विकास के लिए रचित राष्ट्रीय कार्यक्रम 'खेलो इंडिया' के अंतर्गत एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति द्वारा विभिन्न स्तरों पर चुने गए प्रतिभाशाली एथलीटों को आठ वर्षों के लिए प्रति वर्ष पाँच लाख रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। गुजराती 'खेल महाकुंभ' मॉडल पर आधारित, 27 विषयों वाली 'खेलो इंडिया योजना' में भाग लेने के लिए देश भर के स्कूलों और विश्वविद्यालयों को आमंत्रित किया जाता है। इसके माध्यम से देश की युवा खेल प्रतिभाओं को प्रेरित किया जाता है और उन्हें शीर्ष स्तर तक ले जाने के लिए उच्चस्तरीय बुनियादी सुविधाएँ और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाता है। इससे युवाओं में खेलों में उनकी भागीदारी के लिए एक मजबूत भावना विकसित होती है, जो उन्हें एक खिलाड़ी के रूप में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने में सक्षम बनाती है।

'स्पोर्ट्स फॉर ऑल'...स्पोर्ट्स फॉर एक्सीलेंस'

'खेलो इंडिया कार्यक्रम' के प्रमुख निहित उद्देश्यों में 'उत्कृष्टता के लिए खेल' के साथ-साथ 'सभी के लिए खेल' को बढ़ावा देना, वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं में बड़े पैमाने पर युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना, केंद्र सरकार, राज्य सरकार या सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) पद्धति में खेल अकादमियों के माध्यम से खेल प्रतिभाओं की पहचान और पोषण व मार्गदर्शन तथा तहसील, जिला, व राज्य स्तर आदि पर खेल के बुनियादी ढांचे का निर्माण आदि शामिल हैं।

संक्षेप में कहें तो 'खेलो इंडिया योजना' एक ऐसा कार्यक्रम है, जो जमीनी स्तर पर भारत की खेल संस्कृति को मजबूत और पुनर्जीवित करता है और खेल प्रतिभाओं की पहचान, विकास और पोषण-प्रोत्साहन से खेल संस्कृति को विकसित करता है। यह कार्यक्रम वंचित और गरीब युवाओं को अनुत्पादक कार्यों के बजाय खेलों से जुड़कर विकास करने की सुविधा प्रदान करता है। यह योजना कितनी व्यापक है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यह योजना राष्ट्रीय शारीरिक स्वास्थ्य अभियान के तहत 10 से 18 वर्ष के बीच के लगभग बीस करोड़ बच्चों को कवर करती है। इस योजना के आकार और उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार लगातार इसके लिए आवंटित राशि की मात्रा बढ़ा रही है। वर्ष 2021-22 में इसके लिए ₹657.71 करोड़ आवंटित किए गए थे, जिन्हें वर्ष 2022-23 में बढ़ाकर ₹974 करोड़ कर दिया गया और चालू वित्त वर्ष (2023-24) में इसे ₹1045 करोड़ किया गया है।

अपना ज्ञान टटोलें

1 हाल ही में प्रधानमंत्री ने कितनी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई थी?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
9	25	5	10

2 रेलवे स्टेशनों पर रिटायरिंग रूम अधिकतम कितने घंटों के लिए बुक किए जा सकते हैं?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
24	48	12	36

3 भारत का सबसे लंबा रेल पुल किस प्रदेश में बन रहा है?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
मध्य प्रदेश	उत्तर प्रदेश	ओडिसा	दिल्ली

4 प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की स्थापना हेतु कितने रेलवे स्टेशनों को चुना गया है?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
100	65	50	28

5 जनजातीय प्रभुत्त्व वाले क्षेत्रों में रेल अवसंरचना वृद्धि परियोजना का नाम?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
जनजातीय गौरव कॉरिडोर	जनजातीय रेल मार्ग	कर्मयोगी रेल मार्ग	गौरव मार्ग

6 स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली का नाम?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
आरआरआई	कवच	भीम	आदित्य

7 बनारस स्थित रेल इंजन कारखाना का नाम?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
एम. सी.एफ.	डिजल लोकोमोटिव वर्कस	आर.सी.एफ.	बनारल रेल इंजन कारखाना

8 भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेलवे समुद्री ब्रिज का नाम?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
बोगीबिल ब्रिज	हावड़ा ब्रिज	पम्बन ब्रिज	नेताजी ब्रिज

9 नेशनल रेल म्यूजियम कहाँ पर स्थित है?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
कोलकाता	मुंबई	हुबली	नई दिल्ली

10 रेल मंत्रालय द्वारा संचालित यूनिवर्सिटी का नाम बताएँ?

(क)	(ख)	(ग)	(घ)
भारतीय रेल यूनिवर्सिटी	गति शक्ति यूनिवर्सिटी	इंडियन रेलवेज यूनिवर्सिटी	रेल यूनिवर्सिटी

2. (घ) 4. (ग) 6. (घ) 8. (ग) 10. (घ)
1. (क) 3. (ग) 5. (क) 7. (ग) 9. (ग)

पेज 37 पर

रेल, पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र हिंदी मासिक पत्रिका



भारतीय रेल

की सदस्यता अब ऑनलाइन भी उपलब्ध

विज़िट करें

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn

क्यूआर कोड स्कैन करें

सदस्यता शुल्क

मद		ऑफलाइन सदस्यता शुल्क (₹)	ऑनलाइन सदस्यता शुल्क (₹)
एक प्रति (मासिक अंक)		20	-
एक प्रति (विशेषांक)		70	-
वार्षिक सदस्यता (सर्व साधारण)	एक वर्ष	250	263
	दो वर्ष	460	483
	तीन वर्ष	675	709
वार्षिक सदस्यता (रेलकर्मी)	एक वर्ष	200	210
	दो वर्ष	370	389
	तीन वर्ष	540	567
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) सी-मेल द्वारा		1,250	1,313
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) एयर-मेल द्वारा		2,500	2,625

(वार्षिक सदस्यता शुल्क विशेषांक के साथ)

भुगतान का माध्यम

ऑनलाइन सदस्य www.irctctourism.com/IRBRMag पर सदस्यता शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।

ऑफलाइन डी.डी./चेक/म.ओ./पो.ओ./नगद देय-'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली'

सदस्यता फॉर्म

नाम .....

पता .....

पोस्ट..... जिला .....

राज्य ..... पिन कोड .....

मोबाइल ..... ई-मेल .....

रेल कर्मचारी: हाँ/नहीं वर्तमान सदस्यता (यदि हो तो) संख्या ..... तारीख .....

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: व्यापार प्रबंधक, कमरा नं. 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,
टेलीफोन: 011-47845089, 45089 (रेल) **bmpr310rb@gmail.com, irbrhelp@gmail.com**

प्रिय विज्ञापनदाता

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र मासिक हिन्दी पत्रिका

भारतीय रेल

में अपने विज्ञापन देकर लाखों उपभोक्ताओं तक अपने उत्पादों की पहुँच बनाए

विज्ञापन दरें

(विज्ञापन चार कलर में)

नीचे दी गई दरों के साथ 5 प्रतिशत की जीएसटी/आइजीएसटी प्राप्य होगी

विवरण	विशेष दर (वार्षिक अंक) (₹)	सामान्य अंक (मासिक दरें)	
		सामान्य दरें (₹)	अनुबंधित दरें (₹)
बैक कवर	13,300	11,400	10,450
सेकेण्ड कवर	12,350	10,450	9,500
थर्ड कवर	11,400	9,500	8,550
पूरा पृष्ठ (विशेष स्थिति, जैसे टेक्स्ट के बाद में)	9,500	8,550	7,600
पूरा पृष्ठ	8,550	7,600	6,650
आधा पृष्ठ	6,650	5,130	4,180
सेंटर स्प्रेड	17,000	15,000	13,300
सेंटर स्प्रेड (दो पेज इकट्ठे) (स्पेशल पोजीशन)	18,500	16,500	14,700

* तीन महीने या ज्यादा समय के लिए लगातार अथवा बारी-बारी देने पर अनुबंधित दरें लागू।

तकनीकी विवरण

पत्रिका का आकार

28 X 20.5 सेमी

छपाई क्षेत्र

23 X 16.5 सेमी

भुगतान का माध्यम

'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली' के पक्ष में डिमाण्ड ड्राफ्ट अथवा नकद राशि रूम नं. 310, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001 में जमा की जा सकती है

विज्ञापन सामग्री

ई-मेल, आर्टपुल, सीडी

पत्रिका का प्रसार

समग्र देश में

संपर्ककरें:

व्यापार प्रबंधक

310, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,

टेलिफोन: 011-233822531, 23303665, 23304456

bmpr310rb@gmail.com

FLUID CONTROLS®

ENGINEERING CONNECTIONS EVERYDAY







INNOVATING FOR PERFORMANCE. EVERYDAY.

GOLD SPONSOR

IREE 2023
15th INTERNATIONAL RAILWAY EQUIPMENT EXHIBITION
Global Platform for Railway Technology & Services

12-14 October, 2023
Pragati Maidan, New Delhi

HALL A5 | STALL 5.78



Fluid Controls Private Limited has over 45 years of experience in engineering connections for Rail & Metro brake piping assemblies. Certified for the International Railway Industry Standard (IRIS – ISO/TS 22163:2017), Aerospace AS9100 and ISO/IEC 17025:2017 for our laboratory, Fluid Controls offers comprehensive solutions – from design, engineering, testing and on-site installation services to the supply of high-performance connectors, isolating cocks, cleats and tube & hose assemblies.

WE HAVE
INNOVATION

45+ YEARS OF EXPERIENCE • IRIS & AS9100 CERTIFIED
IN-HOUSE R&D • OVER 30 MILLION CONNECTORS INSTALLED
APPROVED BY MAJOR ROLLING STOCK MANUFACTURERS

VISIT US AT IREE 2023 • NEW DELHI • HALL A5 • STALL 5.78

+91-22-68238000 railways@fluidcontrols.com fluidcontrols.com

पंजीयन संख्या : दिल्ली पोस्टल नं. डी.एल. (एन.डी.)-11/6031/2021-22-2023
आर.एन.आई. रजिस्टर्ड नं. 14427/1960
आई.एस.एस.एन. 2457-0001
दिनांक 08 को प्रकाशित तथा दिनांक 10-11 को प्रेषित



मुद्रक व प्रकाशक : **ललित कुमार धनकड़** द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के लिए मैसर्स जे.के. ऑफसेट ग्राफिक्स प्रा.लि., बी-278, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 में मुद्रित व 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली से प्रकाशित। संपादक : **योगेश अवस्थी**